पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट
रविवार 12 अक्टूबर 2025
कार्तिक कृष्ण 06 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 21
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

अरुणाचल में लगे भूकंप के झटके, 3.5 की रही तीव्रता

नई दिल्ली एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश के ईस्ट कामेंग जिले में शनिवार सुबह हल्के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, शनिवार सुबह 8 बजकर 31 मिनट 35 सेकंड पर 3.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया है। इसका केंद्र जमीन से लगभग 5 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के झटके हल्के रहे इस कारण राहत की बात है कि किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। स्थानीय प्रशासन का भी कहना है, कि स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

गूगल के डूडल पर छाई इडली...

नई दिल्ली एजेंसी। गूगल ने इडली शनिवार को अपने डूडल के जरिए इडली को सामने रखा है। केले के पत्ते पर इडली बनने की प्रक्रिया और परोसे जाने की पूरी प्रोसेस का ये एनिमेटेड डूडल काफी पसंद किया जा रहा है और नेटिजंस इस पर चर्चा कर रहे हैं। गूगल का ये डूडल भारतीय व्यंजन खासकर दक्षिण भारतीय खाद्य परंपरा को सेलिब्रेट करने का जरिया है, जिससे खान-पान की भारतीय परंपरा को दुनियाभर में एक वैलिडेशन मिला है। डूडल में नरम इडलियां, केले के पत्ते और भाप छोड़ते बर्तन दिखाए गए हैं, जो दक्षिण भारतीय खाना पकाने की गर्मजोशी को सामने रखते हैं। यह गूगल की फूड एंड ड्रिंक सीरीज का हिस्सा है जो दुनिया भर में प्रिय स्थानीय व्यंजनों का सम्मान करती है। यह डूडल तमिल खाद्य संस्कृति के सम्मान में बनाया गया है, हालांकि विश्व इडली दिवस 30 मार्च को मनाया जाता है।

कैदी ने जेलर का अकाउंट खाली किया

आजमगढ़ (एजेंसी)। आजमगढ़ में जेल से जमानत पर बाहर आए एक कैदी ने जेल अधीक्षक का बैंक अकाउंट ही खाली कर दिया। उसने सरकारी खाते से करीब 30 लाख रुपए पार कर दिए। करीब डेढ़ साल तक अफसरों को इसकी भनक तक नहीं लगी। दरअसल, आरोपी ने पहले उनकी चेकबुक चुराई। फिर फर्जी साइन कर कई बार में उससे 30 लाख से ज्यादा रुपए निकाले। मामला जब सामने आया तो सभी का सिर चकरा गया। आरोपी अपनी पत्नी की हत्या के मामले में जेल में था। 24 मई 2024 को उसे जमानत मिली। रिहा होने से पहले उसने चेकबुक चुराई। इसके बाद आरोपी 18 महीनों तक पैसे निकालता रहा। घटना का खुलासा 22 सितंबर को तब हुआ जब कैदी ने खाते से 2.60 लाख रुपए निकाले।

कुछ ना कहना

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों की एंट्री रोकने पर मचा बवाल, प्रियंका का पीएम से सवाल

महिलाओं का अपमान कैसे होने दिया; केंद्र बोला- हमारा कोई रोल नहीं

नई दिल्ली एजेंसी। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की दिल्ली में शुक्रवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों की एंट्री पर रोक लगाने पर विवाद हो गया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पीएम मोदी से पूछा कि भारत में हमारे ही देश की कुछ सबसे सक्षम महिलाओं का अपमान कैसे होने दिया गया, जबकि महिलाएं ही देश की रीढ़ और गौरव हैं। वहीं, विवाद बढ़ने पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका कोई रोल नहीं था। न ही उनकी तरफ से पत्रकारों को बुलाया गया था। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस अफगानी एंबेसी में हुई थी।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि जब अफगानिस्तानी मंत्री दिल्ली आए तो मुंबई स्थित अफगानिस्तान के काउंसिल जनरल ने ही 10 अक्टूबर को चुनिंदा पत्रकारों को आमंत्रण भेजा था। अफगान दूतावास भारत सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। बता दें कि अफगानी विदेश मंत्री 9 से 16 अक्टूबर तक भारत दौरे पर हैं।

सिर्फ पुरुष पत्रकारों से बात की

अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर मुत्तकी 9 अक्टूबर से भारत दौरे पर हैं। उन्होंने शुक्रवार को दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों मंत्रियों की मीटिंग के बाद कोई जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं हुई। अफगानी मंत्री ने अकेले अफगानिस्तान दूतावास में मीडिया से बात की। हालांकि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में केवल चुनिंदा पुरुष पत्रकार और अफगान दूतावास के अधिकारी ही शामिल हुए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक भी महिला पत्रकार नहीं थी। कई महिला पत्रकारों ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि उन्हें एंट्री ही नहीं दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुत्तकी के साथ आए तालिबान अधिकारियों ने ही ये तय किया था कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में कौन शामिल होगा। फिलहाल, यह साफ नहीं है कि तालिबान ने भारत को पहले बताया था या नहीं कि वे महिला पत्रकारों को नहीं बुलाएंगे। अफगानिस्तान में 15 अगस्त, 2021 को तालिबान हुकूमत ने कब्जा कर लिया था। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार आने के बाद से महिलाओं पर लगातार कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिनमें लड़कियों के स्कूल जाने, सार्वजनिक रूप से बोलने, चेहरा दिखाने और खेलों में भाग लेने पर बैन शामिल है।

विपक्षी नेताओं ने पीएम पर निशाना साधा

इस मामले को लेकर विपक्षी नेताओं ने पीएम मोदी पर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी, जब आप महिला पत्रकारों को सार्वजनिक मंचों से बाहर रखने की इजाजत देते हैं, तो आप भारत की हर महिला को यह बता रहे होते हैं कि आप बहुत कमजोर हैं और उनके लिए खड़े नहीं हो सकते। इस तरह के भेदभाव पर आपकी चुप्पी नारी शक्ति पर आपके नारों का खोखलापन उजागर करती है। पी चिदंबरम ने कहा कि मुझे इस बात पर हैरानी है कि अफगानिस्तान के अमीर खान मुत्तकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को शामिल नहीं किया गया। मुझे लगता है कि जब पुरुष पत्रकारों को पता चला कि उनकी महिला सहकर्मियों को नहीं बुलाया गया है, तो उन्हें बाहर चले जाना चाहिए था। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि एक भारतीय मुस्लिम अपनी छत पर नमाज नहीं पढ़ सकता, पैगंबर से प्यार का इजहार नहीं कर सकता है, लेकिन एक विदेशी मुस्लिम कट्टरपंथी अपनी आस्था के नाम पर हमारी जमीन पर हमारी औरतों के साथ हमारे कानूनों और मूल्यों का उल्लंघन करते हुए भेदभाव कर सकता है। इसके बारे में जरा सोचिए।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी के नारी शक्ति के दावों खोखला बताया

अफगानिस्तानी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की दिल्ली में हुई प्रेसवार्ता में महिला पत्रकारों को बैन करने का मामला तूल पकड़ता दिख रहा है। मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। इसके पहले कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी पीएम मोदी से तीखा सवाल किया है। हालांकि भारत सरकार ने दो टूक कहा कि अफगानिस्तान दूतावास में आयोजित प्रेसवार्ता में भारतीय विदेश मंत्रालय का कोई रोल नहीं है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर लिखा, मोदी जी, जब आप महिला पत्रकारों को सार्वजनिक मंच से बाहर रखते हैं, तब आप भारत की हर महिला से कह रहे हैं कि आप उनके लिए खड़े होने में बहुत कमजोर हैं। हमारे देश में, महिलाओं को हर जगह बराबर का हक है। इस तरह के भेदभाव के सामने आपकी चुप्पी नारी शक्ति के आपके नारों की खोखली सच्चाई दिखाती है।

वहीं तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने वीडियो संदेश में कहा, मैं यह वीडियो सभी का ध्यान उस भयावह घटना की ओर आकर्षित करने के लिए जारी कर रही हूं, जो दिल्ली में भारतीय धरती पर हुई है। विदेश मंत्री मुत्ताकी के दौरे पर आए तालिबान प्रतिनिधिमंडल ने हमारे विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की है। इसके बाद, तालिबान के विदेश मंत्री ने दिल्ली में भारतीय धरती पर एक प्रेसवार्ता की, जहां महिला पत्रकारों को अनुमति नहीं दी गई।

पीएम मोदी से मिले अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर बाले -

भारत-अमेरिका संबंध बेहद अहम

नई दिल्ली एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी सर्जियो गोर भारत में अमेरिका के नए राजदूत नियुक्त किए गए हैं। भारत आने के बाद उन्होंने आधिकारिक पदभार ग्रहण करने से पहले शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी 𝕏 पर एक पोस्ट में सर्जियो गोर से हुई मुलाकात के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि भारत में अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हुई। मुझे विश्वास है कि उनका कार्यकाल भारत-अमेरिका की साझेदारी को और मजबूत करेगा।

सर्जियो गोर इस समय छह दिवसीय भारत दौरे पर हैं और सोमवार से वे आधिकारिक रूप से नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास का कार्यभार संभालेंगे। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद गोर ने कहा, अमेरिका के लिए, भारत से संबंध बेहद अहम हैं। राष्ट्रपति ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी को एक महान और व्यक्तिगत मित्र मानते हैं।

गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 𝕏 पर जानकारी देते हुए बताया कि उनकी प्रधानमंत्री मोदी के साथ डिफेंस, ट्रेड, टेक्नोलॉजी और महत्वपूर्ण खनिजों सहित कई द्विपक्षीय मुद्दों पर रचनात्मक बातचीत हुई।

इससे पहले, विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी गोर ने मुलाकात की। जयशंकर ने 𝕏 पर लिखा, नई दिल्ली में अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर से मिलकर खुशी हुई। भारत-अमेरिका संबंधों और उनके वैश्विक महत्व पर गहन चर्चा हुई। मैं उन्हें उनकी नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

सर्जियो गोर ने विदेश सचिव विक्रम मिस्री से भी मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें भारत में सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस पूरी कूटनीतिक गतिविधि के बीच यह घटनाक्रम ऐसे समय पर सामने आया है जब भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में तनाव देखा गया है।

सेफगार्डिंग द गर्ल चाइल्ड कार्यक्रम में सीजेआई बोले...

डिजिटल युग में लड़कियां सबसे ज्यादा असुरक्षित

नई दिल्ली एजेंसी। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि डिजिटल दौर में लड़कियां नई तरह की परेशानियों और खतरों का सामना कर रही हैं। तकनीक सशक्तिकरण नहीं, शोषण का जरिया बन गई है। सीजेआई गवई ने कहा कि लड़कियों के लिए आज ऑनलाइन हैरेसमेंट, साइबर बुलिंग, डिजिटल स्टॉकिंग, निजी डेटा के दुरुपयोग और डीपफेक तस्वीरें बड़ी चिंता बन गई हैं। इन खतरों से बचाने के लिए पुलिस और अधिकारियों को खास ट्रेनिंग देने की जरूरत है, ताकि वे ऐसे मामलों को समझदारी और संवेदनशीलता से संभाल सकें।

सीजेआई गवई सुप्रीम कोर्ट की जुवेनाइल जस्टिस कमेटी और यूनिसेफ इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 'सेफगार्डिंग द गर्ल चाइल्ड' में बोल रहे थे। कार्यक्रम में जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस जेबी

पारदीवाला, केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और यूनिसेफ इंडिया की प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्री भी मौजूद थीं।

उन्होंने कहा कि संवैधानिक गारंटी होने के बावजूद देश की कई लड़कियों को अब भी बुनियादी अधिकारों और सम्मान से वंचित रखा जाता है। यह स्थिति उन्हें यौन शोषण, मानव तस्करी, बाल विवाह और भेदभाव की परिस्थितियों में धकेल देती है। टैगोर की कविता का जिक्र करते हुए सीजेआई ने कहा कि जब तक कोई भी लड़की डर में जी रही है, तब तक भारत उस 'स्वतंत्रता के स्वर्ग' तक नहीं पहुंच सकता। डिजिटल दौर में खतरे अब भौतिक दायरे से निकलकर वर्चुअल दुनिया तक पहुंच गए हैं। टेक्नोलॉजी जहां एक ओर अवसर देती है, वहीं यह नए तरह के शोषण का साधन भी बनती जा रही है।

ग्वालियर में पकड़े गए 8 बांग्लादेशी नागरिक, फर्जी पहचान पर रह रहे थे 12 साल से

हरियाणा पुलिस के इनपुट से खुला राज

नई दिल्ली एजेंसी। मध्य प्रदेश पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने शनिवार को ग्वालियर के महाराजपुरा थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रुप से रह रहे आठ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये सभी पिछले 12 साल से रह रहे थे और इनके पास फर्जी आधार कार्ड व अन्य भारतीय पहचान पत्र बरामद हुए हैं।

मामले का खुलासा तब हुआ जब हरियाणा पुलिस ने हाल ही में पानीपत से कुछ बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा था। पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि उनके कुछ रिश्तेदार ग्वालियर में रह रहे हैं। इस जानकारी के बाद हरियाणा पुलिस ने इनपुट एमपी पुलिस को साझा किया। उसी आधार पर महाराजपुरा पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

12 साल पहले आया था पहला आरोपी

पुलिस जांच में सामने आया कि मोहम्मद शरीफ, जो मूल रूप से बांग्लादेश के जेस्सोर जिले का निवासी है, करीब 12 साल पहले भारत आया था। यहां आकर उसने पहले खुद को बसाया और धीरे-धीरे अपने रिश्तेदारों व परिचितों को भी बुला लिया। सभी लोग ग्वालियर के महाराजपुरा क्षेत्र में देवेंद्र कंसाना नामक व्यक्ति के मकान में किराए पर रह रहे थे। देवेंद्र कचरा इकट्ठा करने और नष्ट करने का काम करता है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि क्या देवेंद्र को इनकी असली पहचान की जानकारी थी या नहीं।

पहली पत्नी के रहते नहीं कर सकते दूसरी शादी, हाईकोर्ट ने की याचिका खारिज

कहा- स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत की शादी तो यही कानून लगेगा, ना कि धार्मिक कानून

रांची एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने पहली पत्नी के रहते दूसरी शादी करने वाले धनबाद के पैथॉलजिस्ट को बड़ा झटका दिया। कोर्ट ने कहा कि जब कोई व्यक्ति स्पेशल मैरिज एक्ट, 1954 तक तहत शादी कर ली है तो उसपर यही कानून लगेगा, ना कि उसका निजी या धार्मिक कानून। कोर्ट में याचिकाकर्ता ने यह कहते हुए अपनी दूसरी शादी को वैध ठहराने की कोशिश की थी कि इस्लाम में चार शादियां वैध हैं, लेकिन हाईकोर्ट ने उनकी अपील को खारिज कर दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक धनबाद के पैथॉलजिस्ट मोहम्मद अकील आलम ने 4 अगस्त, 2015 को स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी की थी। शादी के कुछ महीने के बाद ही उनकी पत्नी 10 अक्टूबर, 2015 को घर छोड़कर चली गई। आलम ने कोर्ट में पत्नी पर आरोप लगाया कि वह बिना कारण उन्हें छोड़कर चली गईं और बार-बार बुलाने पर भी नहीं लौटीं। इसके बाद अकील ने देवघर फैमिली कोर्ट में वैवाहिक अधिकारों की बहाली की याचिका दाखिल की थी, लेकिन इस मामले पर पत्नी ने कोर्ट में बताया कि अकील आलम पहले से शादीशुदा थे और उनकी पहली पत्नी से दो बेटियां हैं। पत्नी ने आरोप लगाया कि पति आलम ने उसके पिता पर जयदाद नाम कराने के लिए कहा और जब ऐसा नहीं हुआ तो उसके साथ मारपीट की गई।

फैमिली कोर्ट में सुनवाई के दौरान अकील आलम ने खुद माना था कि शादी के वक्त उनकी पहली पत्नी जीवित थीं। कोर्ट ने इस दौरान पाया कि आलम ने शादी के समय रजिस्ट्रेशन में यह बात छिपाई थी। इसके अलावा आलम ने कहा था कि उनकी दूसरी शादी अवैध है, ताकि उसे मेंटेनेंस ना देना पड़े। अब अकील आलम अपनी शादी को वैध बताकर पत्नी को वापस बुलाने की मांग कर रहा है।

फैमिली कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए आलम ने झारखंड हाईकोर्ट का रुख किया। झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस राजेश कुमार की बेंच ने फैमिली कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि स्पेशल मैरिज एक्ट साफ कहती है कि शादी के समय किसी भी पक्ष की पहले से कोई जीवित पत्नी या पति नहीं होना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि यह एक्ट नॉन ऑब्स्टांटे क्लॉज के साथ शुरू होता है यानी स्पेशल मैरिज एक्ट का प्रावधान किसी भी अन्य कानून पर ज्यादा प्रभाव रखता है, फिर चाहे वह धार्मिक ही क्यों ना हो।

हुक्मरानों के पूर्वाग्रह के चलते बड़े अधिकारी भी न्याय से वंचित

नई दिल्ली एजेंसी। हरियाणा कैडर के आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले ने देशभर में गहरी संवेदनाएं और बहस छेड़ दी है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने मृतक अधिकारी पूरन कुमार की पत्नी को एक भावुक चिट्ठी लिखकर श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने पत्र में कहा कि पूरन कुमार की मौत हमें यह याद दिलाती है कि हुक्मरानों का पूर्वाग्रह हमारे समाज में अब भी, वरिष्ठ अधिकारियों को भी सामाजिक समानता और सम्मान जैसे न्याय से वंचित रखे हुए है।

गौरतलब है, कि आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार

(एडीजीपी, हरियाणा) ने 7 अक्टूबर को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास के बेसमेंट में आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद से ही उनके परिवार और सहयोगियों ने वरिष्ठ अधिकारियों पर जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं।

जाति का जहर अब भी जिंदा- राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी पूरन कुमार की मौत पर गहरा शोक जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार जी की आत्महत्या उस गहराते सामाजिक जहर का प्रतीक है, जो जाति के नाम पर मानवता को कुचल रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि ऐसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समानता और संवेदनशीलता के लिए समाज को अभी लंबा सफर तय करना है। इस बीच पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और हरियाणा के मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर भी चंडीगढ़ में पूरन कुमार के आवास पहुंचे और शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की।

पाकिस्तान की नापाक हरकत पर है बीएसएफ की नजर, सीमा पर बढ़ाई गश्त

अखनूर एजेंसी। बर्फबारी शुरू होते ही पाकिस्तान ने सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशें तेज कर दी हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए बीएसएफ के जवान सतर्क हैं। बीएसएफ ने सीमा के हर हिस्से में गश्त बढ़ा दी है और वाहनों से निगरानी के साथ-साथ उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर कड़ी चौकसी बरती जा रही है।

बता दें पहलगाम हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत बड़ी कार्रवाई की, जिसमें पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया गया था। बीएसएफ के जवान 24 घंटे सीमा की रक्षा के लिए तैनात हैं, जिसमें वाटर पेट्रोलिंग भी शामिल है। बीएसएफ जवान प्रवीण कुमार ने कहा कि हमें ट्रेनिंग में सिखाया गया है कि कब और कैसे कदम उठाना है। हम पेट्रोलिंग के जरिए दुश्मन के इलाके के पास जाकर उनकी गतिविधियों की जानकारी जुटाते हैं।

उन्होंने कहा कि बीएसएफ के जवान हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। वाटर पेट्रोलिंग के जरिए सीमा पर सख्त निगरानी रखी जा रही है, ताकि कोई भी घुसपैठ की कोशिश नाकाम की जा सके। उन्होंने कहा कि इस दीपावली पर हम देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। हम सीमा पर डटे हुए हैं, ताकि आप सभी बेखौफ होकर त्योहार मना सकें। बीएसएफ के अन्य जवानों ने भी यही संदेश दिया कि वे हर समय सतर्क हैं और देश की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जानकारी के मुताबिक बर्फबारी के दौरान घुसपैठ की कोशिशें बढ़ती हैं, लेकिन बीएसएफ की तैयारी इस खतरे को कम करने में कारगर साबित हो रही है।

नगर में आयोजित नमो मैराथन दौड़ प्रतियोगिता सम्पन्न

पुरूष में यूपी, तो महिला में भोपाल की धावक रही प्रथम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत के सन्देश को लेकर शनिवार 11 अक्टूबर नगर में आयोजित नमो मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण के साथ समापन किया गया।नगर में आयोजित इस प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग में यूपी, तो महिला में भोपाल की धावक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।ज्ञात हो कि जिले में भाजपा और युवा मोर्चा ने नमो मैराथन दौड़ का आयोजन किया था। 10 किलोमीटर की इस मैराथन में पुरूष और महिला वर्ग की 488 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था।

इन मार्गो से होकर गुजरे धावक

ज्ञात हो कि नगरीय क्षेत्र में 5-5 किलोमीटर के दो राउंड प्रतिभागियों को पूरा करना था। मैराथन दौड़ स्टार्ट पाईंट हनुमान चौक से प्रारंभ हुई मैराथन दौड़, नगर के सुभाष चौक, काली पुतली चौक, जयस्तंभ चौक, सिविल लाइन चौक, एलआईसी चौक, डॉ. अंबेडकर चौक से पुन: स्टाई पाईंट हनुमान चौक के दो चक्कर में पूर्ण हुई। इस दौरान नगर अध्यक्ष राकेश सेवईवार, युवा मोर्चा कार्यकर्ता विशाल मंगलानी, मोनिल जैन सहित भाजपा पार्षद, विभिन्न संगठन प्रतिनिधि और धावक मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में इन्होंने दिखाई प्रतिभा

नगर में आयोजित इस नमो मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग में उत्तप्रदेश के सतीश कुमार वर्मा ने प्रथम, भोपाल के धीरज यादव ने द्वितीय तो वही नागपुर के राजन यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिन्हें क्रमश: 11 हजार, 51 सौ, 31 सौ रूपए की न नगद राशि और नमो मैराथन का मोमेंटो प्रदान किया गया। जबकि महिला वर्ग में भोपाल की मनीषा ने प्रथम बालाघाट की पायल लिल्हारे ने द्वितीय और खैरलांजी की जानवी लिल्हारे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिन्हें क्रमश: 71 सौ, 41 सौ और 21 सौ रूपए की राशि सहित मोमेंटा प्रदान किया गया। जबकि अन्य 10 प्रतिभागियों को ड्रा के आधार पर सांत्वना पुरस्कार दिया गया। यह सभी पुरस्कार सांसद भारती पारधी, आयोग सदस्य मौसम हरिनखेड़े, नपाध्यक्ष भारती ठाकुर, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, पूर्व अध्यक्ष रमेश रंगलानी और सत्यनारायण अग्रवाल सहित अन्य अतिथियो के हस्ते प्रदान किए गए।

स्वदेशी आत्मनिर्भर भारत संकल्प यात्रा भी निकाली गई है - कावरे

भाजपा अध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने बताया कि प्रधानमंत्री के आव्हान पर स्वदेशी भाव के संदेश के साथ बालाघट में नमो मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें 488 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इसके साथ ही भाजपा ने विभिन्न संगठनों और सामाजिक लोगो के साथ मिलकर स्वदेशी आत्मनिर्भर भारत संकल्प यात्रा भी निकाली गई है।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम हुए आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती दीपमाला सोलंकी के मार्गदर्शन में वन स्टॉप सेंटर बालाघाट की प्रशासक सुश्री रचना चौधरी द्वारा अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विकासखंड किरनापुर के ग्राम पीपरझरी के सामुदायिक भवन एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़ी में आयोजित हुआ। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस की थीम लड़कियों का नेतृत्व और उनकी स्वतंत्र पहचान पर केंद्रित रही। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि प्रत्येक लड़की में समाज और समुदाय को दिशा देने की क्षमता निहित है आवश्यक है कि क्षमता को पहचान करे और उन्हें अवसर दे। कार्यक्रम के दौरान यह भी चर्चा की गई कि आज भी विश्वभर में बालिकाएँ बाल विवाह, शिक्षा से वंचित रहना, भेदभाव और शारीरिक और लैंगिक हिंसा

जो उनके सामने विवाह उपरांत दहेज हिंसा, घरेलू हिंसा जैसी एवं यदि वह कामकाजी महिला हो तो कार्यस्थल पर लैंगिक हिंसा जैसे अनेक चुनौतियों का सामना कर रही हैं। यह दिवस स्मरण कराता है कि प्रत्येक बालिका को उचित शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता, सम्मान तथा निर्णय लेने एवं नेतृत्व के समान अवसर प्राप्त हों। बालिकाएँ ही आने वाले समय की महिलाएँ बनकर अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर विकसित भारत सशक्त भारत की अवधारणा को साकार करेंगी। इसी उद्देश्य से कार्यक्रम में शासन की विभिन्न योजनाओं जैसे वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर अपराध की रोकथाम, तथा गुड टच-बैड टच जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर वन स्टॉप सेंटर टीम द्वारा कानूनी प्रावधानों एवं महिला सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर भी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में प्राचार्य श्री महेंद्र सिंह टेकाम, गढ़ी थाना प्रभारी एस.आई. कुमरे एवं ए.एस.आई. कटरे सहित विद्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

पवार समाज का शरद महोत्सव कोजागिरी कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला पवार क्षत्रिय संगठन बालाघाट द्वारा बीते वर्ष की तरह इस वर्ष भी शरद पूर्णिमा के अवसर पर कोजागिरी कार्यक्रम एवं नवीन कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण का आयोजन किया जा रहा है। तय कार्यक्रम के अनुसार 12 अक्टूबर को शहर के वार्ड नंबर 32 स्थित पवार मंगल भवन में सुबह 6 बजे से देर रात तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं। जिला पवार क्षत्रिय संगठन के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने समस्त स्वजातीय बंधुओं से कार्यक्रम में उपस्थित की अपील की है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए 11 अक्टूबर को पवार मंगल भवन में संगठन के सभी पदाधिकारी और सदस्यों की एक बैठक आहूत की गई , जिसमें कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक रूपरेखा तैयार की गई। साथ ही श्री बिसेन ने बताया कि 12 अक्टूबर की सुबह से ही खोजागीरी को लेकर विभिन्न कार्यक्रम के आयोजन शुरू हो जाएंगे। जिसमें नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम होगा और इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाए जाने को लेकर बैठक की गई थी, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे, सुबह से ही बच्चों की विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई जाएगी और पवारी समाज के विशेष व्यंजन भी बनाए जाएंगे , जिसको लेकर भी प्रतियोगिता की जाएगी , शाम के समय महाआरती का आयोजन किया जाएगा । रात्रि में पवारी भाषा से नाट्य कार्यक्रम का आयोजन किये जायेंगें ,सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी कार्यक्रम में समावेश होगा, साथ ही अलग-अलग होने वाले का कार्यक्रमों के लिए प्रभारी नियुक्त कर दिए गए हैं , सभी को उनके दायित्व की जिम्मेदारी दे दी गई है । इस कार्यक्रम को लेकर समाज के सभी युवा वर्ग और सामाजिक लोगों में अच्छा खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

खिड़कीघाट में अनियंत्रित होकर पलटा ट्रक , क्लीनर की मौत

पद्मेश न्यूज। कटंगी। मुख्यालय से सिवनी मार्ग पर खिड़कीघाट के

अंधे मोड़ पर शनिवार की सुबह तकरीबन 11.30 बजे एक बड़ा हादसा हो गया। सिवनी से मक्का लेकर कटंगी की ओर आ रहा टपऊक्र खिड़कीघाट के यू टर्न पर अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। हादसे में ट्रक में सवार क्लीनर राजकुमार पिता धनीराम धुर्वे उम्र 30 वर्ष निवासी कुरई जिला सिवनी की जमीन पर गिरने से दर्दनांक मौत हो गई। वहीं वाहन चालक दीपक रजक बाल-बाल बच गया। वाहन चालक को मामूली चोट आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिवनी से मक्का लोड कर टपऊक्र कटंगी क्षेत्र के एक इथेनॉल प्लांट आ रहा था। तभी खिड़कीघाट स्थित अंधे मोड़ पर चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया जिससे टपऊक्र अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। ट्रक के पलटते ही क्लीनर राजकुमार जमीन पर जा गिरा, गंभीर रूप से चोटिल राजकुमार को वाहन चालक दीपक तत्काल सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचा। यहां के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रिफर कर दिया। स्थानीय एंबुलेंसकर्मी घायल राजकुमार को लेकर रवाना हुए ही थे कि रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। कटंगी अस्पताल की तहरीर पर बालाघाट जिला अस्पताल चैकी पुलिस ने मर्ग कायम कर मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर मामले को जांच में लिया है।

महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य एवं वेलनेस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा, शिक्षा स्वास्थ्य एवं वेलनेस प्रोग्राम के तहत शनिवार को मानसिक स्वास्थ्य एवं वेलनेस कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम जिला चिकित्सालय बालाघाट के मनोचिकित्सक डॉ. प्रशांत जैन के मुख्य आतिथ्य, प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उमंग उ'च शिक्षा स्वास्थ्य एवं वेलनेस प्रोग्राम के नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं बेहतर जीवन शैली को अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही आत्महत्या व मानसिक तनाव से उबरने के प्रयासों की जानकारी प्रदान की। जिला चिकित्सालय बालाघाट के मनोचिकित्सक डॉ. प्रशांत जैन ने अपने व्याख्यान में स्वास्थ्य एवं वेलनेस प्रोग्राम के तहत तनाव, अवसाद, मानसिक अस्थिरता, चिढ़चिढ़ापन, उग्रता, आवेश आदि के कारणों एवं बचाव पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। वहीं

विद्यार्थियों को प्रेरणास्पद फिल्म देखने के लिए प्रेरित किया। जिसमें (वन इडियट, सर, श्रीकांत) फिल्मे शामिल है। ये फिल्में व्यक्ति को बेहतर जीवन जीने के लिए मार्गदर्शित करती है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत ने कहा कि माता-पिता एवं गुरूजनों तथा मित्रों की सहायता से हम सफलता के उ'च शिखर पर पहुँच सकते है एवं तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित होते है। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राध्यापक सुमन बरवा, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. ऋषिकेश पटेल, श्रीमती संध्या परते, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. आशा कारे, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, पीतम मुरते, वेंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, श्रीमती वंदना कुर्वे, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेड़े, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

सतपुड़ा इंजीनियरिंग कॉलेज बालाघाट में डेवलपमेंट प्रोग्राम का आज अंतिम दिन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

दिनांक 6 अक्टूबर 2025 से प्रारंभ हुई फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आज 11 अक्टूबर को अंतिम दिन मनाया जा रहा है जिसमें विश्व भर से ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों एवं प्रोफेसर के द्वारा नई तकनीको के बारे में तीन सेशन में बताया गया जिसमें विदेशी वैज्ञानिक डॉक्टर कैटलिन नौसेजा मेंडोजा जो की यूनिवर्सिटी आफ ईस्ट मनीला ग्रैजुएट स्कूल के वाइस प्रेसिडेंट एवं वर्ल्ड इनवेटर यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार है इन्होंने TQM tools in creating a culture of manufacturing e&cellence के विषय पर गहन चर्चा की एवं दूसरे सेशन में डॉक्टर पीयूष कुमार सोनी DEAN IIE, PRESIDENT IIC Global academy of technology banglore से जुड़े एवं इन्होंने Industrial internet of things and its impact on productivity के विषय पर अपना अनुभव साझा किया एवं तीसरे सेशन में डॉक्टर ऋषिकेश मिश्रा E& Distinguished scientist & group director ESG, BARC से जुड़े एवं इन्होंने Induction of electron beam accelerator, manufacturing and its application के विषय पर गहरी चर्चा की । इस प्रोग्राम में संस्था के प्रमुख श्री संजीव मिशा,अंशुल जयसवाल एवं संरक्षक वी एन तिवारी, किशोर भंडारी जी एवं प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर अशोक कुमार गुप्ता एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मितेश शुक्ला सहित समस्त विभागाध्यक्ष एवं व्याख्याता गण उपस्थित रहे। संस्था प्रमुख संजीव मिश्रा ने वार्ता में बताया कि भारत में इंजीनियरिंग छात्रों को पढ़ाई के साथ साथ औद्योगिक ज्ञान अति आवश्यक है जिसमें उन्हें नए नए शोध कार्य करने की प्रेरणा मिलती रहे। यह प्रोग्राम इसी दिशा में उठाया गया एक मजबूत कदम है। वहीं प्राचार्य श्री गुप्ता ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम से इंजीनियरिंग प्रोफेसर की गुणवत्ता एवं ज्ञान में वृद्धि होती है और वे रियलटाइम टेक्नोलॉजी को बच्चों के साथ जोड़ने में कामयाब हो पाते है। आज इस प्रोग्राम के अंतिम दिन उन्होंने कहा कि आगे भी इसी तरह के ज्ञानवर्धन कार्यक्रम चलते रहेंगे । एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री मितेश शुक्ला ने इस संपूर्ण कार्यक्रम के लिए सभी वैज्ञानिकों और प्रोफेसर्स और रिसर्चर्स का आभार व्यक्त किया।

राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता इटारसी में कन्या शिक्षा परिसर की बेटियों ने लहराया परचम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शासकीय कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट की 04 बालिकाए प्राची टेकाम, प्रतीक्षा धुर्वे, वसुंधरा धुर्वे और स्वाति वायाम का राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया था। संस्था में कार्यरत पीटीआई कमल किशोर तेलासे ने बताया कि अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार विभागीय राज्य स्तरी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन शहडोल में किया गया जिसमें जनजाति कार्य विभाग के अंतर्गत आने वाले 22 जिलों के बच्चे सम्मिलित हुए। इस प्रतियोगिता में कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट की 08 बालिकाए सम्मिलित थी। जिसमें से 04 बालिकाओं का चयन स्कूल राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता इटारसी के लिए किया गया था। चयनित चारों बच्चे ने राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता इटारसी में अपने उत्कृष्ट खेल से सबका मन मोह लिया और टीम फाइनल में इंदौर को हराकर विजेता बनी। इस प्रतियोगिता में प्राची टेकाम ने 09 गोल किए और प्रतीक्षा धुर्वे ने 05 गोल किए। डिफेंडर के रूप में वसुंधरा और स्वाति ने भी अपना अच्छा प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता 04 अक्टूबर से 08 अक्टूबर तक आयोजित की गई। सभी बच्चों को विभाग प्रमुख सहायक आयुक्त श्रीमती शकुंतला डामोर संस्था के प्राचार्य श्री पीके अंगूरे, जिला खेल प्रभारी डीके मेश्राम, श्री आर एस कुशराम, कोच जिला फुटबॉल संघ के सचिव सुनील यादव, एथलेटिक्स जिला संघ के अध्यक्ष नरेश धुवारें, कराटे प्रशिक्षण प्रशिक्षक साजिद कृष्णन कुट्टी, आकाशवाणी उद्घोशक श्री अजय ठाकुर, शैलेंद्र यादव, समस्त पीटीआई एवं संस्था के समस्त स्टाफ ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं ।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

साईबर ठगों के टास्क में महिला ने गंवा दिये 26 लाख रूपये

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में साइबर ठगी का ग्राफ दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहा है। साइबर ठगों द्वारा नए-नए लुभावने वादे दिखाकर जिले की भोली भाली जनता को ठगी का शिकार बना रहे हैं। जबकि ऐसा नहीं है कि पुलिस द्वारा साइबर ठगी को लेकर आमजन को जागृत करने का प्रयास नहीं किया जा रहा हो , जबकि पुलिस लगातार जिले की आम जनता को शिविर और अलग-अलग माध्यम से साइबर ठगी की घटनाओं से सतर्क रहने की अपील कर रही है , किंतु साइबर ठग भी नए-नए लुभावने वादे दिखाकर जिले की भोली भाली जनता को अपना शिकार बना रहे हैं। ऐसा ही एक ताजा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सामने आया है। यहां पर साइबर ठगों ने एक महिला को वर्क फार्म होम का विज्ञापन दिखाकर ,लाखों रुपए की ठगी की घटना को अंजाम दिया है । महिला ने भी लालच में आकर लगभग 26 लाख रुपए गवा दिए हैं । इसके बाद इस पूरी घटना की शिकायत महिला ने कोतवाली थाने में की है । जहां कोतवाली पुलिस इस पूरे मामले को लेकर जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी अनुसार शहर की एक महिला ने कोतवाली थाने में पुलिस से शिकायत की है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर एक विज्ञापन वर्क फार्म होम जॉब करने के लिये मैसेज व्हाट्स एप पर आया था , जिसमे बताया गया था कि पार्ट टाइम वर्क करने पर प्रतिदिन 5 से 20 हजार रूपये मिलेंगे, महिला ने इस पर यकीन कर लिया और अपने दस्तावेज सहित जरूरी जानकारी कंपनी को दी। इसके बाद से महिला के टेलीग्राम पर वर्क चालू कर दिया। उसे टेलीग्राम पर लिंक भेजी जाती थी और टास्क के रूप में काम किया जाता रहा। कंपनी के द्वारा महिला को टेलीग्राम वर्क की आईडी भी बनाकर दी गई थी, भेजे गये लिंक के अनुरूप वह कार्य किया करती थी और उसे प्रतिदिन 20 टास्क दिये जाते थे। जैसे-जैसे समय बीतता गया तो टास्क भी बदलते रहे और इसके एवज में कुछ राशि उसे मिलने लगी थी। एक समय ऐसा भी आया जब टास्क नंबर को पूरा करने के लिये कंपनी ने 800 रूपये मांगे और इसके बाद उसके फोन पे नंबर पर 30 प्रतिशत कमीशन जोड़कर कुल 1040 रूपये दिये गये। इसके बाद वर्क फार्म होम के लिये कंपनी ने जो टास्क दिये उसमें लगातार रूपयों की मांग की जाती रही और महिला रूपये देती चली गई। 1 हजार, 2 हजार, 10 हजार और 50 हजार इस तरह उससे राशि मंगवाई गई तथा भारी रकम आने का झांसा दिया जाता रहा। धीरे-धीरे महिला द्वारा दी जाने वाली राशि लाखों रूपये में पहुंच गई। इस प्रकार इस पीड़ित महिला को लगभग 26 लाख रूपये की चपत वर्क फार्म होम के नाम पर लगाई गई है। अक्सर ही ऐसे मामलों में अधिक रूपयों के लालच में लोग अपनी जमापूंजी गंवा देते है। जबकि पुलिस आए दिन आमजन को अनजान नंबरों से आने वाले कॉल और सोशल मीडिया पर आने वाले प्रलोभन वाले विज्ञापनों से सतर्क रहने की सलाह दी जाती है ।किंतु आमजन भी लुभावने वादे में आकर अपनी जमा पूंजी गंवा बैठते हैं। ऐसा ही मामला महिला के साथ हुआ और उन्हें बाद में समझ आया कि उनके साथ साइबर ठगी हुई है । महिला ने इस पूरी घटना की शिकायत कोतवाली थाने में आकर की है । सूत्रों के अनुसार तो इस पूरे विषय को लेकर पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है ।

लगातार हो रहे मोबाइल हैक

गौरतलब है कि इन दिनों कोतवाली थाने की साइबर शाखा में युवक, युतियों द्वारा लगातार मोबाइल हैक होने की शिकायत की जा रही है। जिसमें एक पीडित ने बताया कि उसे उनके एक परिचित के द्वारा व्हाट्सएप पर लिंक भेजी गई थी, जिसे उनके द्वारा ओपन किया गया और लिंक को ओपन करने के बाद युवक का मोबाइल हैक हो गया। जिससे कुछ ही घंटे में साइबर ठगों ने युवक के अलग-अलग दोस्तों से व्हाट्सएप और अन्य एप के माध्यम से मैसेज कर ,फोन पे के माध्यम से पैसे मांग लिए ।

तेजी से इंस्टाग्राम पर बनाई जा रही फेक आईडी

इन दिनों अधिकतर साइबर शाखा में इंस्टाग्राम पर फेक आईडी बनाए जाने की शिकायतें आ रही है। जिसमें साइबर पुलिस के कर्मियों ने बताया कि इन दिनों अधिकतर कुछ लोग दूसरे की इंस्टाग्राम आईडी से उनकी फोटो निकाल कर, फेक आईडी बना रहे हैं और एआई के माध्यम से लड़कियों की फोटो के साथ छेड़छाड़ कर उन्हें फेक इंस्टाग्राम आईडी में डाल रहे हैं । जिसकी शिकायत इन दिनों तेजी से साइबर शाखा में आ रही है । साइबर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वह अपने इंस्टाग्राम आईडी को पूरी सुरक्षा और प्राइवेसी के साथ इस्तेमाल करें । जिससे कि उनके इंस्टाग्राम अकाउंट से कोई दुरुपयोग ना कर सके।

चलती मोटरसाइकिल से गिरने से महिला गंभीर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

ग्रामीण थाना अंतर्गत लामता रोड पर स्थित ग्राम समनापुर के पास रोड पर उभरे गड्ढे एक महिला के लिए जानलेवा साबित हो गया। मोटरसाइकिल रोड पर उभरे गड्ढे में जाने से एक महिला मोटरसाइकिल से गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है यह घायल महिला श्यामकली पति सुंनुलाल गेवरीकर 50 वर्ष ग्राम मोहगांव

थाना चांगोटोला वाला निवासी है। जिसकी हालत गंभीर बताई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्यामकली गेवरीकर अपने परिवार के साथ खेती किसानी के अलावा घरेलू काम करती है। 11 अक्टूबर को श्यामकली गेवरीकर अपने पति सुन्नू लाल गेरीकर के साथ मोटरसाइकिल में बैठकर भटेरा चौकी बालाघाट अपने रिश्तेदार के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आ रही थी। 11बजे करीब समनापुर के पास रोड पर उभरे गहरे गड्ढे में मोटरसाइकिल का चक्का जाने से श्यामकली गेवरीकर चलती मोटरसाइकिल से गिर गई और वह सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल और बेहोश हो गई। गंभीर रूप से घायल श्यामकली गेवरीकर को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।

वन क्षेत्र से रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन करते ट्रैक्टर ट्राली जप्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

उपवन मंडल अधिकारी बैहर (सामान्य)के निर्देशन एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी पूर्व बैहर (सामान्य) के मार्गदर्शन में परिक्षेत्र सहायक वृत्त मोहगांव के अमले द्वारा वन गश्ती के दौरान दोपहर 12 बजे मोहगांव बीट के कक्ष क्रमांक 1630 में आरोपी भूपेंद्र धुर्वे ग्राम नेवर गांव द्वारा ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 50 ए.ए 6134 द्वारा वन क्षेत्र से रेत अवैध रूप से उत्खनन कर परिवहन करने का प्रयास किया जा रहा था इस दौरान वन अमले द्वारा मौके पर ट्रैक्टर रोक कर रेत से संबंधित पूछताछ की ।आरोपी के पास किसी प्रकार के वैध दस्तावेज नहीं पाए गए ।बताया गया कि ट्रैक्टर ट्राली में लगभग 02 घन मीटर रेत भरी हुई थी जिसे ट्रैक्टर ट्रॉली सहित जप्त कर वन अपराध क्रमांक 2680/53 पंजीबद्ध कर वाहन को वन चौकी परिसर मोहगांव में लाकर रखा गया । उक्त कार्यवाही में आशीष नागेश्वर परिक्षेत्र सहायक मोहगांव, राजेंद्र दुबे वनरक्षक ,संदीप ओझा वनरक्षक, रवि मरावी वनरक्षक एवं सभी सुरक्षा श्रमिक मोहगांव वृत्त, सम्मिलित रहे।

कॉलेज में फीस जमा करने के नाम पर 4.5 लाख की ठगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सरदार पटेल कॉलेज के लगभग एक दर्जन से अधिक छात्र-छात्राओं द्वारा फीस जमा करने के नाम पर धोखाधड़ी किए जाने के मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया गया है। जिसमें छात्रों द्वारा बताया गया कि उन्हीं के कॉलेज के एक सीनियर छात्र द्वारा उनसे कॉलेज में फीस जमा किए जाने के नाम पर लगभग साढे चार लाख रुपए से अधिक की धोखाधड़ी की गई है । जिस पर उन्होंने धोखाधड़ी किए जाने वाले युवक पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। 11 अक्टूबर को सरदार पटेल कॉलेज डोंगरिया के लगभग एक दर्जन से अधिक छात्र-छात्राओं द्वारा स्थानीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के नाम ज्ञापन दिया गया है। जिसमें कॉलेज के छात्र और छात्राओं ने बताया कि उन्हें के कॉलेज के एक सीनियर छात्र द्वारा उनसे कॉलेज की प्रतिमाह दिए जाने वाली फीस जमा किए जाने के नाम पर उनसे लगभग साढे चार लाख रुपए से अधिक की धोखाधड़ी की गई है। जिसमें छात्रा मीनल द्वारा बताया गया कि उन्हें के कॉलेज के छात्र द्वारा उनसे कॉलेज में फीस

जमा किए जाने के नाम पर फीस ली गई। वह युवक एमपी ऑनलाइन सेंटर गर्रा में संचालित करते हैं और वह परिचित है ,जिस कारण कॉलेज की लगभग 25 से 30 छात्रों से फीस देते थे और इसके पहले भी उन्होंने फीस लेकर कॉलेज में जमा किया था । जिस कारण सभी छात्र-छात्राएं उन्हें ही फीस देते थे और वह कॉलेज में फीस ले जाकर जमा करवा देते थे, किंतु अभी कुछ महीनो से उनके द्वारा फीस तो ली गई, किंतु कॉलेज में फीस जमा नहीं की गई । कॉलेज प्रबंधन ने जब फीस जमा किए जाने की बात कही गई तब उन्होंने जानकारी ली तब उन्हें पता चला कि संतोष द्वारा उनसे फीस तो ली गई है, किंतु कॉलेज में फीस जमा नहीं की गई है और अब कॉलेज प्रबंधन उन्हें एग्जाम में बैठने से मना कर रहा है। कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि जब तक फीस जमा नहीं होंगी , तब तक वह परीक्षा में बैठ नहीं सकते। जिस कारण अब वह परेशान है उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि उनकी फीस लेकर फरार हुए छात्र को जल्द से जल्द पकड़ा जाए और उस पर नियम अनुसार कार्रवाई की जाए । गर्रा निवासी प्रिंस पारधी ने बताया कि युवक उनका पड़ोसी है और उनसे उन्होंने 25000 रूपये उधार लिया था , किंतु बीते कुछ दिनों से पैसे नहीं दे रहा है और घर से फरार है, उन्होंने भी छात्रों के साथ आकर पुलिस अधीक्षक को पैसे वापस किए जाने के लिए आवेदन दिया है। साथ ही उन्होंने बताया कि संतोष उनका फोन रिसीव नहीं कर रहा है। ऑनलाइन सेंटर भी बीते कुछ दिनों से बंद है ,वह चाहते हैं कि उनके द्वारा दिया गया पैसा जल्द से जल्द वापस की जाये । छात्र नेता शुभम शर्मा ने बताया कि छात्रों द्वारा उन्हें जानकारी दी गई हैं , वह भी चाहते हैं कि छात्रों के साथ हुई इस प्रकार की धोखाधड़ी पर पुलिस जल्द से जल्द कार्रवाई करें और धोखाधड़ी करने वाले छात्र पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें।

तीन दिनों में जीएसटी विभाग ने 11 वाहनों पर कार्यवाही कर वसूला 11 लाख से अधिक का जुर्माना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वस्तु एवं सेवा कर अदा किए बिना ही ट्रकों के माध्यम से माल के किया जा रहे परिवहन के मामले में जीएसटी जीएसटी विभाग ने बड़ी कार्यवाही करते हुए अब तक कुल 11 ट्रकों पर कार्यवाही कर उनसे 11 लाख 29 हजार 632 रु का पेनाल्टी टैक्स वसूल किया है ।साथ ही दोबारा बिना जीएसटी के माल का परिवहन ना किए जाने की हिदायत दी है ।बालाघाट में जीएसटी विभाग ने बिना वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) चुकाए माल का परिवहन कर रहे 11 वाहनों पर यह कार्रवाई सरकार द्वारा 22 सितंबर से लागू किए गए जीएसटी रिफॉर्म के बाद पहली बार बड़ी कार्यवाही की है। जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर सरिता सिरसाम के नेतृत्व में विभागीय टीम ने यह कार्रवाई की।

ट्रकों से विभिन्न वस्तुओं का किया जा रहा था परिवहन

बताया गया कि पकड़े गए 11 वाहनों में से 5 बालाघाट आ रहे थे, जबकि 6 वाहन बालाघाट से बाहर जा रहे थे। इन वाहनों से तंबाकू, वार्मर, पैकिंग आरओ, खड्डा, महुआ, सीमेंट, परचून और स्क्रैप जैसी सामग्री का परिवहन किया जा रहा था। तीन दिनों तक चली जांच के बाद, बिना जीएसटी के माल परिवहन पाए जाने पर वाहनों को जब्त किया गया था ।विभागीय कार्रवाई के बाद उन पर पेनाल्टी लगाकर कुल11 लाख 29 हजार 632 रुपये वसूले गए।

3 दिन में भीतर की गई कार्यवाही में वसूला गया बड़ा राजस्व- पटले

दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान जीएसटी विभाग के अफसर डी.एल. पटले ने बताया कि वसूली गई राशि में से तंबाकू के चार वाहनों से 8 लाख 93 हजार 458 रुपये और पैकिंग आरओ से 1 लाख 21 हजार 600 रुपये की पेनाल्टी शामिल है। शेष राशि खड्डा, महुआ, परचून और सीमेंट के वाहनों से वसूल की गई। जीएसटी विभाग ने 6 अक्टूबर से शुरू हुई तीन दिवसीय जांच के दौरान इन 11 वाहनों को जब्त किया था । इन वाहनों को गर्रा हाईवे चौकी, भरवेली, कटंगी, किरनापुर और नवेगांव थानों में खड़ा कराया गया था । जीएसटी आयुक्त के निर्देश पर परिवहन किए जा रहे माल पर जीएसटी का भुगतान न करने के कारण यह पेनाल्टी की कार्यवाही की गई है।

घर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल चोरी

पद्मेश न्यूज । बालाघाट । मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पल्हेरा में घर के सामने खड़ी एक मोटरसाइकिल चोरी हो गई ।चोरी गई मोटरसाइकिल की कीमत 50हजार रुपये बताई गई है। मलाजखंड पुलिस ने राम बकस तिलगाम 50 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध चोरी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राम बकस तिलगाम पहल फाइनेंस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की बैहर ब्रांच में फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। 9 अक्टूबर की रात 9ः00 बजे रामबकस तिलगाम ने ड्यूटी से घर वापस आकर अपने मोटरसाइकिल एचएफ डीलक्स एमपी 50 एस 3502 को अपने घर के दरवाजे के सामने खड़ी कर दिए थे। 10 अक्टूबर को सुबह रामबकस तिलगाम सोकर उठे देखे मोटरसाइकिल घर के सामने खड़ी नहीं थी। तब रामबकस तिलगाम ने अपने भाई दिनेश तिलगाम के साथ अपनी मोटरसाइकिल को आसपास गांव में तलाश किये। मोटरसाइकिल का कोई पता नहीं चला। 9 एवं 10 अक्टूबर की दरमियानी की रात कोई अज्ञात चोर मोटरसाइकिल को चोरी कर ले गया। रामबकस तिलगाम ने अपने गांव के राहुल सोनवाने के विरुद्ध मोटरसाइकिल चोरी करने का संदेश व्यक्त किया है। क्योंकि उस रात दो और तीन बजे राहुल सोनवाने गांव में ही घूम रहा था। मलाजखंड पुलिस ने राम बकस तिलगाम द्वारा की गई रिपोर्ट पर मोटरसाइकिल चोरी करने के आरोप में अज्ञात आरोपी की विरुद्ध धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

आदिवासी बालक आश्रम शाला के बच्चों ने जिला स्तरीय लोकनृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जनजातीय कार्य विभाग, बालाघाट के मार्गदर्शन में शासकीय आदिवासी बालक आश्रम, बालाघाट के बच्चों ने लगातार चौथी बार जिला स्तरीय लोकनृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है और इस संस्था ने अपनी उत्कृष्टता और परंपरा को बरकरार रखा है। इसी प्रकार नेताजी सुभाष चंद्र बोस, आवासीय बालिका छात्रावास बैहर की छात्राओं ने रोल प्ले प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस संस्थानों ने अपने सांस्कृतिक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया है। अब इन दोनो संस्थान के बच्चे खंडवा में 14 से 15 अक्टूबर तक होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगें और बालाघाट जिले का नाम रोशन करेंगें। बालाघाट में संचालित अंग्रजी माध्यम की यह आश्रम शाला एवं बैहर का बालिका छात्रावास जनजातीय संस्कृति, शिक्षा और प्रतिभा के अनूठे संगम को प्रदर्शित करते हैं। इस सफलता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने आश्रम शाला के बच्चों, बालिका छात्रावास की छात्राओं एवं वहां के स्टाफ को बधाई है एवं खंडवा की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सफलता हासिल करने के लिए शुभकामनायें दी है। राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिला स्तरीय लोकनृत्य एवं रोल प्ले प्रतियोगिता 10 अक्टूबर को डाईट बालाघाट में आयोजित की गई थी। लोकनृत्य प्रतियोगिता में आदिवासी अंग्रेजी माध्यम बालक आश्रम की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। आश्रम शाला के छात्र आयुष सैयाम, निहाल सिरसाम, साहिल भलावी, धीरेन्द्र मेरावी, चित्रसेन उईके एवं ऋषि धुर्वे की टीम ने किशोर किशोरी एक समान थीम पर शिक्षक श्री एमएस घरडे, श्रीमती वाय पटेल एवं श्रीमती प्रीति सिंह परिहार के मार्गदर्शन में अपनी प्रस्तुति दी है। इसी प्रकार रोल-प्ले प्रतियोगिता में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय बालिका छात्रावास बैहर की टीम विजेता रही है। शिक्षक श्रीमती नीना परिहार के मार्गदर्शन में छात्रा अर्चना धुर्वे, रागिनी आर्मो, काम्या ठाकरे, नीतू रेखाम एवं वर्षा धुर्वे की टीम ने स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने की थीम पर अपनी प्रस्तुति दी ।

शराब ठेकेदार गांव-गांव में परोस रहे शराब आबकारी और पुलिस अधिकारी नहीं करते कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। समूचे जिले में शराब ठेकेदारों द्वारा गांव गांव में में देशी विदेशी शराब की सप्लाई की जा रही है ।शराब ठेकेदार, पुलिस के संरक्षण में गांव-गांव में शराब बिकवाने का काम कर रहा है। तिरोड़ी कटंगी खैरलांजी वारासिवनी किरनापुर , बालाघाट शहर से लगी कोसमी के लाइसेंसी शराब दुकानो से ग्रामीण अंचलों की किराना दुकान, गुमटिया, होटल पेकारो के यहा शराब बेची जा रही है। शराब दुकान के कर्मचारी गांव गांव तक जाकर दो पहिया वाहन, वह चार पहिया वाहन से शराब की सप्लाई कर रहे हैं। जिले में बैठे आबकारी व पुलिस अधिकारी आम जनता को शराब बंदी के प्रति कमर कसने की बात कहते हैं। पुलिस विभाग की शराबबंदी महज एक अभियान तक सिमट कर जाती है। शराबबंदी अभियान के तहत कुछ चुनिंदा अवैध शराब के अड्डों में छापा मार करवाई कर अभियान की इति श्री कर लेते हैं। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री लगातार बढ़ते जा रही है। क्षेत्र में लाइसेंसी ठेकेदार के कर्मचारी अवैध रूप से दो पहिया वाहन वह चार पहिया वाहन से गांव गांव जाकर धड़ले से शराब की सप्लाई कर रहे हैं। लेकिन लाइसेंसी शराब ठेकेदारों से पुलिस थाना बंधे हुई रहते हैं। जिससे पुलिस गांव गांव में बिक रही अवैध शराब बिक्री के धंधे से अनभिज्ञता जाहिर करते रहती है। ऐसा नहीं कि यह काम रात के अंधेरे में हो रहा है, बल्कि दिन के उजाले में किया जा रहा है। लेकिन आज तक ना तो आबकारी विभाग और न ही पुलिस विभाग ने इस मामले में कोई कार्रवाई की है।

कीटनाशक के सेवन में आने से कृषक अस्वस्थ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कोसमी में इसी ग्राम का एक कृषक लक्ष्मी चंद पिता शंकर लाल सिहोरे 47 वर्ष कीटनाशक दवाई अचानक सेवन में आने से अस्वस्थ हो गये। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्ष्मी चंद खेती किसानी करते हैं। 11 अक्टूबर को सुबह 7ः00 लक्ष्मी चंद अपने खेत गए थे और खेत में काम करने के बाद खेत में बनी झोपड़ी में रखी प्लास्टिक की बोतल थी। जिसे लक्ष्मी चंद रोज पानी पीने ले जाते थे। उसे बोतल को लक्ष्मी चंद ने घर लाये थे। घर मे प्यास लगने पर उसी बोतल में पानी डालकर पी लिए थे। जिससे उन्हें कीटनाशक दवाई की दुर्गंध जैसी आने लगी थी। तब उन्होंने अपने बेटे निलेश सिहोरे से पूछे तब उसने बताया कि दो दिन पहले खेत में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने गया था। दवाई की झिल्ली फट जाने से कुछ मात्रा में दवाई पानी की बोतल में आ गई थी। इसलिए उसे खेत में ही झोपड़ी में रख दिया था। लक्ष्मी चंद सिहोरे को कीटनाशक दवाई सेवन में आने के बाद चक्कर आने पर उसे परिवार वालों ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये है।

कांग्रेस नेता पर एफआईआर दर्ज होने से कांग्रेसियों में आक्रोश

स्मार्ट मीटर विवाद गहराया, थाने पहुंचकर जिला पंचायत अध्यक्ष एवं कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय में बिजली विभाग के द्वारा स्मार्ट मीटर लगाये जाने को लेकर उपजा विवाद अब पूरी तरह से राजनीतिक रूप ले चुका है। बस स्टैंड में हाल ही स्मार्ट मीटर को लेकर हुए हंगामे के बाद विद्युत विभाग की शिकायत पर पुलिस के द्वारा पिछड़ा वर्ग विभाग कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा के विरूध्द शासकीय कार्य में बाधा सहित बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द किया गया है और पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। वहीं कांग्रेस नेता मनीष कुशवाहा पर मामला दर्ज होने के बाद से कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। लालबर्रा में स्मार्ट मीटर लगाने का विवाद बढ़ता ही जा रही है। शनिवार की शाम में जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार के द्वारा इस मामले को लेकर विश्राम गृह में कांग्रेसियों की बैठक आयोजित की गई और स्मार्ट मीटर के विरोध में विद्युत विभाग के द्वारा झूठी शिकायत दर्ज करवाने सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। वहीं कांग्रेस नेता मनीष कुशवाहा पर विद्युत विभाग के जुनियर इंजीनियर सरफराज कुरैशी के द्वारा झूठी शिकायत करने एवं झूठी शिकायत पर थाना प्रभारी द्वारा बगैर विवेचना किये मामला पंजीबध्द करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी ने पुलिस प्रशासन की कार्यवाही पर आक्रोश व्यक्त किया है। वहीं बैठक संपन्न होने के बाद शाम 7.30 बजे जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार सहित अन्य कांग्रेसीगण थाना पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर पिछड़ा वर्ग विभाग कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा पर विद्युत विभाग के जूनियर इंजीनियर सरफराज कुरैशी के द्वारा की गई झूठी शिकायत को निरस्त करने की मांग की है एवं मांगे पूरी नही होने पर आगामी समय में लालबर्रा बंद कर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, अनुपसिंह बैस, ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे सहित बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर के मुद्दे को बड़े स्तर पर उठायेगें - सम्राट

जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार ने बताया कि विद्युत विभाग एवं कंपनी के कर्मचारियों के द्वारा दुकानों एवं घरों में जबरन स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे है। जिस पर कांग्रेस नेता मनीष कुशवाह द्वारा आपत्ति जताई गई तो विद्युत विभाग के द्वारा उनके खिलाफ थाने में झूठी शिकायत कर मामला पंजीबध्द करवाया गया है। जिसकी जानकारी लगने पर लालबर्रा पहुंचकर वास्तविक जानकारी लिया गया तो पता चला कि वह आमजनों को स्मार्ट मीटर लगाने के नुकसान के बारे में जानकारी दे रहा था क्योंकि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा यानि बिल अधिक आयेगें। श्री सरस्वार ने बताया कि विद्युत विभाग के अधिकारियों को स्मार्ट मीटर के फायदे और नुकसान के बारे में समझाना चाहिए परन्तु बिना सहमति के जबरन मीटर लगा रहे है। जिसका हम विरोध करते है और थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर कांग्रेस नेता पर झूठा मामला पंजीबध्द किया गया है उसे निरस्त करने की मांग की है और स्मार्ट मीटर के बारे में जनता से जानकारी लेकर इस मुद्दे को प्रदेश स्तर पर उठाया जायेगा।

स्मार्ट मीटर एवं झूठी शिकायत के मामले में करेगें आंदोलन - अनुपसिंह

कांग्रेस नेता अनुपसिंह बैंस ने बताया कि लालबर्रा क्षेत्र के उपभोक्ताओं के दुकानों एवं घरों में विद्युत विभाग व ठेकेदार के कर्मचारी जबरन स्मार्ट मीटर लगा रहे है एवं विरोध करने पर उनके खिलाफ थाने में झूठी शिकायत दर्ज करवाई जा रही है, जिससे कांग्रेसियों में आक्रोश व्याप्त है। साथ ही यह भी बताया कि पहले उपभोक्ताओं से इलेक्ट्रॉनिक मीटर का पैसा लिया गया था, अब एक साल बाद फिर से स्मार्ट मीटर के नाम पर वसूली की जा रही है एवं बिना सहमति के मीटर लगाये जा रहे है। जिसका हम विरोध करते है और इस स्मार्ट मीटर एवं झूठी शिकायत के मामले में क्षेत्र में आंदोलन करने की रणनीति बन रही है इसलिए प्रशासन से मांग है कि झूठी शिकायत को निरस्त करें।

पांढरवानी पंचायत की बैठक संपन्न, विकास कार्यों सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के सभाकक्ष में शनिवार को पंचायत की मासिक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक सरपंच अनीस खान की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में पंचायत क्षेत्र में किये जा रहे विकास कार्यों एवं योजनाओं की जानकारी पंचों को दी गई। वहीं पंचों के द्वारा भी अपने-अपने वार्ड की समस्या एवं निर्माण कार्य के संबंध में सरपंच, सचिव को अवगत करवाया गया। साथ ही आगामी समय में लालबर्रा हाई स्कूल खेल मैदान में सांसद खेल महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। लेकिन इसी खेल मैदान में दीपावली पर्व के लिए प्रतिवर्ष पटाखों की दुकाने लगती है। अगर खेल महोत्सव इस हाई स्कूल मैदान में होगा तो पटाखा व्यवसायियों का व्यापार प्रभावित होगा। इसलिए पंचों ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव का आयोजन पनबिहरी में बनाये गये खेल स्टेडियम में करवाये जाने की मांग ग्राम सरपंच एवं प्रशासन से की है। वहीं पंचायत की मासिक बैठक में यह भी प्रस्ताव लिया गया है कि दीपावली पर्व के पूर्व सभी वार्डों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था एवं आवश्यकतानुसार नाली, सड़क एवं अन्य कार्य करवाये जायेगें ताकि पंचायत क्षेत्र का विकास हो सके। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि शनिवार को पंचायत की मासिक बैठक संपन्न हुई है। जिसमें उपस्थित पंचों को पंचायत क्षेत्र में हो रहे हो रहे, होने वाले विकास कार्यों की जानकारी दी गई है। साथ ही यह भी बताया कि आगामी 14 अक्टूबर को हाई स्कूल खेल मैदान में विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का आयोजन होना है। लेकिन इसी खेल मैदान में प्रतिवर्ष पटाखों की दुकाने लगती है।

इसलिए पंचों का कहना है कि खेल महोत्सव का आयोजन पनबिहरी में लाखों रूपयों की लागत से बने खेल स्टेडियम में किया जाये, पंचों की सहमति से प्रस्ताव लेकर शासन को पत्र भेज जायेगा कि पनबिहरी स्थित खेल स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किये जाये। इस अवसर पर पंचायत सचिव रणविजय सिंह, सहायक सचिव कृष्णा पंचेश्वर, पंच आबिद कुरैशी, सावन पंचेश्वर, आम्रपाली रंगारे, विनोद पचेश्वर, कृष्णकुमार यादव, हेमलता माले, मिथुन बोरकर, सरिता नागेश्वर, रितेश्वरी भोंगाड़े, सविता साहू, सुधीर जैन, मुकेश पटले, शिला धुर्वे, अप्पू भूपेंद्र कुम्हरे, काफ़िया रंगरेज़, शाकिर खान, गीता घाटे, अमरीन खान, तस्मीन फिरदोस सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पति की दीर्घायु के लिए सुहागिन महिलाओं ने रखा करवा चौथ का व्रत

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पर्व, चंद्र को अर्ध देकर तोड़ा व्रत

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में पति के जन्म जन्मांतर साथ रहने तथा परिवार की खुशहाली, समृध्दि और हमेशा स्वस्थ रहने की प्रार्थना के साथ सुहागन महिलाओं के द्वारा धार्मिक विधि-विधान के साथ करवा चौथ का पर्व 10 अक्टूबर को हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस करवा चौथ व्रत के दिन सुहागन माता-बहनों के द्वारा अपने पति की दीर्घायु के लिए निर्जल व्रत धारण कर भगवान शिव, माता पार्वती, कार्तिकेय और भगवान गणेश सहित चंद्रमा की विशेष पूजा अर्चना कर शाम में चंद्रोदय के बाद छलनी में चंद्र दर्शन और अपने सुहाग के चेहरे का दीदार कर पति के हाथों जल ग्रहण कर महिलाएं व्रत तोड़ी जिसके बाद पकवान व भोजन ग्रहण किया। आपकों बता दे कि धार्मिक मान्यता के अनुसार सच्ची निष्ठा से व्रत किया जाये तो माता पार्वती सदा सौभाग्यवती रहने का आशीर्वाद प्रदान करती है और करवा चौथ व्रत पति की लंबी उम्र की कामना को लेकर सुहागिन महिलाओं के द्वारा किया जाता है। इसी मान्यता के अनुसार करवा चौथ का व्रत कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को 10 अक्टूबर को सुहागिन महिलाओं के द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और निर्जला व्रत रखकर शाम में करवा माता की पूजन-अर्चन कर अर्ध देकर छलनी में अपने पतिओं का दीदार होने के बाद उनके हाथों से जल ग्रहण कर व्रत तोड़कर पति की दीर्घायु की कामना की गई। वहीं इस करवा चौथ पर्व के अवसर पर व्रतधारी महिलाओं ने चांद के मुखड़े में अपने पति के चांद का दीदार कर उनकी दीर्घायु की कामना की और यह पर्व पूरे क्षेत्र में धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया गया।

सामूहिक रूप से मनाया गया करवा चौथ पर्व

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली के भूतपूर्व सरपंच स्व. राजेन्द्र गुप्ता एवं राजाराम सहारे के निवास स्थित मकान के छत पर महिलाओं के द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सामूहिक रूप से 10 अक्टूबर को करवा चौथ पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुहागन महिलाएं सोलह श्रृंगार कर कार्यक्रम में पहुंचे जहां व्रतधारी महिलाओं ने भगवान शिव, माता पार्वती, कार्तिकेय और भगवान गणेश सहित चंद्रमा की विधि-विधान से पूजा अर्चन के साथ करवा चौथ की कहानी पढ़ी। तत्पश्चात चांद दिखने के बाद छलनी में चांद के साथ अपने-अपने सजनों का दीदार कर उनके हाथों जल ग्रहण कर व्रत तोड़ी। विदित हो कि पति की लंबी उम्र के लिये सुहागिन महिलाओं द्वारा निर्जला उपवास रखकर श्रध्दापूर्वक चाँद के दीदार के साथ पति द्वारा जल व मीठा खिलाने के पश्चात व्रत तोड़ा गया, मान्यता है कि कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करवा चौथ का व्रत किया जाता है। व्रतधारी महिलाओं ने बताया कि करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाओं के द्वारा पति की दीर्घायु के लिए की जाती है। 10 अक्टूबर को करवा चौथ का निर्जला व्रत रखकर शाम को विधि-विधान से पूजा अर्चना कर चंद्रमा दिखने के बाद उन्हे अर्ध देकर छलनी में अपने पतियों को देखकर व्रत तोड़ी गई। इस व्रत को मनाने वाले में अमोली में श्रीमती सीमा राकेश अवधिया, श्रीमती वंदना सचिन कुर्वे, मंजू श्यामू यादव, श्रीमती साधना मुकेश अवधिया, श्रीमती सलोनी सुनिल ढोमड़े, श्रीमती विजया अंकित कावड़े, श्रीमती शिवानी कपिल अवधिया, श्रीमती चांदनी योगेश यादव, श्रीमती सुनिता भरत खेरवार, श्रीमती शिम्पी धरम दुलारे, श्रीमती सोनम रवि दुलारे, श्रीमती सुमन श्यामू दुलारे, श्रीमती निशा राजू सूर्यवंशी, श्रीमती भारती राहुल अवधिया, श्रीमती पूजा प्रदीप अवधवाल, श्रीमती नेहा ब्रजेश यादव, श्रीमती ममता लोकेश यादव, श्रीमती सरस्वती राकेश यादव, श्रीमती सावित्री दिपेश यादव सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहे।

छिंदवाड़ा सिरपकांड के बाद जागा स्वास्थ्य अमला

गठित दल ने मेडिकल स्टोर्स की जांच की, किसी दुकान में नहीं मिला प्रतिबंधित सिरप

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। छिंदवाड़ा जिले में सिरप कांड से दो दर्जन से अधिक ब'चों की मौत के मामले के बाद स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया है। शासन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जांच दल गठित कर नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हो रहे मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण कर कप सिरप सहित अन्य दवाईयों की जांच की जा रही है ओर प्रतिबंधित कोल्ड्रीफ कप सिरप मिलने पर उन पर वैधानिक कार्यवाही भी की जा रही है। इसी कड़ी में लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा गठित दल के द्वारा शनिवार को लालबर्रा मुख्यालय स्थित शास्त्री, ठौकर, राधन, कपूर डहारे एवं संस्कृति मेडिकल स्टोर्स पहुंचकर मेडिकल स्टोर्स में रखी दवाओं, विशेषकर सिरप दवाओं की जांच की गई। इस दौरान दुकानों के दस्तावेजों, स्टॉक रजिस्टर और लाइसेंस की वैधता की भी जांच की गई है। इस निरीक्षण के दौरान जांच दल को किसी भी मेडिकल स्टोर्स में प्रतिबंधित कोल्ड्रीफ कप सिरप नही मिला। लेकिन कुछ मेडिकल स्टोर्स की लाइसेंस में त्रुटियां पाई गई। जिस पर जांच दल के अधिकारियों ने उन्हे तत्काल सुधारने एवं लाईसेंस को रिनिवल करने निर्देशित किया है। वहीं स्वास्थ्य विभाग की जांच दल को मेडिकल स्टोर्स में जांच के लिए पहुंचने की जानकारी जब नगर मुख्यालय में स्थित अन्य मेडिकल स्टोर्स संचालकों को लगी तो उनमें हड़कप सा मच गया और उन्हे यहां लगने लगा कि कही कप सिरप के जांच के बहाने अन्य जांच तो नही की जा रही है क्योंकि कुछ मेडिकल स्टोर्स, चिकित्सक व पैथोलॉजी चलाने वाले लोगों के पास पर्याप्त दस्तावेज नही है एवं अन्य संसाधन की कमी है। ऐसी स्थिति में अगर जांच दल उनके मेडिकल एवं चिकित्सा केन्द्र में पहुंचते तो उनकी भी कमियां सामने आ सकती थी। जिस तरह से लालबर्रा मुख्यालय में मेडिकल स्टोर्स की जांच की गई है उसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित मेडिकल स्टोर्स एवं बिना डिग्री के जो लोग इलाज कर रहे है उनकी डिग्री की भी जांच करने की मांग उठ रही है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा ताकि आमजनों को सुरक्षित दवाएं ही उपलब्ध करवाई जा सके। मेडिकल स्टोर्स की जांच करते समय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा के चिकित्सक डॉ. अश्वी रहांगडाले, आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश चौहान, फार्मासिस्ट शैलेष वर्सीकर, बीईई मोनिका गाड़ेकर, डीईओं जितेन्द्र गोंडाने उपस्थित रहे।

जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा - डॉ. रितु

दूरभाष पर चर्चा में बीएमओं डॉ. रितु धुर्वे ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर टीम गठित कर मेडिकल स्टोर्स की जांच की जा रही है, शनिवार को लालबर्रा के 5 मेडिकल स्टोर्स की जांच की गई। लेकिन किसी भी दुकान में प्रतिबंधित सिरप नही मिला, बल्कि ठौकर मेडिकल में कोल्ड्रीफ कंपनी से मिलता हुआ एक सिरप था जिसकी जप्ती की गई है। आगे डॉ. धुर्वे ने बताया कि कुछ मेडिकल स्टोर्स में लाईसेंस की वैधता समाप्त हो चुकी है, जिसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को दी जायेगी एवं 2 से 5 वर्ष के बच्चों के लिए किसी भी प्रकार की कप सिरप का विक्रय नही किये जायेगें एवं शासन के द्वारा कोल्ड्रीफ , रिलिफ , रिसपिफ्रेश टीआर सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और यह जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा।

दिव्यांग चिकित्सीय मूल्यांकन शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। समग्र शिक्षा अभियान के तहत नगर मुख्यालय स्थित जनपद शिक्षा केन्द्र में शनिवार को सीडब्ल्यूएसएन (दिव्यांग) चिकित्सीय मूल्यांकन शिविर संपन्न हुआ। यह शिविर डीपीसी जीपी बर्मन, बीआरसी श्रीराम तुरकर सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित दिव्यांग चिकित्सीय मूल्यांकन शिविर में शासकीय/अशासकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक अध्ययरनत दिव्यांग बच्चों का चिकित्सीय मूल्यांकन किया गया है। जिसमें विकासखण्ड के 259 बच्चों ने पंजीयन करवाया जिनका विशेषज्ञ चिकित्सों के द्वारा जांच की गई और आवश्यक उपकरण जैसे व्हीलचेयर, कैलिपर्स, श्रवण यंत्र के लिए 80 ब'चे चयनित हुए है, जिन्हे आगामी समय में उपकरण प्रदान किये जायेगें। चर्चा में डीपीसी जीपी बर्मन ने बताया कि सीडब्ल्यूएसएन चिकित्सीय मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें लालबर्रा विकासखण्ड स्थित शासकीय/अशासकीय स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक जो बच्चें दिव्यांग है उनका चिकित्सीय मूल्यांकन चिकित्सकों के द्वारा किया गया है और चयनित दिव्यांग बच्चों को आगामी समय में आवश्यक उपकरण प्रदान किये जायेगें। इस अवसर पर डीपीसी जीपी वर्मन, एपीसी योगेश बिसेन, श्रीश थानथर्राटे, बीआरसी श्रीराम तुरकर, बीएसी श्याम भलावी, जितेन्द्र डहारे, एमआरसी सपना रंगारी, शिवकुमारी भंडारकर, नेहा खान, दीपांकर मेश्राम, जनशिक्षक सहित बच्चें एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

चांद को अर्घ्य देकर पूरा हुआ सुहागिन महिलाओं का महापर्व करवा चौथ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

अखंड सौभाग्य का महापर्व करवाचौथ १० अक्टूबर को पूरे देश में मनाया गया । विदित है कि यह त्योहार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चन्द्रोदय व्यापिनी चतुर्थी को मनाया जाता है। इस पर्व पर विवाहित स्त्रियाँ पति की दीर्घायु ,स्वास्थ्य एवं अपने सौभाग्य हेतु निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं और उदय उपरांत चंद्रमा को अर्घ्य अर्पित कर भोजन करती हैं। करवा चौथ के अवसर पर नगर के सराफ़ा स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में महिलाओं के द्वारा करवा चौथ धार्मिक विधि विधान के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत धारण कर भगवान शिव, माता पार्वती, कार्तिकेय और भगवान गणेश सहित चंद्रमा की विशेष पूजा अर्चना की। इसके अलावा सुहागिन व्रतधारी महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। मंदिर के पुजारी पंडित लक्ष्मीकांत मिश्रा ने पूरे विधि विधान से करवा चौथ की पूजा अर्चना संपन्न करवाई । आरती संपन्न कराकर जगह जगह सामुहिक रूप माता करवा की कथा का वाचन कर माँ करवा की विशेष आराधना की गई। रात को चंद्रोदय के बाद चलनी में चांद और अपने सुहाग का चेहरा देखकर पति के हाथों जल ग्रहण कर महिलाओं ने व्रत खोला। अखंड सौभाग्य के इस व्रत को लेकर नगर की महिलाओं में खासा उत्साह देखा गया। इस अवसर पर मंदिर के पंडित लक्ष्मीकांत मिश्रा ने बताया कि आज यहाँ करवा चौथ महापर्व का पूजन किया जाता है। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी रखा गया जो कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्थी के दिन किया जाता है और इसमें सभी जितनी भी सुहागन महिलाएं रहती हैं वह महापर्व व्रत अपने पति के दीर्घायु जीवन के लिए यह व्रत करती है। इसमें श्री गणेश , महाराज कार्तिकेय ,शंकर,पार्वती , करवा चौथ का पूजन किया जाता है और पूजन के बाद ही चंद्रोदय दर्शन करते हैं। और अर्घ्य देने के बाद फिर अपने अपने व्रत को यह पूर्ण करते है। श्रीमती सविता सोनी ने बताया कि करवा चौथ पति की लंबी आयु के लिए सभी महिलाओं के द्वारा व्रत रखा जाता है तत्पश्चात चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत खोला जाता है। इस अवसर पर वर्षा मुकेश सोनी, सविता राकेश सोनी,नमिता संजय सिंह कछवाह,शिवानी गुड्डु सोनी, सुकृति आयुष सोनी,अदिती विशेष सोनी,डॉ. भारती अशोक सुराना,अदिती वरुण त्रिवेदी, सुमन लक्ष्मीकांत मिश्रा,डाली संजीव जायसवाल, सुखमा संतोष हेड़ाउ, रचिता गौरव अरोरा,सुभा विकास सोनी, अनुश्री सागर गुप्ता , यामिनी त्रिवेदी, शीला सोनी,उमा गुप्ता,शिल्पा सिंह उपस्थित रही।

लापता बच्चे का पुलिस ने अपराध एवं गुम इंसान किया दर्ज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर के वार्ड नंबर ११ निवासी अर्श पिता नदीम खैरो के लापता होने के तीसरे दिन पुलिस ने मामले में अपराध और गुम इंसान दर्ज किया है। बालक की नदी व अन्य स्थानों पर निरंतर जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर की चंदन नदी पर स्थित चंदन घाट और कबीर घाट के बीच में एक ८ वर्षीय बालक ७ अक्टूबर की दोपहर करीब ३ बजे अचानक लापता हो गया था। जिसकी सूचना मिलते ही वार्डवासी सहित पुलिस के द्वारा जांच प्रारंभ कर दी गई थी। मौके पर मिले कपड़े से नदीम खैरो के द्वारा अपने पुत्र अर्श खैरो के कपड़े होने की शिनाख्त की गई। जिसके बाद लगातार पुलिस के द्वारा एसडीआरएफबालाघाट के साथ मिलकर जांच की गई। वहीं ग्रामीण क्षेत्र से गोताखोर बुलाकर भी नदी के विभिन्न स्थानों पर जांच किए गए परंतु कहीं भी जानकारी नहीं मिल पाई। जिस पर पुलिस के द्वारा १० अक्टूबर को मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा १३७ ,२ के तहत अपराध दर्ज कर एवं गुम इंसान दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। लापता युवक के पिता नदीम खैरो ने पुलिस को बताया कि मैं वार्ड नं.११ वारासिवनी रहता हूँ मजदुरी का काम करता हूँ। मेरे घर में मैं और मेरी पत्नी रेहाना एवं मेरा लडका अर्श खैरो रहते है मेरा एक ही लडका है जो कक्षा दूसरी में पढाई कर रहा है। जिसकी उम्र ७ वर्ष ११ माह है जिसकी जन्म तिथि २९ दिसंबर २०१७ की है। ७ अक्टूबर के दिन करीबन ३ बजे मैं मजदूरी का काम करके घर वापस आया तो मेरी पत्नि रेहाना ने बताई की लड़का अर्श खेलने गया है। जो शाम तक घर वापस नही आया तो मैं आस पडोस रिस्तेदारी मेहंदीवाडा, रामपायली, झालीवाड़ी में पता किया जिसका कोई पता नही चला। मेरे लडके अर्श खैरो को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसला कर भगा ले गया है। मेरे लडके अर्श खैरो का हुलिया रंग सांवला, उँचाई करीबन ३० इंच,चेहरा गोल, बाल काले है। मैं ९ अक्टूबर तक अपने लड़के का तलाश किया जिसका कही भी कोई पता नही चलने पर थाना में रिपोट दर्ज किया है।

साकड़ी में बाबा साहब आंबेड़कर की प्रतिमा का अनावरण आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत साकड़ी के पंचायत परिसर में १२ अक्टूबर को पंचशील बौद्ध समिति के तत्वाधान में डॉ बाबा साहेब आंबेडकर की भव्य प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। यह कार्यक्रम नत्थुलाल मेश्राम सेवानिवृत फ़ौजी एवं वरिष्ठ समाज सेवी आचार्य इजी.किशोर के मुख्य अतिथि एवं लोक स्वप्नील डोंगरे अधिवक्ता एवं प्रखर कवि की अध्यक्षता में आयोजित किया गया है। जिसमें पंचशील बौद्ध समिति ग्राम साकड़ी के सानिध्य में विश्व रत्न बोधिसत्व डॉ.बाबा साहेब भीमराव रामजी आंबेडकर की ८ फीट की भव्य प्रतिमा का ऐतिहासिक अनावरण भंते विनय रखित्ता, महांथेरो महासचिव त्रिपिटक चेटिंग बौद्ध गया डॉण् करूणा शील राहुल उत्तरप्रदेश, भंते ज्ञानज्योति महाथेरो, भंते बुद्धपाल एवं भिक्षु संघ के द्वारा अनावरण तथा पूजा.वंदना किया जायेगा। जिसमें दोपहर १२ बजे से महाभीम धम्म रैली निकाली जायेगी। वहीं शाम ४ बजे से प्रतीमा का अनावरण एवं मंचीय कार्यक्रम कर भोजनदान कर रात्रि में ९ बजे से कव्वाली का शानदार आगाज किया जायेगा। जिसमें कव्वाल फैजान ताज विडियो सिंगर नागपूर महाराष्ट्र के द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी जाएगी। इस अवसर पर अधिकाधिक संख्या में लोगों से उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने और कव्वाली का आनंद लेने की अपील आयोजन समिति के द्वारा की गई है।

आंबेडकरवादीयो की विशाल आक्रोश रैली आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर में आंबेडकरवादीयो के द्वारा १२ अक्टूबर को विशाल आक्रोश रैली का आयोजन किया गया है। जिसमें दोपहर १२ बजे महामाया बौद्ध विहार प्रांगण वार्ड नं. १ से आक्रोश रैली निकाली जाएगी । जो नगर के दीनदयाल चौक होते हुए बाबा साहब आंबेडकर चौक से वापस जय स्तंभ चौक पहुंचेगी। जय स्तंभ चौक पर आक्रोश सभा का आयोजन करने के उपरांत ज्ञापन सौंपा जाएगा। यह आक्रोश रैली का आयोजन भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार भारत रत्न बाबा साहब भीमराव आंबेडकर को ग्वालियर के एक गैर यक्ति द्वारा कई प्रकार के अपशब्दों से अपमानित किया गया है। जिसके विरोध में एवं उक्त व्यक्ति को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने गिरफ्तार करने मांग की जाएगी। इस अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में लोगो से पहुँचकर बाबा साहब के अपमान के विरोध में अपनी आवाज बुलंद करने की अपील समस्त आंबेडकरवादीयो ने की हैं।

आदर्श पंचायत के रूप में मेंढ़की का किया है सर्वांगीण विकास-जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मेंढ़की के बाजार चौक में डोंगरगढ़ की भोले काली मां की टीम वर्क वाली जीवंत झांकी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल , पूर्व ग्रामीण मंडल अध्यक्ष प्रदीप शरणागत,पूर्व सरपंच सचिन बिसेन पूर्व सरपंच उपेन्द्र बिसेन की मौजूदगी में कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। नवरात्रि,विजयादशमी और करवाचौथ के पर्व पर ग्राम मेंढ़की में श्री दाई के दुलरवा नवरत्न जस झांकी डोंगरगढ़ की प्रस्तुति का आयोजन किया गया। जिसमें एक के बाद एक तीन भजनों पर सजीव झांकी में कलाकारों की मेहनत व अभिनय को देखकर सभी हैरत में नजर आयें। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की हम आज विजयादशमी पर्व पर भगवान श्रीराम के विजय का उत्सव मना रहे है। सत्यमेव जयते को चरितार्थ करते हुये भगवान श्रीराम ने मातारानी की ९ शक्तियों से बलशाली रावण को पराजित कर सत्य व धर्म की स्थापना की है। ग्राम मेंढ़की को संस्कारधानी मानकर हमने विकास की नयी इबारत लिखी है। इस दौरान प्रदीप शरणागत ,सचिन बिसेन , नरेंद्र बिसेन ,सावित्री कुंजाम आदि ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित कर त्योहारों की बढ़ती रौनक पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रदीप जायसवाल ,प्रदीप शरणागत,सचिन बिसेन,उपेंद्र बिसेन, श्रीमती सावित्री कुंजाम,नरेंद्र बिसेन,रूपेंद्र बिसेन,योगराज पटले, सतीश बिसेन,किशोर बिसेन,आलोक बिसेन,डॉ पप्पू बिसेन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

लाड़ली लक्ष्मी योजना से निरंतर पढ़ाई में मिली सफलता

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लाडली लक्ष्मी योजना अंतर्गत लगातार निर्धन परिवारों की बेटियों को बेहतर शिक्षा के लिए आसरा प्राप्त हो रहा है। इसके बारे में महिला बाल विकास के द्वारा लगातार क्षेत्र के लोगों को जागरूक किया जा रहा है। ऐसे में पर्यवेक्षक अर्चना मेश्राम ने बताया कि परियोजना वारासिवनी अंतर्गत ग्राम पंचायत झालीवाड़ा के आंगनबाड़ी केन्द्र की लाड़ली लक्ष्मी कु. दिव्या देशमुख, माता श्रीमती लक्ष्मी देशमुख , पिता अशोक देशमुख वारासिवनी के निवासी है। बालिका के माता पिता कृषि कार्य कर अपनी घर गृहस्थी संभालते है बालिका की बड़ी बहन कृषिका देशमुख है। इन दोनो बहनों का लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ का फार्म भरने हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती मोतन चौधरी के द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना में जानकारी देकर आवेदन प्रथम पुत्री कृषिका का भरा गया। जिसके पश्चात द्वितीय संतान भी बेटी के रूप में दिव्या देशमुख हुई। इस बालिका को भी लाभ दिलाने के लिए कार्यकर्ता के द्वारा माता पिता के शीघ्र परिवार नियोजन अपनाने की सलाह दी। इनकी सलाह से माता पिता काफ़ी खुश होकर परिवार नियोजन माता के द्वारा करवाकर द्वितीय बालिका को भी लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ दिया गया। कृषि कार्य करके माता पिता के द्वारा दोनो बेटियों को अच्छी शिक्षा देना संभव नही था। किन्तु मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री योजना लाड़ली लक्ष्मी योजना बेटियों की सफलता के लिए कारगार साबित हुई। जिनको क्रमश ६वी में २०००, कक्षा ९वी में ४०००,कक्षा ११ वी में ६००० और कक्षा १२वी में ६००० रुपये की राशि प्राप्त कर वर्तमान में कृषिका देशमुख कालेज आफफॉरेसिंक सांईस जबलपुर का तृतीय वर्ष व कुमारी दिव्या देशमुख बी टेक प्रथम वर्ष सतना में अध्ययनरत है। इन्होंने लाड़ली लक्ष्मी योजना की सराहना करते हुए महिला बाल विकास अधिकारी और कर्मचारियों का धन्यवाद किया हैं।

जीनियस स्कूल के छात्रों ने जीते ८७ पदक

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

जीनियस स्कूल वारासिवनी के प्रतिभाशाली छात्रों ने खेल के क्षेत्र में एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता साबित करते हुए राष्ट्रीय स्तर में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। स्कूल के ५२ छात्रों ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में कुल ८७ पदक जीतकर ना केवल विद्यालय बल्कि पूरे बालाघाट जिले का गौरव बढ़ाया है। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता ४ और ५ अक्टूबर २०२५ को बालाघाट में एकलव्य एकेडमी के द्वारा आयोजित की गई थी। इस आयोजन में देश के कई राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, असम और मध्य प्रदेश की टीमों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया था। राष्ट्रीय स्तर के इस मंच पर जीनियस स्कूल के छात्रों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। जीनियस स्कूल के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल ८७ पदक जीते। पदक तालिका इस प्रकार है जिसमें रजत पदक २६,कांस्य पदक ४० इतनी बड़ी संख्या में पदक जीतकर जीनियस स्कूल के छात्रों ने पूरे प्रदेश में बालाघाट जिले को प्रथम स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस शानदार सफलता पर विद्यालय के डायरेक्टर सुधीर जायसवाल,प्राचार्य श्रीमती रंजीता राय और समस्त जीनियस परिवार ने विजेता छात्रों को हार्दिक बधाई दी। डायरेक्टर सुधीर जायसवाल ने छात्रों की सराहना करते हुए कहा हमारे विद्यार्थियों ने खेल के क्षेत्र में अनुशासन मेहनत और आत्मविश्वास का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह उपलब्धि ना सिर्फ विद्यालय की बल्कि पूरे बालाघाट जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने आगे कहा कि जीनियस विद्यालय वारासिवनी निरंतर विद्यार्थियों की शैक्षणिक उत्कृष्टता और खेल विकास दोनों दिशा में सक्रिय रूप से कार्यरत है। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हें अगली प्रतियोगिताओं में और अधिक सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

मेडिकल शिक्षा हुई बीमार !

अदालत से ही संभव सुधार !

● डॉ. विष्णु राजगढ़िया
स्वतंत्र पत्रकार

देश में स्वास्थ्य मंत्रालय और इसकी संस्थाओं पर सबके इलाज का दायित्व है लेकिन हाल के कई मामले बताते हैं कि हमारी मेडिकल शिक्षा मरणासन्न है। लगातार 36-49 घंटे ड्यूटी करते पीजी मेडिकल स्टूडेंट्स खुद मानसिक रोगों का शिकार हो रहे प्रात्महत्या अथवा इसकी कोशिश के मामले बढ़ रहे हैं। जिस पीजी कोर्स में एडमिशन बेहद कल से मिला हो, उसे 50 लाख का जुर्माना देकर सीट छोड़ रहे हैं। मामला इतना बिगड़ गया एनएमसी को 2024 में इस पर जांच के लिए नेशनल टास्क फोर्स तक बनानी पड़ी। उसकी वह रिपोर्ट के बावजूद अब तक कुछ नहीं बदला है।

दूसरी ओर, मेडिकल कॉलेजों की जांच और मान्यता के नाम पर बड़े-बड़े घोटाले ने आ रहे हैं। गत दिनों सीबीआई ने नया रायपुर के रावतपुरा मेडिकल कॉलेज के अलावा गुजरात, आंध्र प्रदेश, राजस्थान समेत सात राज्यों के 35 आरोपियों पर मुकदमा किया। इनमें य स्वास्थ्य मंत्रालय और एनएमसी के अधिकारी, डॉक्टर, प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों के पदाधिकारी शामिल हैं।

पहले देश में मेडिकल शिक्षा के नियमन का दायित्व मेडिकल कौंसिल ऑफ इंडिया पर वर्ष 2019 में एनएमसी एक्ट बना कर यह दायित्व नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) सौंप दिया गया। लेकिन एनएमसी ने लगातार निराश किया। मेडिकल समुदाय में धारणा यह प्राइवेट मेडिकल कॉलेज माफिया ने एक सशक्त लॉबी समुह बना रखा है, जो अपने हित नचाही नीतियां बनवाने के लिए करोड़ों-अरवों रुपये खर्च करने में सक्षम है। इनके लाइजनर ष्य मंत्रालय और एनएमसी से लेकर अन्य नियामक संस्थाओं को प्रभावित करके कुछ भी ने में सक्षम हैं। इस धारणा में कितनी सच्याई है, इसका पता लगाना मुश्किल है। लेकिन यह है कि एनएमसी को जिन कार्यों का दायित्व सौंपा गया था, उन्हें स्वयं करने में दिलचस्पी नहीं। मामलों में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मजबूरी में कदम उठाए जा रहे हैं। ताजा उदाहरण कल कॉलेजों की फीस और स्टाइपेंड को पब्लिक डोमेन में सार्वजनिक करने का है।

एनएमसी ने ग्यारह जुलाई 25 को सभी मेडिकल कॉलेजों को फीस संरचना स्टाइपेंड भुगतान की जानकारी वेबसाइट पर सार्वजनिक करने का निर्देश दिया है के एनएमसी को यह काम अपने गठन के वक्त से ही करना था। छह साल तक प्राइवेट रज माफिया को संरक्षण देते हुए चुप्पी कायम रखी। अव सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मसी ने नोटिस निकाला है कि सभी मेडिकल कॉलेजों को अपनी फीस संरचना और पेंड भुगतान की जानकारी अपनी आधिकारिक वेवसाइट पर प्रकाशित करनी होगी। का अनुपालन न करने पर कारण वताओ नोटिस, जुर्माना, पाठ्यक्रम की मान्यता प लेना और प्रवेश निलंबित करना जैसे कदम उठाए जाएंगे।

पदाधिकारियों से होनी चाहिए कड़ी पूछताछ मेडिकल स्टूडेंट्स का कहना है कि जब ऐसे कदम उठाने के नियम पहले से हैं, तो एनएमसी के अधिकारियों ने अब तक स्टूडेंट्स का शोषण क्यों होने दिया? इस पर अधिकारियों से कड़ी पूछताछ होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि पीजीएमईआर, 2023 के नियम 4.3 के अनुसार, मेडिकल कॉलेजों को सीट मैटिक्स में डेटा दर्ज करते समय प्रत्येक बच्चे को डॉक्टर बनाना जिन परिवारों का सपना सा है, उन्हें पीजी के दौरान पछताना पड़ता है ऐसे जानलेवा हालात में बच्चे को क्यों डाला या स्वास्थ्य मंत्रालय, एनएमसी और अन्य संस्थाओं से नाउम्मीद स्टूडेंट्स और पैरेंट्स ने गोम कोर्ट में कई अर्जियां लगा रखी हैं। सुधार की कोई उम्मीद अदालत से ही है।

पाठ्यक्रम की फीस का खुलासा करना आवश्यक है। सीआरएमआई नियम, 2021 और पीजीएमईसर, 2000 के अनुसार, इंटर्न को स्टाइपेंड का भुगतान करना अनिवार्य है। ऐसे नियमों का अनुचलन अगर सुप्रीम कोर्ट को कराना पड़ रहा हो, तो खुद एनएमसी के इलाज की जरूरत ने दिनों नये घोटालों में सीबीआई की कार्रवाई के वाद एनएमसी ने मेडिकल स्टुडेंट्स की समस्याओं पर तीन-स्तरीय शिकायत निवारण समितियां बनाने का निर्देश दिया है। ये तीन स्तर सभी मेडिकल कॉलेज, प्रत्येक यूनिवर्सिटी और राज्य चिकित्सा शिक्षा विभाग स्तर पर होंगे। उन्हें अपना देवपोर्टल बनाना होगा। छका इनमें अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इस नोटिस में एनएमसी ने अत्यधिक शुल्क वसूली, स्टाइपेंड, रैगिंग जैसी शिकायतों का उल्लेख किया है। हैरानी की बात है कि एनएमसी ने इसमें पीजी मेडिकल स्टूडेंट्स के काम के अत्यधिक घंटों का उल्लेख तक नहीं किया जबकि समस्या की मूल जड़ यही है। एनएमसी इस बात को नजरअंदाज करता आया है कि मेडिकल स्टूडेंट्स की आत्महत्या और मानसिक तनाव का मूल कारण लगातार 36-48 घंटे तक ड्यूटी लगना है।

मानसिक स्वास्थ्य पर ऑनलाइन सर्वेक्षण

2024 में एनएमसी ने मेडिकल स्टूडेंट्स के मानसिक स्वास्थ्य पर एक ऑनलाइन सर्वेक्षण कराया था। मात्र दस दिनों के भीतर 37667 स्टूडेंट्स और फैकल्टी सदस्यों ने इसमें भागीदारी करके स्थिति की भयावहता सामने ला दी। लेकिन नेशनल टास्क फोर्स, 2024 की रिपोर्ट पर एनएमसी ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। पीजी मेडिकल स्टूडेंट्स को कितने घंटे काम करना है? इस पर देश का कानून स्पष्ट है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने 1992 में डायरेक्टिव जारी किया था। इसके अनुसार सप्ताह में अधिकतम 48 घंटे काम करना है। लगातार अधिकतम 12 घंटे। एम्स भी अपने नोटिस में इसी का उल्लेख करता है। हालांकि पालन वहां भी नहीं होता। गत वर्ष कर्नाटक सरकार ने भी यही नियम जारी किया। इसके बावजूद देश भर में अधिकांश पीजी स्टूडेंट्स की 24, 36 या 48 घंटे की लंबी ड्यूटी लगती है। इससे मरीजों की देखभाल की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। अच्छे इलाज का दावा करने बाले नेताओं को मालूम तक नहीं कि इन पीजी स्टूडेंट्स के ही भरोसे अस्पताल चलते हैं। बड़े डॉक्टर तो हाजिरी बना कर मरीजों को स्टूडेंट्स के भरोसे छोड़ जाते हैं। ऐसे थके-मदि अधमरे स्टूडेंट्स से अच्छे इलाज की उम्मीद करना हास्यास्पद है।

सिल, लगातार ड्यूटी का तरीका अमेरिका के एक डॉक्टर के प्रयोग पर आधारित है। डॉ. विलियम स्टीवर्ट हलस्टेड भोजन और नींद के बगैर लगातार काम करते रहते थे। प्रशिक्षु डॉक्टरों से भी लगातार काम कराते थे। दरअसल, वह कोकीन और अफीम का सेवन करके लगातार काम करते थे। क्या भारत के मेडिकल स्टूडेंट्स से नशे में काम की उम्मीद की जाती है? पिछले दिनों राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी मेडिकल स्टूडेंट्स की समस्याओं पर गंभीरता के साथ बैठक के बाद संबंधित विभागों और अधिकारियों से ठोस बिंदुओं पर कदम उठाकर रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया था। दिव्यांग स्टूडेंट्स की विशेष जरूरतों का ध्यान रखे कगैर उन्हें भी जानवरों की तरह अत्यधिक काम के लिए मजबूर किया जाता है। इस मामले में गत दिनों भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय ने स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र भेजा। लेकिन अब तक दिव्यांग स्टूडेंट्स के लिए कोई नियमावली सामने नहीं आई है। महिला पीजी स्टूडेंट्स की विशेष जरूरतों का ख्याल भी किसी को नहीं। कोलकाता के आरजी अस्पताल में पीजी कर रही छात्रा का 2024 में रेप करके हत्या कर दी गई।

वह लगातार 36 घंटे काम करके इतनी थक गई थी कि सेमिनार हॉल में सो गई। उसमें इतनी भी ताकत नहीं वची थी कि मदद के लिए चीख सके, या अपना बचाव कर सके। उस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने लगातार 36 घंटे ड्यूटी को अमानवीय करार दिया था। पीजी स्टूडेंट्स और पैरेंट्स इतने डरे हुए हैं कि तमाम शेषण के बावजूद मुंह तक नहीं खोलना चाहते। रेजिडेंट डॉक्टर्स की लंबी डयूटी लगाने का एक कारण मेडिकल कॉलेजों में डाक्टरों और सपोर्ट स्टाफ की कमी भी है। रेजिडेंट डॉक्टरों को डरा-धमका कर कंपाउंडर, नर्स, ट्रॉलीमैन, एक्सरे सहायक, क्लर्क, चपरासी सबका काम करा लिया जाता है। फैकल्टी और सीनियर डॉक्टर दो-चार घंटे ड्यूटी करके प्राइवेट प्रैक्टिस के लिए चले जाते हैं। ऐसे में अस्पताल का पूरा काम जूनियर डॉक्टरों के भरोसे छोड़ दिया जाता है। इससे अस्पतालों को कम डाक्टरों में कान चलाने का मौका भी मिल जाता है।

काम के घंटों में जबरदस्त गणित

इसमें एक सवाल उठता है कि 36 घंटे क्यों? इसे 24 घंटे भी तो कर सकते थे। लेकिन इसमें एक जवरदस्त गणित है। अगर आप 24 घंटे की ड्यूटी कराएंगे तो आज सुबह काम पर आए रेजिडेंट को दूसरी सुबह छुट्टी देनी होगी। वह 24 घंटे बाद अगली सुबह आएगा लेकिन अगर 36 घंटे की ड्यूटी लगाते हैं, तो दूसरी रात छु?ट्टी देकर अगली सुबह फिर बुला सकते हैं। यही हो रहा है। इसके कारण 1992 से आज तक उस नियम को कभी लागू नहीं किया जा सका। संच तो यह है कि 1992 के इस नियम को छिपा कर रखा गया। हैरानी की बात यह है कि स्वास्थ्य मंत्रालय अब भी उस 1992 के डायरेक्टिव को छुपा रहा है। आरटीआई में उसकी कॉपी मांगने पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने कह दिया कि इतना पुराना दस्तावेज निकालना मुश्किल है जवकि सरकारी

दस्तावेज, नियम, कानून कभी खत्म नहीं होते। मेडिकल शिक्षा में सुधार के लिए सभी नियम-कानूनों का पालन तथा पारदर्शिता जरूरी है। लेकिन नियमों का उल्लंघन करके फर्जीवाड़ा छुपाने के लिए पारदर्शिता पर रोक लगा दी गई है। संसद के कानून के मुताविक इन कॉलेजों के असेसमेंट की पूरी जानकारी वेबसाइट पर डालनी जरूरी है। किसी कॉलेज में एडमिशन लेने से स्टूडेंट्स को पूरी जानकारी देने के लिए एनएमसी एक्ट, 2019 में पुख्ता इंतजाम किए गए थे। लेकिन एनएमसी ने सब कुछ गोपनीय कर दिया। वेबसाइट पर डालना तो दूर आरटीआई में सूचना तक नहीं मिलती। केंद्रीय सूचना आयोग ने सूचना देने का निर्देश दिया तो एक मई, 24 को एनएमसी ने अपनी बैठक में खुद ही कानून बदल दिया जवकि संसद का बनाया कानून खुद संसद की बदल सकती है। यह पूरी तस्वीर भयावह है। वच्चे को डॉक्टर वनाना जिन परिवारों का सपना होता है उन्हें पीजी के दौरान पछताना पड़ता है कि ऐसे जानलेवा हालात में बच्चे को क्यों डाल दिया। स्वास्थ्य मंत्रालय, एनएमसी और अन्य संस्थाओं से नाउम्मीद स्टूडेंट्स और पैरेंट्स ने सुप्रीम कोर्ट में काई अर्जियां लगा रखी हैं। सुधार की कोई उम्मीद अदालत से ही है।

बीमार और जर्जर अस्पतालों के कंधों पर देश...

● विनय ठाकुर
वरिष्ठ स्तंभकार

अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में आम नागरिक हर आम और खास जोखिम का सामना अस्पतालों के भरोसे उठाते हैं पर जब अस्पताल ही बीमार होने लगें फिर नागरिक और देश, दोनों के कमजोर होने का खतरा होता है। मेडिकल शिक्षा हमारे अस्पतालों को एक बलबान देश का बोझ उठाने के लिए तैयार नहीं कर पा रही है, और हमारी राजनीति नीम हकीम की तरह इसका इलाज महज कानून के सहारे करना चाह रही है। यह गंभीर चिंतन का समय है। चूंकि मेडिकल शिक्षा सीधे-सीधेचे जीवन और उसके अस्तित्व के साथ जुड़ी होती है, इसलिए उसे जीवन की तमाम संवेदनाओं और जटिलताओं का ख्याल रखना चाहिए जिसमें राजनीति, भाषा और संस्कृति सभी कुछ शामिल हैं। आज जवाबदेह संस्था खुद बीमार लग रही है, वह समाज की ऑपरेशन टेबल पर है, और राजनीति उसका इलाज करने की चेष्टा कर रही है पर मर्ज दवा के साथ खत्म होने की बजाय बढ़ता जा रहा है। समस्या इलाज की विधि में है, या फिर मरीज के पल-पल बदलते हालात में जो वैद्य की पकड़ में नहीं आ रहे हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों की बाढ़ को देखते हुए, इंडियन मेडिकल काउंसिल को भंग कर नेशनल मेडिकल कमीशन बनाया गया परंतु भ्रष्टाचार ने पीछा नहीं छोड़ा। एमबीबीएस में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली नीट परीक्षा के पेपर लीक होना जारी रहा। उधर, मेडिकल कॉलेज के साथ जुड़ी साख और कारोवारी मुनाफे ने लोगों को नियम-कानून ताख पर रख कर मेडिकल कॉलेज खोलने को प्रेरित किया।

मान्यता जारी रखने की शर्त

हाल में शिक्षकों की कमी की वजह से 36 मेडिकल कॉलेजों की मान्यता को सशर्त जारी रखने की बात सामने आई। राजनीति और मेडिकल कॉलेज का रिश्ता बार बार सतह पर आता रहा है। कर्नाटक में तीन नये मेडिकल कॉलेज खोलने और एमवीवीएस की सीट बढ़ाने का विपक्ष का प्रस्ताव खारिज कर दिया गया है। दक्षिण की कई राजनीतिक पार्टी और उनके नेता ऐसे हैं, जिनके वित्तीय संसाधनों के स्त्रोतों में मेडिकल कॉलेज का प्रमुख स्थान है। मेडिकल कॉलेज राजनीतिक नेताओं के लिए फायदे का सौदा रहा है। वित्तीय स्त्रोत होने के साथ-साथ यह लोगों को उपकृत कर अपने प्रभाव के विस्तार में भी सहायक सावित होता है। जन स्वास्थ्य के साथ जुड़ाव होने की वजह से जाये राजनीति व सरकार मेडिकल शिक्षण के साथ जुड़ी होती है वहीं इस सब का नियमन करने वाली कानूनी सामाजिक

संस्थाएं भी जुड़ी होती हैं। पेशागत वजहों से विशिष्ट ज्ञान के साथ जुड़े होने के साथ-साथ या स्वास्थ्य के क्षेत्र में आने वाली नई प्रौद्योगिकी के साथ भी जुड़ी हुई होती है, जिसके प्रभाव से कई बार कानून व नियमन संबंधी संस्थाओं के उपकरण कमजोर व अप्रासंगिक हो जाते हैं।

जिस तेजी से राज्य का लोककल्याणकारी चरित्र बदला है, और वह जन स्वास्थ्य की जिम्मेदारी से धीरे-धीरे पीछे जाता है, वैसे-वैसे उसने एक ऐसा स्पेस खाली किया है जिसने निजी और कॉरपोरेट अस्पतालों के लिए जगह उपलब्ध कराई है। इन अस्पतालों का चरित्र और प्राथमिकता अलग होती हैं। इसमें कोई खास परेशानी नहीं है परंतु समस्या तब आती है, जब व्यवसाय के दबाव में यह पेशागत नैतिकता को ताख पर रख कर निर्णय व्यवहार करने लगते हैं। यह व्यवहार समाज द्वारा स्थापित मान्य नैतिकता व अपेक्षित व्यवहार से इतना भिन्न और विरोधी होता है कि कई बार यह संवेदनशीलता व मानवीयता को प्रभावित करने लगता है.

जब अस्पताल ही बीमार होने लगें तो नागरिक और देश, दोनों के कमजोर होने का खतरा होता है। मेडिकल शिक्षा हमारे अस्पतालों को एक बलवान देश का बोझ उठाने के लिए तैयार नहीं कर पा रही है, और हमारी राजनीति नीम हकीम की तरह इसका इलाज महज कानून के सहारे करना चाह रही है। चूंकि मेडिकल शिक्षा सीधे-सीधे जीवन और उसके अस्तित्व के साथ जुड़ी होती है, इसलिए उसे जीवन की तमाम संवेदनाओं और जटिलताओं का ख्याल रखना चाहिए जिसमें राजनीति, भाषा और संस्कृति सभी कुछ शामिल हैं। आज जवाबदेह संस्था खुद बीमार लग रही है, वह समाज की ऑपरेशन टेबल पर है, और राजनीति उसका इलाज करने की चेष्टा कर रही है पर मर्ज दवा के साथ खत्म होने की बजाय बढ़ता जा रहा है

कोई भी नीति जब समाज की जरूरत और उसके बदलाव, बदलते स्वरूप और उनके विभिन्न घटकों के वीच गत्यात्मक रिश्तों को नहीं समझती तो समाज में हादसे को जन्म देती है।

बाजार का राजनीति पर बढ़ा दबाव जिस तरह से बाजार का दवाव धीरे-धीरे राजनीति पर बढ़ा है, और उसने राजनीति को वाजार के उन क्षेत्रों में भी प्रवेश की इजाजत दी है, जो आज समाज के सामंजस्य और संतुलन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहे हैं, तब से मेडिकल कॉलेज के कारोवार बनने के बाद इस कारोबार में वे लोग भी शामिल हो गए हैं, जो संदिग्य चरित्र और समाज के प्रति गैर-जवाबदेह है। उनकी नजर सिर्फ मुनाफे पर रहती है। सत्ता की गलियों में अपनी पहुंच के दम पर वे कानूनी बंदिशों में छूट हासिल करने में भी सफल होते रहे हैं। पेशागत नैतिकता और रोगियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है कि ऐसे लोगों के प्रभावक्षेत्र पर अंकुश लगाया जाए। भारत में कई तरह के विवादों की जड़ में मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता व इसको प्रभावित करने वाले विमर्श समाज की संरचना और समाज के अलग-अलग पायदान पर खड़े व्यक्ति की मेडिकल शिक्षा को लेकर उनकी राय और अपेक्षा के साथ जुड़े हैं। प्रभावशाली और सुविधा-संपन्न वर्ग इसे जीवन रक्षक सेवा करार देकर अपेक्षा करता है कि इसकी पेशेवर गुणवत्ता को प्रभावित करने वाली किसी भी चीज को इससे दूर रखा जाए यानी इसमें प्रवेश केवल और केवल मेरिट के आधार पर दिया जाए परंतु समाज के निचले पायदान पर खड़े लोग ऐसे डॉक्टर चाहते हैं जिनमें केवल पेशागत उच्च कुशलता मात्र न हो, बल्कि उनके भीतर अपने रोगियों के प्रति सहृदयता और जवाबदेही भी हो। वे उनकी बात में समझ सके यानी उसके साथ संवाद स्थापित कर सकें यानी उनका उन सामाजिक परिस्थितियों के साथ परिचय हो जो उन वीमारियों के कारक होते हैं क्योंकि समाज के निचले पायदान से आने वाले रोगी के पास कई वार भाषिक विपन्नता होती है, और वह अपनी बात स्पष्ट रूप से उस भाषा में नहीं बता पाता है जो डॉक्टर आसानी से समझा सकें।

इसके लिए जरूरी है कि मेडिकल शिक्षा में समाज के उन वर्गों की भी हिस्सेदारी हो ताकि डॉक्टर, मरीज की भाषा को समझ पाएं। आज यह जानकारी मेडिकल बिरादरी में आम है कि रोग के कारकों में जैव कारकों से कहीं ज्यादा भूमिका अजैविक कारकों की होती है। बहुत सारी बीमारियों की वजह जीवन शैली है, जिसमें खान-पान से लेकर रहन-सहन सभी शामिल हैं। इन कारकों को सिर्फ दावों के माध्यम से नहीं ठीक किया जा सकता। इसके लिए परिस्थितियों की समझ भी जरूरी है, जो इनको पैदा करती हैं, ताकि सुधार के लिए उनमें जरूरी अपेक्षित हस्तक्षेप किया जा सके।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर एजेंसी। निचले भावों पर बिकवाली अटकने से शनिवार को किराना बाजार में हरि इलायची बाजार तेजी के रहे। शक्कर व खोपरा गोला सुधार पर रहा। नारियल घटाकर बोला गया। खाद्य तेलों में बाजार मजबूती के रहे। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। दलहनों में व्यापार सामान्य ही रहा। चने में मजबूती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार हरि इलायची में निचले भावों पर बिकवाली अटकने से बाजार तेजी के रहे। शक्कर व खोपरा गोला मजबूती पर रहा। खाद्य तेलों में मजबूती बनी। तिलहनों में सरसो व सोयाबीन मजबूत देखा गया। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4260-4320, खोपरा गोला 320-390, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 235-240, ऊंझा हल्का 245-255, मीडियम 245-255, बेस्ट 265-285, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-775, गरबल 720-725, मटरदाना 795-810, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 3250-3300, विरूद्ध नगर 3150-3200, मीडियम 3350-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-980, काजू (320) 870-890, काजू एस. डब्ल्यू 840-845, काजू एस.एस. डब्ल्यू 820-825, टुकड़ी 790-870, बादाम मगज 845-870, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3350-3400, (160) 3800-3900, (200) 4800-4850, (250) 4900-5000

तेल- सींगदाना 1350-1370, मुम्बई 1380, राजकोट तेलिया 2170, सोया साल्वेंट 1190-1200, सोया रिफाइंड 1260-1270, कपास्या 1275, धूलिया 1280, कड़ी 1280,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1350, मुम्बई पाम 1290, मुम्बई सोया 1290,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6900-7000, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 4200-4300, नया सोयाबीन 3700-4000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5400-5500, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5850, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 380, उज्जैन 280, रतलाम 34.0 रू. प्रति किलो।

एनपीसीआई की नई यूपीआई सुविधा- सभी पेमेंट्स एक ही ऐप में होंगे मैनेज

नई दिल्ली एजेंसी। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) 31 दिसंबर 2025 से यूपीआई में नया फीचर लागू करने जा रही है। इसके तहत यूजर्स किसी भी यूपीआई ऐप जैसे गूगल पे, फोन पे या पेटीएम से अपने सभी पेमेंट्स और ऑटोपेमेंट्स एक जगह देख और मैनेज कर सकेंगे। पहले यूजर्स को अलग-अलग ऐप्स में जाकर पेमेंट्स चेक करना पड़ता था, लेकिन अब वे किसी एक ऐप से सभी पेमेंट्स कंट्रोल कर पाएंगे। साथ ही ऑटोपेमेंट्स को एक ऐप से दूसरे ऐप में आसानी से ट्रांसफर भी किया जा सकेगा। इस सुविधा के साथ यूपीआई में फेस रिकग्निशन और फिंगरप्रिंट जैसे बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के विकल्प जोड़े जाएंगे, जिससे डिजिटल भुगतान और अधिक सुरक्षित होगा। एनपीसीआई ने स्पष्ट किया है कि यूजर्स पर कोई दबाव या कैशबैक ऑफर नहीं होगा। यह कदम डिजिटल पेमेंट को सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपकी जिम्मेदारियां पूरी होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आज आपके दिल को सुकून मिलेगा। आप अपनी मेहनत के दम पर कोई अच्छा मुकाम हासिल करेंगे। संतान भी नौकरी से संबंधित किसी काम को लेकर कहीं बाहर जा सकती है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। जो जातक रोजगार को लेकर परेशान चल रहे हैं, उन्हें भी इस समस्या से छुटकारा मिलेगा।

वृषभ- आज का दिन प्रेम जीवन जी रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। सरकारी नौकरी में कार्यरत लोगों को ट्रांसफर मिलने से उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा भी दूर होगी और आप अपनी संतान को किसी नए कोर्स में दाखिला दिला सकते हैं। आपको अपने शारीरिक समस्याओं को लेकर किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श लेने होंगे, नहीं तो आने वाले समय में वह बढ़ सकती हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए करियर में अच्छा उछाल लेकर आएगा। आपकी आय के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देगा और पारिवारिक मामलों को आप मिल बैठकर निपटाने की कोशिश करें। आपको किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा। वरिष्ठ सदस्यों के आशीर्वाद से आपको किसी नए पद की प्राप्ति हो सकती है। राजनीति में कार्यरत लोगों को उनके कामों से एक नई पहचान मिलेगी।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है, लेकिन फिर भी आप लोगों से काम से काम मतलब रखें और कोई निर्णय जल्दबाजी में ना लें। आप अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखें। आपकी कोई सेहत संबंधित समस्या उभर सकती हैं। आज आपको अपने कीमती सामानों की सुरक्षा आवश्यक करनी होगी, क्योंकि उनके खोने और चोरी होने का भय रहा है। आपके बॉस से आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे, जिससे आपको मनपसंद काम मिलेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा। आपको किसी पुराने वाद-विवाद को दोबारा उठाने से बचना होगा। आज आपके मन में किसी काम को लेकर उत्साह रहेगा। आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने को मिलेगा, जिससे आपकी छवि और निखरेगी और आपका रुका हुआ धन आपको मिलने की संभावना है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए शांतिपूर्ण रहने वाला है। आज आप अपने बॉस की उम्मीद पर खरे उतरेंगे। काम के प्रति आपको जिम्मेदार बनना होगा। माताजी से आपकी किसी बात को लेकर बातचीत हो सकती है। आज आपके करियर में भी उछाल आएगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती हैं। आप बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध न करें। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए दांपत्य जीवन में खुशहाली लेकर आएगा। आपके जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा, उन्हें किसी नई नौकरी भी प्राप्ति हो सकती है। छोटे बच्चे भी खेलकूद में काफी व्यस्त रहेंगे। आप परिवार में किसी सदस्य के करियर को लेकर कोई सलाह दे सकते हैं। आपको अपने जूनियर्स का पूरा साथ मिलेगा। इनकम बढ़ने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी।

वृश्चिक- आज आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो अवश्य करें। आप दोस्तों के साथ किसी पार्टी आदि को करने की योजना बना सकते हैं। बिजनेस में आप अपने कामों में बदलाव लाएंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। कर्मचारियों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई से संबंधित किसी काम को लेकर यदि परेशान थे, तो उसके लिए वह अपने अध्यापकों से बातचीत कर सकते हैं।

धनु- आज आपको कार्यक्षेत्र में लोगों का पूरा साथ मिलेगा और पारिवारिक जीवन में चल रही समस्याएं काफी हद तक दूर होंगी। भाई-बहन आपके कामों में पूरा साथ देंगे। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी हो सकती हैं। आप किसी चल व अचल संपत्ति का सौदा बहुत ही देखभाल कर करें, नहीं तो आपके साथ कोई धोखा हो सकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। जीवनसाथी से रिश्तों में भी कुछ कटुता आ गई थी, तो वह भी दूर होगी। आज आपको आपकी पुराने समस्याओं का भी समाधान मिल जाएगा। वरिष्ठ सदस्यों के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे, जिससे आपके अनुभवों में भी वृद्धि होगी। छोटे बच्चों के लिए आप कोई सरप्राइज गिफ्ट लेकर आ सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। विद्यार्थियों को किसी विषय को पढ़ने में यदि समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपकी कुछ नई कोशिशें रंग लाएंगी। आप अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति पर अच्छा खासा खर्चा करेंगे। आप किसी मित्र से लंबे समय बाद मिल सकते हैं, जिससे आपको खुशी मिलेगी। व्यवसाय में आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप धार्मिक यात्रा के लिए जा सकते हैं और आपको अपने कामों को आत्मविश्वास से मजबूत करने की आवश्यकता है, तभी वह आसानी से पूरे होंगे। कोई रुका हुआ काम आपको समस्या दे सकता है। आपकी किसी नए काम को करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

शब्दजाल - 8047

शब्दजाल में विवेक ओबराय की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाए से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

नक्सा, रोड़, साथिया, कंपनी, युवा, ओमकारा, मस्ती, प्यारे मोहन, होम डिलीवरी, काल,

सा	म	म	यु	व	प	ना	न	ह	क	रा
हा	थि	सू	ह	क	ल	जी	स	ल	का	ज
रो	वी	या	द	अं	ल	त	र	म	ल	टी.
इ	र	दा	ज	ल	क	न	ओ	र	सु	म
र	न	क	ष	ल	म	मी	छ	हो	नो	स्ती
प	मी	क्षा	स	जि	ख्वा	क	प	म	स	क
के	ह	बु	की	दी	म	मी	टे	डि	रू	प
न	पू	सु	पा	क	पं.	सौ	ल	ली	र	स
कं	प	नी	सू	ह	प	ने	ने	व	जी	त
म	व	म	ब	फा	दी	र	ह	री	क	थ
म	ह	न	प्या	रे	मो	ह	न	ज	ल	वा

शब्दजाल - 8046 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6991

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6990

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

12 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.23 बजे से
चंद्र	वृष में	वृश्चिक	08.37 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.53 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.58 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.45 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	16.18 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.48 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.28 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.26 बजे से
राहुकाल		कर्क	23.40 बजे से
4.30 से 6.00		सिंह	01.56 बजे से
बजे तक		कन्या	04.08 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 285 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि षष्ठी 14.18 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 13.37 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 10.55 बजे को समाप्त।
करण वणिज 14.18 बजे तदनन्तर विष्टि 01.17 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 20.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 07° 25'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872495
जूलियन दिन 2460960.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1447
महीना रबी उस्सानी
तारीख 19

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: संतोष का धन

आसफउद्दौला एक नेक बादशाह था। जो भी उसके सामने हाथ फैलाता, वह उसकी झोली भर देता। एक दिन उसने एक फकीर को गाते सुना- जिसको न दे मौला उसे दे आसफउद्दौला। बादशाह खुश हुआ। उसने फकीर को एक बड़ा तरबूज दिया। फकीर ने तरबूज ले लिया, मगर वह दुखी था। उसने सोचा कि बादशाह को कुछ बहुमूल्य चीज देनी चाहिए थी। कुछ ही देर बाद एक और फकीर बादशाह के पास से गाता हुआ गुजरा- आसफउद्दौला है कौन भला, देने वाला तो सिर्फमौला। ये बोल बादशाह को अच्छे नहीं लगे। उसने फकीर को बेमन से दो आने दिए। फकीर दो आने लेकर खुशी से झूमता हुआ वहां से चल दिया। रास्ते में दोनों फकीरों की मुलाकात हुई। पहले फकीर ने दूसरे से पूछा कि उसे बादशाह ने क्या दिया। यह जानकर कि उसे दो आने मिले हैं, वह बोला- तुम्हें तो फिर भी अधिक मिले, मुझे तो सिर्फ तरबूज मिला। फिर पहले फकीर ने दूसरे से दो आने लेकर वह तरबूज उसे बेच दिया। दूसरा फकीर खुशी-खुशी तरबूज लेकर घर लौटा। उसने तरबूज काटा तो उसकी आंखें फटी रह गईं। उसमें अशर्फियां भरी हुई थीं। कुछ दिन बाद पहला फकीर फिर आसफउद्दौला के पास खैरात मांगने पहुंचा। आसफउद्दौला ने उसे पहचानकर पूछा- उस दिन जो तरबूज दिया था, वह कैसा निकला? फकीर ने बताया कि उसे तो उसने दो आने में बेच दिया। तब बादशाह ने कहा- तरबूज में अशर्फियां थीं, पर तुमने उसे बेच दिया। तुम्हारे पास संतोष का धन नहीं है, इसलिए दूसरा कोई धन तुम्हारी चाह पूरी नहीं कर सकता।

सूडोकु नवताल- 7300

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7299 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्द पहेली - 8515

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य, नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ, जिव्हा-3
11. पाश, फंदा,-2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं.-2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष, रूम-3
20. भरोसा, विश्वास-4
22. सचेत, होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी, धब्बेवाला-4
2. गीलापन, तर होना-2
3. दुनिया, जगत-3
4. अदा, हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना, गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक, विनाशकारी-3
17. खारा, क्षारीय-4
18. वन, जंगल-3
21. लाश, मुर्दा, मृतक-4

शब्द पहेली -8514 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह मजबूती रही

मुंबई एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह तेजी देखी गई है, जो पिछले तीन महीनों में सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त मानी जा रही है। चार प्रमुख सूचकांकों में लगभग 2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इस सप्ताह कैपिटल मार्केट और आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा तेजी रही, जहां दोनों सेक्टर्स ने लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि की। शेयर बाजार ने सोमवार को जोरदार शुरुआत की। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 81,300 के स्तर पर खुला और दिन के अंत में 582.95 अंक बढ़कर 81,790.12 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 25,000 के पार खुला और 183.40 अंक की बढ़त के साथ 25,077.65 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी सेंसेक्स और निफ्टी ने क्रमश: 136.63 और 30.65 अंक की तेजी दर्ज की। बुधवार को आईटी शेयरों में बढ़त और विदेशी निवेशकों की खरीदारी के कारण बाजार में शुरुआती तेजी देखने को मिली।

हालांकि, दिन के अंत में सेंसेक्स 153.09 अंक गिरकर 81,773.66 और निफ्टी 62.15 अंक घटकर 25,046.15 पर बंद हुए। गुरुवार को बाजार ने फिर जोरदार उछाल लिया; सेंसेक्स ने 398.44 अंक की बढ़त के साथ 82,172.10 और निफ्टी ने 135.65 अंक की तेजी के साथ 25,181.80 अंक पर कारोबार खत्म किया। शुक्रवार को भी बाजार में तेजी बनी रही। सेंसेक्स 328.72 अंक उछलकर 82,500.82 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 103.55 अंक की बढ़त के साथ 25,285.35 अंक दर्ज किए। हालांकि, इस्राइल-हमास शांति वार्ता और अमेरिकी राष्ट्रपति की गाजा शांति योजना के कारण निवेशक सतर्क नजर आए।

दिवाली पर ऑनलाइन धोखाधड़ी का बढ़ता खतरा

नई दिल्ली एजेंसी। जैसे-जैसे भारत में दीवाली नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे ऑनलाइन खरीदारी भी बढ़ रही है। लेकिन इस दौरान साइबर अपराधी भी सक्रिय हो जाते हैं और उपभोक्ताओं को ठगने की कोशिश करते हैं। एक साइबर सुरक्षा फर्म के शोध के अनुसार, हर तीन में से एक भारतीय ग्राहक छुट्टियों से जुड़ी ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो चुका है। इनमें से 37 प्रतिशत लोगों ने आर्थिक नुकसान होने की बात कही है। साइबर अपराधी डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल करके हस्तियों के नकली विज्ञापन बनाते हैं। इसके अलावा, फर्जी ईमेल, मैसेज और वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) का उपयोग कर धोखाधड़ी की जाती है। फर्जी गिफ्ट कार्ड, सीमित समय की छूट, और नकली रिफंड ऑफर उपभोक्ताओं को भ्रमित करते हैं। रोजाना औसतन एक भारतीय को 12 बार धोखाधड़ी के प्रयास का सामना करना पड़ता है। त्योहारी सीजन में 64 प्रतिशत लोग बेहतर छूट के कारण ऑनलाइन खरीदारी को प्राथमिकता देते हैं। 77 प्रतिशत ग्राहक मोबाइल के जरिए खरीदारी करते हैं। 25 से 44 वर्ष की आयु वाले युवा सबसे ज्यादा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं, जिससे डिजिटल खरीदारी में तेजी आई है। 91 प्रतिशत धोखाधड़ी का शिकार हुए लोग मानसिक तनाव और शर्मिंदगी महसूस करते हैं। 28 प्रतिशत लोग अपने अनुभव साझा करने से कतराते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि उपभोक्ताओं को जागरूक होकर सावधानी बरतनी होगी और सुरक्षा उपाय अपनाने होंगे, ताकि वे साइबर अपराध से बच सकें।

इधर ट्रंप ने ऐलान किया उधर क्रिप्टो मार्केट में मचा हाहाकार, कई कंपनियों के शेयर गिरे

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, '1 नवंबर 2025 से (या उससे पहले अगर चीन कोई और कदम उठाता है) अमेरिका चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा, जो मौजूदा करों से ऊपर होगा। उसी दिन से सभी क्रिटिकल सॉफ्टवेयर पर एक्सपोर्ट कंट्रोल भी लगाए जाएंगे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम इसलिए जरूरी है क्योंकि चीन 'लगभग हर उत्पाद' पर बड़े पैमाने पर एक्सपोर्ट कंट्रोल लागू करने की योजना बना रहा है। उन्होंने इसे 'अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए एक खतरनाक मिसाल' बताया। अभी अमेरिका चीन के उत्पादों पर 30 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। ट्रंप की नई घोषणा के बाद यह दर कुल मिलाकर 130 प्रतिशत हो जाएगी। ट्रंप के इस बयान के बाद क्रिप्टोकरेंसी और अमेरिकी शेयर बाजार में हाहाकार मच गया। बिटकॉइन और इथीरियम समेत अमेरिका में टेस्ला और अमेजन जैसी कंपनियों के शेयर गिर गए। ट्रंप ने यह फैसला तब लिया है जब चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स पर नए एक्सपोर्ट नियंत्रण लगाने का ऐलान किया। ये खनिज मोबाइल, कंप्यूटर चिप्स, बैटरी और सोलर पैनल जैसे टेक प्रोडक्ट्स बनाने में जरूरी होते हैं। ट्रंप के ऐलान के तुरंत बाद बिटकॉइन और इथेरियम जैसी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी के दाम गिर गए। बिटकॉइन 10 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर डॉलर 1,10,000 के नीचे चला गया, बाद में हल्का सुधार होकर डॉलर 1,13,096 पर पहुंचा। इथेरियम 11.2 प्रतिशत टूटकर डॉलर 3,878 पर आ गया। बीएनबी, सोलाना और एक्सआरपी जैसी क्रिप्टोकरेंसी में भी 14 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों का कहना है कि ट्रेड वार के डर से निवेशकों ने जोखिम भरे निवेश, जैसे क्रिप्टो और टेक स्टॉक्स, से पैसा निकालना शुरू कर दिया है। ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच पहले इस महीने दक्षिण कोरिया में मुलाकात तय थी, लेकिन ट्रंप ने कहा कि अब इसकी कोई जरूरत नहीं है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बोलेगांव में किया भव्य पथ संचलन

मातृशक्ति ने पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

पद्मेश न्यूज। लांजी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा संघ स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने पर पुरे देश भर विजयदशमी उत्सव एवं पथ संचलन के आयोजन किए जा रहे हैं, इसी कड़ी में भानेगांव उपखण्ड के बोलेगांव मंडल में 11 अक्टूबर को अपराह्न 3 बजे से दुर्गा चौक में विजय दशमी उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम दुर्गा चौक में सभी स्वयं सेवको के एकत्रीकरण पश्चात आचार पद्धति अनुसार सर्वप्रथम शाखा लगाई गई, यहां सर्वप्रथम संघ के संस्थापक डॉ केशोराव बलिराम हेडगेवार आद्य सरसंघ चालक को प्रणाम किया तत्पश्चात ध्वजारोहण व अमृत वचन पश्चात सामूहिक गीत, अवतरण एवं एकल गीत हुआ। उक्त कार्यक्रम में खण्ड संघ चालक विजय रामटेककर, मुख्य अतिथि के रूप में मेहतरलाल बुढ़ावने एवं मुख्य वक्ता के रूप में खण्ड कारवाह योगेन्द्र दहीकर उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता योगेन्द्र दहीकर ने अपने बौद्धिक में संघ स्थापना से लेकर आज पर्यन्त तक की सम्पूर्ण यात्रा का उल्लेख किया। साथ ही पंच परिवर्तन को लेकर समाज आधारित कार्य करने का आव्सहान किया, जिसमे पंच परिवर्तन के बिंदु, सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, स्व का बोध एवं नागरिक कर्तव्य का उल्लेख रहा। बौद्धिक के पश्चात बोलेगांव में कार्यक्रम स्थल से भव्य पथसंचलन प्रारंभ किया गया जो कि ग्राम के सभी मार्गों में भ्रमण कर पुन: कार्यक्रम स्थल पर पहुंच कर सम्पन्न हुआ। इस दौरान 155 स्वयं सेवक पथसंचलन में उपस्थित थे। इस संपूर्ण पथ संचलन मार्ग पर जगह जगह मातृ शक्तियों एवं सामाजिक संगठन के महिला पुरूषो के द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

नेत्र चिकित्सक ने बहेला पहुंचकर छात्र-छात्राओं को किया चश्मा वितरण

पद्मेश न्यूज। लांजी।

राष्ट्रीय अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के तहत क्षेत्र के स्कूली छात्र छात्राओं का नेत्र परीक्षण उपरांत दृष्टि दोष युक्त छात्र छात्राओं का चयन कर निःशुल्क चश्मा वितरण किया जा रहा है। जिसके तहत 11 अक्टूबर को सिविल अस्पताल लांजी में पदस्थ नेत्र चिकित्सक डॉ सारिका बोरले के द्वारा मुख्य चिकितसा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप, बीएमओ डॉ अक्षय उपराडे के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में क्षेत्र के ग्राम बहेला स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पंहुचकर

18 छात्र छात्राओं को निःशुल्क चश्मा वितरण उक्त योजना के माध्यम से किया गया है। तथा इसी क्रम में शासकीय विद्यालय घंसा के दो छात्रो को भी चश्मा प्रदान किया गया। चश्मा वितरण कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य गणेश फरदे, तथा शिक्षक शिक्षिकाऐं उपस्थित रहे। नेत्र जांच एवं चश्मा वितरण के पश्चात नेत्र सलाहकार डॉ सारिका बोरले के द्वारा बच्चो को आंखों से संबधित विभिन्न जानकारिया प्रदान की गई जिनमें किस तरह आंखों को सुरक्षित रखा जा सकता है। प्राचार्य द्वारा छात्रों को अवगत कराया गया कि आंखें अमूल्य है, हमेशा आंखों की नियमित जांच कराते रहें। इस चश्मा वितरण कार्यक्रम में संस्था के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं, अतिथि शिक्षकों , व्यावसायिक प्रशिक्षिकों की उपस्थिति रही। अंत में प्राचार्य फरदे द्वारा बीएमओ डॉ अक्षय उपराड़े, नेत्र चिकित्सक डॉ बोरले एवं समस्त शिक्षकों का आभार व्यक्त किया गया।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा की बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर के मां गायत्री शक्तिपीठ लांजी के सभागार में शुक्रवार को प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी की बैठक सेवकराम ठाकरे अध्यक्ष तह. शाखा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया गया।इस दौरान नये सदस्य मुन्नालाल कुतरीये रिसेवाड़ा एवं हुलासराम कोठारे निमटोला का श्रीफल देकर एवं टीका लगाकर स्वागत किया गया।

लांजी सेक्टर का किया पुनर्गठन

इस दौरान लांजी सेक्टर के कोषाध्यक्ष के अस्वस्थ होने के कारण लांजी सेक्टर का पुनर्गठन किया गया, जिसमें उमंग प्रसाद कबीरे को कोषाध्यक्ष, बी आर ढोक एवं बी आर बल्ले को उपाध्यक्ष, टी एल कटरे को सहसचिव नियुक्त किया गया। लांजी नगर के लिए गिरिश कुमार रामटेककर एवं सुनील खरगाल को संरक्षक मंडल में शामिल किया गया है। बाकी सदस्य पूर्ववत बने रहेंगे।

पेंशनर्स एसोसिएशन के तहसील शाखा अध्यक्ष सेवकराम ठाकरे ने आगामी कार्यक्रम के बताया कि बहेला सेक्टर के ग्राम सांवरी खुर्द के पंचायत भवन में 25 अक्टूबर 2025 को दिपावली मिलन का कार्यक्रम रखा गया जिसमें सभी पेंशनरों से उपस्थिति की अपील की गई। बैठक के अंत में श्रीमती लक्ष्मी बाई फरकुण्डे के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के अध्यक्ष सेवकराम ठाकरे, सचिव आई एस चौहान, सह सचिव एन आर दहीकर, कोषाध्यक्ष एन एल बसेना, उपाध्यक्ष जी डी बेदरे, वाय आर सोनवाने, उमंग प्रसाद कबीरे, बी आर ढोक, परमेश्वर कुथे, लखनलाल मुछावड़, टी एल कटरे, एस आर धारणे, बलवंत बल्ले, ज्ञानीराम भंडारकर, टी सी बिहोने, डी आर सोनवाने, सीएल मस्करे सहित अनेक पेंशनर्स साथी उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में सप्तशक्ति संगम पत्रक वाचन कार्यक्रम का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी।

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लांजी में 10 अक्टूबर 2025 को विद्या भारती द्वारा निर्धारित अखिल भारतीय योजना के अंतर्गत सप्तशक्ति संगम पत्रक वाचन कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और उमंग के साथ किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से महिलाओं के लिए, महिलाओं द्वारा और महिलाओं के सशक्तिकरण को समर्पित था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती मनीषा दुग्गड, दुर्गावाहिनी महिला समिति की अध्यक्ष, मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती भुनेश्वरी टेंभरे, जिला सहसंयोजक, तथा श्रीमती मंगला कटरे, बालिका शिक्षा प्रमुख, उपस्थित थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती और मां भारती के छाया चित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात सामूहिक सरस्वती वंदना का गायन किया गया, जिसने समारोह में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक माहौल का सृजन किया। मुख्य वक्ता श्रीमती मनीषा दुग्गड ने उपस्थित बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्या भारती द्वारा शुरू किया गया यह सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम महिलाओं के सशक्तिकरण, सामाजिक जागरूकता और एकता को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा, 卐यह कार्यक्रम महिलाओं का, महिलाओं के द्वारा और महिलाओं के लिए है, जिसका उद्देश्य नारी शक्ति को संगठित कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है।卐 उन्होंने पत्रक वाचन के माध्यम से उपस्थित सभी लोगों को इस कार्यक्रम के उद्देश्यों और महत्व से अवगत कराया। साथ ही, सामूहिक गीत का अभ्यास भी कराया गया, जिसने सभी में उत्साह का संचार किया। कार्यक्रम में श्रीमती मंगला कटरे ने बालिका शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे शिक्षा के माध्यम से नारी शक्ति समाज के विकास में योगदान दे सकती है। श्रीमती भुनेश्वरी टेंभरे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए इस तरह के आयोजनों के महत्व पर जोर दिया और सभी को सामूहिक रूप से इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती भुनेश्वरी टेंभरे ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, छात्राओं और उपस्थित बहनों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए सभी के सहयोग की सराहना की और भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी ढंग से आयोजित करने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से चमरू सिंह को मिला सहारा

मछली पालन से चमरू के जीवन में आयी समृद्धि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना चमरू सिंह मरकाम के लिए बड़ा सहारा बन गई है। इस योजना ने चमरू के जीवन की दशा एवं दिशा दोनो बदल दी है। चमरू अब मछली पालन कर सालाना 07 से 08 लाख रुपए की आय अर्जित कर रहा है। मछली पालन के पहले वह धान की खेती करता था। उसने सपने में भी नही सोचा था कि मछली पालन से कम समय में ही वह लखपती बन जाएगा और अन्य लोगो को रोजगार देने में सक्षम होगा। बालाघाट जिले के आदिवासी बाहुल्य विकासखंड बिरसा के ग्राम अजगरा के निवासी चमरू सिंह मरकाम अपने खेत में परंपरागत रूप से धान की खेती करते थे। लेकिन लागत अधिक होने के कारण मुनाफा बहुत कम होता था और किसी तरह जीवन की गाड़ी चल रही थी। 03 वर्ष पहले सहायक मत्स्य अधिकारी मीना कोकोटे ने उसे मछली पालन की सलाह दी और उसका प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना में मछली पालन के लिए तालाब निर्माण का प्रकरण तैयार किया। इस योजना की राशि से चमरू के खेत में मछली पालन के लिए 04 छोटे-छोटे टैंक (तालाब) बनाए गए है। चमरू इन तालाबों में मछली पालन का कार्य कर रहा है। चमरू ने बताया कि पहले साल उसे मछली पालन से कुछ खास आमदनी नही हुई लेकिन उसने इस व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ने की ठान ली थी। दो साल बाद उसे मछली पालन से आमदनी होने लगी है। अब वह केवल मछली पालन से साल में 07 से 08 लाख रुपए की शुद्ध आय अर्जित कर रहा है।

चमरू केवल मत्स्य पालन तक ही सीमित नही है, उसने इस वर्ष अपने तालाबों में झींगा भी पाला है जो अब 100 ग्राम वजन के हो चुके है। झींगा बाजार में बहुत महंगे दाम पर बिकता है और चमरू को इससे अच?छी आय होने की उम्मीद है। चमरू ने उद्यान विभाग की सलाह पर अपने खेत में आम का बगीचा भी लगाया है। आम के सीजन में वह 02 लाख रुपए तक के आम बेच देता है। चमरू ने अपने ढाई एकड़ खेत में इस बार चिन्नौर धान भी लगाया है। चमरू अपने तालाब की मछलियॉ एवं झींगा सुगमता से बेच सके इसके लिए मत्स्य पालन विभाग द्वारा मोहगांव बाजार में उसके लिए फिश पार्लर भी स्वीकृत किया गया है।

चमरू बताता है कि मछली पालन के व्यवसाय से उसे बड़ा सहारा मिला है और वह इससे हुई आय के जरिये मिश्रित खेती की ओर बढ़ा है। उसके इस व्यवसाय से वह अन्य लोगो को रोजगार भी दे रहा है। आय बढ़ने से उसका जीवन स्तर भी बेहतर हो रहा है और वह अपना नया मकान तैयार कर रहा है। चमरू ने बताया कि यदि वह मत्स्य पालन को नही अपनाता तो उसकी दशा एवं दिशा नही सुधर पाती।

कफ सिरप की जांच के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता और एएनएम द्वारा घर-घर जाकर किया जा रहा सर्वे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

छिंदवाड़ा एवं बैतूल जिले में कफ सिरप के उपयोग से बच्चों की मौत होने पर बालाघाट जिले में सतर्कता और सावधानी बरती जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेडिकल स्टोर्स एवं दवा विक्रेता प्रतिष्ठानों की जांच कर श्रीसन कंपनी के कफ सिरप एवं दवाओं को सीज कर दिया गया है । इसके पश्चात महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से घर-घर जाकर छोटे बच्चों वाले परिवारों का सर्वे अभियान प्रारंभ किया गया है और इस अभियान में बच्चों के परिजनों से कफ सिरप के उपयोग की जानकारी एकत्र की जा रही है। संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास जबलपुर द्वारा दिए गए निर्देशों के प्रतिपालन में बालाघाट जिले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं एएनएम द्वारा घर-घर जाकर कफ सिरप के उपयोग की जानकारी एकत्र की जा रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया ने जिले के सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया है कि इस सर्वे अभियान में घर घर जाकर 0 से 05 वर्ष तक के बच्चे वाले घरों में जाकर बच्चों को कोल्ड्रिफ कफ सिरप पिलाया गया है या नहीं इसकी जानकारी करें और कफ सिरप लेने वाले बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी लें। सर्वे के दौरान बच्चों को दिए गए कफ सिरप की बाटल भी देखने कहा गया है। सर्वे कार्य पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ करने के निर्देश दिए गए हैं।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

न्याय पाना हर नागरिक का मौलिक अधिकार – मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि न्याय पाना देश के हर नागरिक का मौलिक, बुनियादी, मानवीय, नागरिक और संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि भारत की संघीय शासन व्यवस्था का आधार ही सबके जीवन, भोजन और स्वास्थ्य के अधिकारों की समान रूप से न्यायपूर्ण रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि लोक कल्याणकारी राज्य का पहला दायित्व है कि देश का कोई भी व्यक्ति न्याय पाने से वंचित न रहे। न्याय और सुशासन न केवल राष्ट्र और समाज को मजबूत करते हैं, बल्कि शासन व्यवस्था को जवाबदेह भी बनाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का नया दौर न्याय का पथ गौरवान्वित करने वाला है। उच्चतम न्यायालय द्वारा बीते कुछ सालों में दिए गए कई निर्णयों ने देश को नई दिशा दी है। इससे न्याय व्यवस्था पर हमारी आस्था को और बल मिला है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि युग बदले, दौर बदले, परंतु न्याय की आत्मा हमेशा वही रहेगी। समानता, पारदर्शिता, विनम्रता और सबको समय पर न्याय दिलाना ही न्यायपालिका की मूल आत्मा रही है और आगे भी रहेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा है हमारे देश में न्याय की प्राचीन परंपरा रही है। न्याय देने की स्थापित व्यवस्था को और बेहतर बनाना हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि अब तो न्याय की देवी की आंखों की पट्टी भी खोल दी गई है। इसका आशय यह है कि अब न्याय की देवी खुली आंखों से न्याय कर सकेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में आयोजित इवोल्विंग होराइजन्स: नेविगेटिंग कॉम्प्लेक्सिटी एंड इनोवेशन इन कमर्शियल एंड आर्बिट्रेशन लॉ इन द डिजिटल वर्ल्ड विषय पर आयोजित विधि विशेषज्ञों की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस) के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उच्चतम न्यायलय के न्यायमूर्तिगणों के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर इस संगोष्ठी का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए इंदौर पधारे उच्चतम न्यायालय के सभी सम्मानीय न्यायमूर्तियों और देश-विदेश से आए विधि विशेषज्ञों, न्यायविदों तथा विद्यार्थियों का आभार जताते हुए कहा कि देश के सबसे स्वच्छतम शहर में न्याय प्रणाली के मंथन पर ऐसी विद्वत सभाओं का आयोजन हमें नई उम्मीद देता है, साथ ही और बेहतर करने की प्रेरणा भी देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार न्याय प्रणाली को और अधिक सुलभ, सरल और प्रभावी बनाने के लिए निरंतर कदम उठा रही है। राज्य में प्रादेशिक और जिला स्तर के न्यायालयों की सुदृढ़ स्थापना के साथ-साथ मध्यप्रदेश में ग्राम न्यायालयों की व्यवस्था भी की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय न्याय परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि न्याय हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। हम सम्राट वीर विक्रमादित्य को कैसे भूल सकते हैं, जिन्होंने अपने बाल्यकाल से ही तत्समय भारत देश में न्याय और सुशासन की व्यवस्था का सूत्रपात किया था। हम उन्हीं के बताए मार्ग पर चल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश में कानून के क्षेत्र में अनेक नवाचार हो रहे हैं, जिससे नागरिकों को अधिक अधिकार मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारों के साथ-साथ दायित्वों का पालन भी आवश्यक है उन्होंने कहा कि न्याय प्रणाली जितनी सहज और सरल होगी, नागरिक को उतनी ही जल्दी न्याय मिलेगा। हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक नागरिक को सुगमता से न्याय मिले और उसकी आस्था न्यायिक व्यवस्था पर सदैव बनी रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विशेष ज़ोर देकर कहा कि आज के तेज़ी से विकसित होते तकनीकी युग में, न्यायपालिका को निरंतर मूल्यांकन और अनुकूलन उपायों पर काम करना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि न्याय प्रदान करना नवाचार में बाधा डाले बिना निष्पक्ष और पारदर्शी बना रहे। इससे भारत की अर्थव्यवस्था का विकास हो सके और साथ ही व्यापार करने में आसानी भी सुनिश्चित हो।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधिपति न्यायमूर्ति जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी ने कहा कि न्यायपालिका का लक्ष्य कानून का पुनर्निर्माण करना नहीं है, बल्कि निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के विचार को सीमित किए बिना निष्पक्षता की सीमाओं का विस्तार करना है। उन्होंने आगे कहा कि आधुनिक अर्थव्यवस्था में, डेटा पर नियंत्रण केवल फर्मों या कंपनियों के स्वामित्व से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है, और इसलिए, आर्थिक विकास को बाधित किए बिना पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधिपति न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कानूनी पेशा तकनीकी प्रगति का अपवाद नहीं रह सकता। प्रौद्योगिकी-संचालित और स्वचालित अनुबंधों के उदय के साथ, न्यायपालिका को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तकनीकी विकास के कारण न्याय से समझौता न हो और इन प्रगति के साथ विकसित होना चाहिए।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधिपति न्यायमूर्ति राजेश बिंदल ने कहा कि जैसे-जैसे व्यापार का विस्तार होता है, विवाद स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं और इसका समाधान न्यायपालिका में ही निहित है। चूँकि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है, इसलिए हमारी मानसिकता में बदलाव लाने और सभी हितधारकों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उपयोगी तो है, लेकिन यह पेटेंट और पंजीकरण जैसे क्षेत्रों में नई चुनौतियाँ भी प्रस्तुत करता है।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधिपति न्यायमूर्ति अरविंद कुमार ने कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था का केवल एक भागीदार ही नहीं, बल्कि एक निर्माता भी है। न्याय से समझौता किए बिना, व्यापार में सुगमता और नवाचार को साथ-साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने न्यायनिर्णयन से सहयोग और मध्यस्थता से नवाचार की ओर बदलाव पर ज़ोर दिया और कानूनी बिरादरी के लिए तदनुसार अनुकूलन की आवश्यकता पर बल दिया।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा ने विकसित होते क्षितिज: डिजिटल दुनिया में वाणिज्यिक और मध्यस्थता कानून में जटिलता और नवाचार को नेविगेट करना विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधिपति न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण और अन्य न्यायाधीशगणों और विदेशी प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने पारदर्शिता, दक्षता और कानून के शासन को बनाए रखते हुए तकनीकी परिवर्तन के अनुकूल होने में न्यायपालिका की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मध्यप्रदेश कानूनी और तकनीकी नवाचार का केंद्र बनने के लिए अच्छी स्थिति में है, जो वाणिज्य एवं व्यापार करने में आसानी के राष्ट्रीय लक्ष्य के बेहद अनुरूप है।

भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अपने संबोधन में कहा कि कानूनों को तकनीकी प्रगति के अधीन हुए बिना उनके साथ विकसित होना चाहिए। मध्यस्थ दायित्व और एआई-सहायता प्राप्त याचिकाओं के प्रारूपण जैसे उभरते मुद्दों पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने इस संगोष्ठी की सराहना ऐसी उभरती चुनौतियों पर विचार-विमर्श के लिए एक महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय पहल के रूप में की।

डेनिश पेटेंट एवं ट्रेडमार्क कार्यालय की उप महानिदेशक सुश्री मारिया स्कोउ ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि भारत और डेनमार्क के बीच वाणिज्यिक और मध्यस्थता संबंधी मामलों में परस्पर सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं बड़ी तेज़ी से आपस में जुड़ती जा रही हैं।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की तीन नई तकनीकी पहलों का भी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा उद्घाटन किया गया। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, इंदौर पीठ के प्रशासनिक न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक रूसिया द्वारा सभी अतिथियों का परिचय कराया गया। संगोष्ठी में ऑनलाइन इंटर्नशिप फॉर्म जमा करने का सॉफ्टवेयर, केस डायरी की ऑनलाइन संचार प्रणाली, और समझौता योग्य अपराधों के लिए समाधान आपके द्वार के बारे में बताया गया। संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र के समापन पर मध्यप्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी, जबलपुर के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया गया।

इंदौर में दो दिवसीय यह अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी देश के प्रतिष्ठित न्यायाधीशों, कानूनी विद्वानों और वैश्विक विशेषज्ञों को डिजिटल परिवर्तन से उभरने वाली कानूनी चुनौतियों पर विचार-विमर्श के लिए आयोजित की गई है। संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में प्रौद्योगिकी के युग में वाणिज्यिक कानून, इंटरनेट मध्यस्थ दायित्व, ऑनलाइन प्रतिस्पर्धा, भारत-यूरोपीय संघ मध्यस्थता परिप्रेक्ष्य, ऑनलाइन अवैधताओं का आपराधिक प्रवर्तन और बौद्धिक सम्पदा एवं नवाचार के बीच संबंध सहित महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। यह संगोष्ठी न्यायिक क्षमता को मजबूत करने और डिजिटल युग में कानूनी उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए उच्च न्यायालय की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। यह आयोजन तेजी से विकसित हो रहे वाणिज्यिक परिदृश्य की आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी भविष्य के लिए तैयार न्याय प्रणाली के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संगोष्ठी में देश-विदेश से आए विधि विशेषज्ञों, न्यायविदों, न्यायिक अधिकारियों और विधि छात्रों ने सहभागिता की। संगोष्ठी में न्यायिक नवाचार, विधिक सुधार और डिजिटल न्याय प्रणाली सहित कमर्शियल लॉ एंड आर्बिट्रेशन पर भी विचार-विमर्श किया गया। शनिवार, 11 अक्टूबर और रविवार, 12 अक्टूबर को आयोजित इस दो दिवसीय संगोष्ठी में कुल छह तकनीकी सत्र होंगे।

एक करोड़ 26 लाख लाड़ली बहनों को मिलेगी आज 29वीं किस्त

भोपाल। एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 12 अक्टूबर को श्योपुर जिले में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश की लगभग 1 करोड़ 26 लाख 86 हजार लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 29वीं किस्त 1541 करोड की राशि का अंतरण करेंगे। मेला ग्रांउड पर आयोजित कार्यक्रम से श्योपुर जिले के 98.87 करोड़ के विकास कार्यो का लोकार्पण करेंगे तथा 460.40 करोड़ के निर्माण तथा विकास कार्यो का शिलान्यास करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव इस अवसर पर शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित करेंगे। महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यो के तहत एनआरएलएम अंतर्गत संचालित स्व-सहायता समूह की महिलाओं को 30 करोड़ 12 लाख रूपये की सीसीएल राशि का चैक सौपेंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री दुधारू गाय प्रतियोगिता पुरस्कार योजना, आचार्य विद्यासागर गौ-संवर्धन योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना, मुख्यमंत्री जन-कल्याण संबल योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत निःशुल्क उपचार योजना, मुख्यमंत्री कल्याण विवाह सहायता योजना, दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना सहित अन्य योजनाओं में हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण करेंगे।

तीन नए ग्रीनफील्ड समेत 6 कॉरिडोर बदलेंगे मप्र की तकदीर

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश की तकदीर बदलने वाली है और ये तकदीर बदलेंगे तीन नए ग्रीनफील्ड समेत 6 नए एक्सप्रेस-वे (आर्थिक कॉरिडोर)। एमपी की मोहन सरकार ने इसको लेकर रोडमैप भी तैयार कर लिया है। इन एक्सप्रेस-वे का निर्माण अगले चार सालों में होना है। इनकी कुल लंबाई 3,368 किलोमीटर होगी। इनको बनाने में 36,483 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इनमें से सबसे छोटा एक्सप्रेस-वे अटल प्रगति पथ 299 किलोमीटर का होगा, लेकिन ये सबसे महंगा होगा। इसको बनाने में 12,227 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इन सभी कॉरिडोर को 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य सरकार की तरफ से रखा गया है। वहीं सबसे लंबा कॉरिडोर होगा नर्मदा विकास पथ होगा, जिसकी कुल लंबाई 867 किलोमीटर होगी। इसके अलावा विंध्य एक्सप्रेस-वे 676 किलोमीटर का, बुंदेलखंड प्रगति पथ 530 किलोमीटर का, मध्य विकास पथ 746 किलोमीटर का और मालवा-निमाड़ विकास पथ 450 किलोमीटर का होगा। इन कॉरिडोर के बनने से एमपी के 55 जिलों को सीधा फायदा होगा। औद्योगिक निवेश, कृषि, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। खास बात यह है कि इन छह एक्सप्रेस-वे में से दो तो राजधानी भोपाल से होकर गुजरेंगे, जिससे राज्य के केंद्र में विकास की नई धारा बहेगी।

प्रदेश में सिंहस्थ से पहले सडक़ों का मजबूत नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। इसके तहत तीन नए ग्रीडफील्ड बनाने का प्लान तैयार हो चुका है। इनके लिए डीपीआर तैयार करने के टेंडर जारी कर दिए गए हैं। इसके अलावा भोपाल-विदिशा, धामनौद-बड़वाह मार्ग समेत कई सडक़ों को सिंहस्थ से पहले फोर लेन किया जा रहा है। इसके अलावा छह नए आर्थिक कारीडोर पर भी काम शुरू किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक भोपाल से मंदसौर और सागर से सतना और आशापुर से गाडरवारा होते हुए जबलपुर के लिए ग्रीनफील्ड बनेगा। इसके डीपीआर के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। जल्द ही सर्वे का काम शुरू किया जाएगा। इसके अलावा दो लेने सडक़ों को फोर लेन में परिवर्तित करने का काम भी तेजी से किया जा रहा है। करीब एक दर्जन ऐसी सडक़ों को चिन्हित किया गया है जिन्हें जल्द ही फोर लेने किया जाना है। इसके लिए राशि भी तय कर ली गई है।

एमपी के 55 जिलों को होगा फायदा

छह नए आर्थिक कारीडोर के निर्माण का फाइनल ड्राफ्ट तैयार हो चुका है। इनकी कुल लंबाई 3368 किलोमीटर की होगी और इसके निर्माण पर 36 हजार 483 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

डीएसपी के साले की हत्या करने वाले आरक्षकों पर एफआईआर

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में डीएसपी केतन अडलक के साले उदित की डंडे से पीट-पीटकर हत्या करने वाले दोनों आरक्षक संतोष बामनिया और सौरभ आर्य पर हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। शनिवार की तडक़े सुबह दोनों पर एफआईआर दर्ज की गई है, जिसकी भनक लगते ही दोनों आरोपी आरक्षक अंडर ग्राउंड हो गए हैं। उनकी तलाश में थाने की तीन टीमें जुटी हैं। एफआईआर से पहले पुलिस ने उन्हें निलंबित कर दिया था।

जानकारी के मुताबिक बैंक कॉलोनी बाग दिलकुशा निवासी उदित गायकी पुत्र राजकुमार(22) पेशे से इंजीनियर था। उसके पिता एमपीईबी में असिस्टेंट इंजीनियर हैं, जबकि मां संगीता सेमरा के शासकीय स्कूल में टीचर हैं। उदित अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था, उससे बड़ी दो बहने हैं। एक की शादी डीएसपी केतन अडलक के साथ हुई है, जो इन दिनों बालाघाट हॉक फोर्स में पदस्थ हैं।

बीयर पार्टी करते हुए पुलिस ने पकड़ा और पीटा

गुरुवार रात उदित अपने दोस्त अक्षत भार्गव और दीपक बरकड़े के साथ इंद्रपुरी में बैठकर बीयर पार्टी

कर रहा था। तभी चार्ली पर तैनात आरक्षक संतोष बामनिया और आरक्षक सौरभ आर्या ने तीनों को पकड़ लिया था। इस दौरान दोनों पुलिसकर्मियों ने पहले उदित के कपड़े उतरवाए और फिर डंडे पिटाई की थी। दोस्त उसे पहले सांई अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से उसे गंभीर हालत देखने के बाद एम्स पहुंचा दिया गया। एम्स में चंद घंटे चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई थी। आरोपी पुलिसकर्मियों ने दस हजार रुपए की डिमांड भी की थी। जब रकम नहीं मिली तो दबाव बनाने की नीयत से केतन को पीटा गया था। डीसीपी जोन-2 विवेक सिंह ने बताया कि दोनों पुलिस आरक्षकों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। अभी उनकी गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है।

सीसीटीवी फुटेज को जब्त किया

पुलिस ने शुक्रवार को सीसीटीवी कैमरों के फुटेज जब्त कर लिए हैं। इन्हें जांच में मुख्य साक्ष्य के तौर पर रखा गया है। जिससे उसे हत्या के सबूत के तौर पर कोर्ट में पेश किया जाएगा। साथ ही पुलिस ने हत्या के मामले में उसके दोस्तों को गवाह बनाया है। दोनों के बयान दर्ज किए जाएंगे। पुलिस अफसरों का कहना है कि आरोपी आरक्षक घटना के बाद से गायब हैं, लेकिन उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

छुट्टी लेकर भोपाल आया था उदित

परिजनों ने पुलिस को बताया कि सीहोर में स्थित कॉलेज से बीई की पढ़ाई की थी। पिछले महीने ही उसकी नौकरी लगी थी। वह छह दिन की छुट्टी लेकर भोपाल आया था। शुक्रवार को दोस्तों के साथ डिग्री लेने के लिए सीहोर स्थित कॉलेज गया था। उसे अपनी इंजीनियरिंग की डिग्री कंपनी में जमा करना थी। वह दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम स्पैंड करना चाहता था। लिहाजा दोस्तों के साथ पार्टी कर रहा था। युवकों के हाथ में बीयर देख पुलिसकर्मियों ने उन पर दबाव डाला। जेल भेजने की धमकी दी, नहीं तो दस हजार रुपए देने की मांग की। जब इस बात का विरोध किया गया तो उदित को बेरहमी से पीटा गया।

भ्रष्ट अफसरों और मंत्री की जिम्मेदारी तय हो

कफ सिरफ से बच्चों की मौत का मामले में जीतू पटवारी बोले

भोपाल, एजेंसी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि सोनू राणा नाम के व्यक्ति और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के पीए आदित्य सिंह की मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में क्या भूमिका है, इसकी जांच होनी चाहिए। पटवारी ने डिप्टी सीएम और लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ला पर निशाना साधते हुए कहा कि सोनू राणा विभाग और दवा कंपनियों के बीच डील कराता है। उन्होंने मांग की कि इस पूरी घटना की सीबीआई जांच करवाई जाए। साथ ही उन्होंने पीएस हेल्थ को तुरंत हटाने और ड्रग कंट्रोलर पर एफआईआर दर्ज कराने की भी बात कही।

पटवारी ने कहा कि इस मामले में निष्पक्ष सीबीआई जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए, पीएस हेल्थ को हटाया जाना चाहिए और ड्रग कंट्रोलर पर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। उनका कहना था कि ये मौतें बच्चों की बीमारी नहीं, बल्कि गैर-इरादतन हत्या हैं। पटवारी ने यह भी कहा कि मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सिरप से अब तक 25 से ज्यादा मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है। पिछले तीन महीनों में राज्य के अलग-अलग जिलों में 150 से अधिक बच्चों की मौतें दर्ज की गईं, जो किसी बीमारी का परिणाम नहीं बल्कि सरकारी हत्या हैं। उन्होंने मीडिया से कहा कि 19 सितंबर 2025 को महाराष्ट्र के नागपुर प्रयोगशाला ने मध्य प्रदेश स्वास्थ्य विभाग को रिपोर्ट भेजी थी, जिसमें जिक्र था कि ये मौतें दूषित दवा के कारण हुई हैं, न कि किसी सामान्य बीमारी की वजह से। इसके बावजूद स्वास्थ्य मंत्री ने कोई कार्रवाई नहीं की और त्योहार मनाते रहे। पटवारी ने बताया कि पहली मौत 3 सितंबर को हुई थी, लेकिन 8 बच्चों की मौत के बाद भी कोई पोस्टमॉर्टम नहीं हुआ। न ही इस मामले पर विभागीय स्तर पर गंभीरता से बैठक बुलाई गई।

कांग्रेस उपवास व धरना करेगी

पटवारी ने मांग की कि इस मामले की जांच स्द्धूज्ञ (विशेष जांच टीम) से कराई जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि पूरे देश में इस जहरीले कफ सिरप से कितने बच्चों की जान गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी प्रदेश के सभी जिलों में अस्पतालों के सामने एक दिन का उपवास रखेगी और धरना देकर सरकार से जवाब मांगेगी। पटवारी ने कहा कि विपक्ष के रूप में कांग्रेस ने सरकार को जगाने का काम किया है और मीडिया ने भी पूरी निष्पक्षता से इस सच्चाई को सामने लाने का कार्य किया है।

उच्च शैक्षणिक संस्थानों में आने वाले कोरियर की होगी जांच, नियुक्त होगा नशा रोधी अधिकारी

कॉलेजों में प्रत्येक संस्थान में विशेष अधिकारी की नियुक्ति होगी

भोपाल, एजेंसी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देश के बाद अब देश भर के उच्च शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों के लिए छात्रावासों में आने वाले पार्सल/कोरियर की जांच की जाएगी। उन विद्यार्थियों पर भी निगरानी रखी जाएगी जो छात्र छात्रावास में रहते हुए भोजन नहीं करते हैं या किसी मादक पदार्थ का सेवन करते हैं। परिसर को नशामुक्त करने के लिए सीसीटीवी कैमरों से निगरानी भी होगी। साथ ही परिसर के आसपास भी किसी प्रकार के मादक पदार्थों की बिक्री को प्रतिबंधित किया जाएगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि कालेजों में एक नशा रोधी अधिकारी भी नियुक्त किया जाएगा जो इस पूरी गतिविधि की निगरानी करेगा। यूजीसी ने यह पहल विश्वविद्यालयों को नशा मुक्त परिसर बनाने के लिए की बता दें कि केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में 15 मई 2025 को हुई नार्को-समन्वय केंद्र (एनसीओआरडी) की आठवीं उच्च स्तरीय बैठक में विश्वविद्यालय परिसरों में नशामुक्त भारत अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई थी। इसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसी के बाद यूजीसी ने यह कदम उठाया है। यूजीसी ने निर्देश दिया है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में नुक्कड़ नाटक, लघु नाटक, योग, ध्यान, खेलकूद और अन्य शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया जाए। संस्थानों को अपने प्रभावशाली पूर्व छात्रों को भी इस अभियान में जोडऩे की सलाह दी गई है। इस अभियान की शुरुआत नए सत्र में नशा-विरोधी घोषणा और प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन सेमिनार से होगी। साथ ही, नशा-विरोधी समिति, नशामुक्ति क्लब और छात्रावास समिति के गठन का भी प्रविधान किया गया है।

संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष ध्यान

आदेश में स्पष्ट किया गया कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के निकट स्थित और ज्ञात नशा-हाटस्पाट वाले संस्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि होने पर कार्रवाई भी की जा सकेगी।

भोजनालयों का बेहतर प्रबंधन

कालेजों और विश्वविद्यालयों के भोजन कक्षों की गुणवत्ता को सुधार कर पेशेवर संचालन किया जाएगा। पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन विद्यार्थियों पर भी निगरानी रखी जाएगी जो नियमित रूप से भोजन नहीं करते या किसी प्रकार के मादक पदार्थ के सेवन की आदत से ग्रसित हो सकते हैं।

बाहरी कोरियर जांचे जाएंगे

परिसर की परिधि और मुख्य प्रवेश द्वारों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे ताकि बाहरी दवा आपूर्तिकर्ताओं या छात्रों के लिए संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा लाए गए कोरियर और उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सके। बिना जांचे कोई भी कोरियर छात्रों तक नहीं पहुंचेगा। प्रत्येक संस्थान में हर छह महीने में एक सप्ताह तक नशा जागरूकता और नशामुक्ति शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें विशेषज्ञों, चिकित्सकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया जाएगा।

नशा-रोधी अधिकारी की नियुक्ति

देश के प्रत्येक विश्वविद्यालय या कालेज में रजिस्ट्रार या उसके समकक्ष अधिकारी को नशा-रोधी अधिकारी नामित किया जाएगा। तय किया गया यह अधिकारी ही पूरे अभियान की गतिविधियों की निगरानी और रिपोर्टिंग करेंगे। वहीं कोई चूक अगर होती है तो वह भी इनकी ही जिम्मेदारी होगी।

पोल शिफ्टिंग के नाम पर 1.50 करोड़ का फर्जीवाड़ा!

भोपाल, एजेंसी। मऊगंज जिले से लोक निर्माण विभाग का एक बड़ा भ्रष्टाचार सामने आया है। आरोप है कि विभाग ने पोल शिफ्टिंग के नाम पर करीब 1 करोड़ 50 लाख रुपए का फर्जीवाड़ा किया है। सडक़ चौड़ीकरण के दौरान बिजली विभाग द्वारा किया गया 2 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका और भुगतान भी किया जा चुका था, लेकिन पीडब्ल्यूडी ने उसी काम को अधूरा दिखाते हुए नई निविदा जारी कर दी। दस्तावेज में महज चूक नहीं, बल्कि योजनाबद्ध तरीके से आर्थिक खेल किया गया है।

दरअसल मामला मऊगंज नगर का है, जहां सडक़ निर्माण और चौड़ीकरण के कारण एल.टी. और एच.टी. पोल शिफ्टिंग का कार्य होना था। बिजली विभाग ने इसके लिए 3 करोड़ 32 लाख रुपए का एस्टीमेट लोक निर्माण विभाग को भेजा था। इसमें से 2 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका था और जिला क्रय समिति के माध्यम से 98 लाख 84 हजार रुपए का भुगतान भी बिजली विभाग को किया जा चुका था। शेष 5 किलोमीटर के लिए नया एस्टीमेट (2 करोड़ 24 लाख रुपए का) भेजा गया, तब लोक निर्माण विभाग ने फर्जी तरीके से पूरे 7 किलोमीटर का नया एस्टीमेट तैयार कर दिया।

फर्जी भुगतान की जमीन तैयार की गई

जिसकी लागत 3 करोड़ 84 लाख रुपए दिखाई गई। यानी, पहले से पूरे हो चुके 2 किलोमीटर के काम को दोबारा जोडक़र करीब 1.50 करोड़ रुपए के फर्जी भुगतान की जमीन तैयार की गई। दस्तावेज के अनुसार, लोक निर्माण विभाग का पत्र क्रमांक 1165, दिनांक 16 दिसंबर 2024, यह साबित करता है कि विभाग को केवल 5 किलोमीटर का एस्टीमेट लेना था, लेकिन दूरी और लागत भी बढ़ाई।

तीन मैचों में चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर है भारत

ऑस्ट्रेलिया की चुनौती से पार पाने के लिए भारतीय शीर्ष क्रम को दिखाना होगा दम

विशाखापत्तनम, एजेंसी।

जीत के करीब पहुंचकर पिछला मैच गंवाने वाली भारतीय टीम का महिला विश्व कप के सबसे कठिन मुकाबले में सात बार की चैम्पियन आस्ट्रेलिया से शनिवार को सामना होगा तो खराब फॉर्म से जूझ रहे उसके शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को जिम्मेदारी से खेलना होगा वरना सेमीफाइनल की राह असंभव हो जाएगी।

आईसीसी टूर्नामेंट में पहली खिताबी जीत का इंतजार कर रही भारतीय टीम ने पहले दो मैचों में निचले क्रम के प्रदर्शन के दम पर श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया लेकिन यहीं एसीए वीडीसीए स्टेडियम पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुरुवार को टूर्नामेंट की पहली कठिन परीक्षा में हरमनप्रीत कौर की टीम को पराजय का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम अभी तीन मैचों में चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर है और एक और हार उसे तालिका में नीचे धकेल देगी। वहीं आस्ट्रेलिया तीन मैच में पांच अंक लेकर शीर्ष पर है। दक्षिण अफ्रीका से हार ने सेमीफाइनल की भारत की राह कठिन कर दी है चूंकि अब अगले तीनों मैचों में भारत को आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड जैसी दिग्गज टीमों से खेलना है और अब कोई भी कोताही भारी पड सकती है। लगातार तीसरे मैच में सितारों से सजा भारत का शीर्षक्रम नाकाम रहा और आठवें नंबर पर उतरी रिचा घोष के 94 रन की मदद से मेजबान टीम 251 रन बना सकी। जवाब में गेंदबाजों ने अच्छी शुरूआत दिलाई लेकिन आठवें नंबर की बल्लेबाज नेडाइन डि क्लार्क के 54 गेंद में नाबाद 84 रन की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने भारत को तीन विकेट से हरा दिया। इस हार ने भारतीय शीर्षक्रम की नाकामी को लेकर चिंता बढा दी और एक छठे गेंदबाज की कमी भी महसूस हुई। वनडे विश्व कप में आखिरी बार 2017 में इंग्लैंड में सेमीफाइनल में 115 गेंद में 171 रन बनाकर भारत को जीत दिलाने वाली मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत का बल्ला अभी तक खामोश है जो पिछले तीन मैचों में 21,19 और नौ रन ही बना सकी हैं जबकि इस साल शानदार प्रदर्शन करने वाली स्मृति मंधाना ने 8, 23 और 23 रन बनाये हैं।

वहीं मध्यक्रम में जेमिमा रौड्रिग्स ने पाकिस्तान के खिलाफ 32 रन बनाये लेकिन बाकी दोनों मैचों में खाता भी नहीं खोल सकी और तीनों बार बायें हाथ की स्पिनरों ने उन्हें आउट किया। भारत के शीर्ष पांच बल्लेबाजों में से कोई भी तीन मैचों में अर्धशतक नहीं बना सका है। कप्तान हरमनप्रीत ने भी हार के लिये शीर्षक्रम को जिम्मेदार ठहराते हुए मैच के बाद कहा था हम शीर्षक्रम में जिम्मेदारी के साथ नहीं खेल सके। हमें इसमें सुधार करना होगा और बड़े स्कोर बनाने होंगे। हमें आत्ममंथन करके सकारात्मक सोच के साथ उतरना होगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक समय एक विकेट पर 83 रन के बाद भारत ने 19 रन के भीतर पांच विकेट गंवा दिये। स्नेह राणा और रिचा ने 88 रन की साझेदारी नहीं की होती तो सम्मानजनक स्कोर भी नहीं बनता। वहीं पाकिस्तान पर जीत में सूत्रधार रही तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने शुरूआत अच्छी की लेकिन 47वें ओवर में क्लार्क ने उन्हें दो छक्के और एक चौका लगाकर मैच की तस्वीर पलट दी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया की संभावित टीमें

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरूंधति रेड्डी, क्रांति गौड़।

ऑस्ट्रेलिया: एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, एलेना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिन्यु, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगान शूट, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल और जॉर्जिया वेयरहैम।

मैच का समय: दोपहर तीन बजे से।

रोहित और पंत को पीछे छोड़ा शुभमन गिल ने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में नया इतिहास रच दिया है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले के दूसरे दिन गिल ने यह उपलब्धि हासिल की और वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस दौरान भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत दोनों को पीछे छोड़ दिया। गिल ने लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इस टूर्नामेंट में अपने शानदार आंकड़ों से खुद को शीर्ष पर पहुंचा दिया।

शुभमन गिल ने अब तक 39 मैचों की 71 पारियों में 42.36 के औसत से 2750 से अधिक रन बनाए हैं। उनके नाम अब तक 9 शतक दर्ज हैं, जिनमें कई निर्णायक पारियां शामिल हैं जिन्होंने भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वेस्टइंडीज के खिलाफ इस मुकाबले में गिल की बल्लेबाजी ने फिर एक बार यह साबित कर दिया कि वह भारतीय टेस्ट क्रिकेट के भविष्य के सबसे भरोसेमंद चेहरों में से एक हैं। इससे पहले ऋषभ पंत ने 38 मैचों में 43.34 के औसत से 2731 रन बनाए थे, जबकि रोहित शर्मा ने 40 मैचों में 2716 रन अपने नाम किए हैं। विराट कोहली ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 46 मैचों में 2627 रन बनाए हैं। इनके अलावा रविंद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने भी इस टूर्नामेंट में 2000 से अधिक रन बनाकर भारतीय बल्लेबाजी की मजबूती को दर्शाया है।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट के नाम है। रूट ने अब तक 69 मैचों में 52.86 के औसत से 6080 रन बनाए हैं और इस दौरान उन्होंने 21 शतक जड़े हैं। वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी हैं। गिल अब इस सूची में 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर की निरंतरता और मेहनत का प्रमाण है।

इस बीच भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी शानदार फॉर्म में नजर आए। हालांकि वह दोहरा शतक लगाने से चूक गए, लेकिन उन्होंने 258 गेंदों में 175 रन की शानदार पारी खेली। उनकी पारी में 22 चौके शामिल थे। जायसवाल की यह पारी भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाने में अहम साबित हुई। शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल की जोड़ी ने एक बार फिर भारतीय टेस्ट टीम की बल्लेबाजी को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है।

टेस्ट में भारत के लिए 150+ रन बनाने वाले टॉप बल्लेबाजों में जायसवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरे टेस्ट मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत की है। भारत दूसरे दिन पॉच विकेट पर 518 पर पारी घोषित कर चुका है। पहले दिन की सबसे बड़ी हाइलाइट यशस्वी जायसवाल की शतकपूर्ण पारी रही, जिन्होंने 175 रन बनाकर अपनी बेहतरीन फॉर्म जारी रखी। इस पारी के साथ ही जायसवाल टेस्ट क्रिकेट में पांचवीं बार 150 या उससे अधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

सचिन तेंदुलकर की 20 बार की रिकॉर्ड-ब्रेकिंग उपलब्धि को देखते हुए यशस्वी ने युवा और प्रतिभाशाली बल्लेबाज के रूप में अपनी क्षमताओं का लोहा मनवाया है। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 150+ रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में जायसवाल ने अपनी जगह पक्की कर ली है। इस सूची में सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, राहुल द्रविड़ और विराट कोहली जैसे दिग्गज शामिल हैं।

हालांकि दूसरे दिन मैदान पर उतरते ही यशस्वी को दुर्भाग्यपूर्ण रूप से रन आउट होना पड़ा। पहले दिन के 175 रनों की पारी के बाद यह घटना भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए निराशाजनक रही।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में संगकारा का रिकार्ड तोड़ सकते हैं विराट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास ऑस्ट्रेलिया दौरे में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। इस दौरे में विराट अगर 54 रन बना लेते हैं तो वह एकदिवसीय में सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर चल रहे पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज कुमार संगकारा का रिकॉर्ड तोड़ देंगे और इसके साथ ही शीर्ष पर कायम सचिन तेंदुलकर के रिकार्ड के भी करीब पहुंच जाएंगे। एकदिवसीय में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर संगकारा हैं। संगकारा ने 404 एकदिवसीय मैचों में 41.99 की औसत से 14234 रन बनाए हैं। वहीं विराट के 302 मैचों में 14181 रन हैं। इस प्रकार विराट और संगकारा के बीच महज 54 रनों का अंतर रह गया है।

विराट एकदिवसीय में सबसे अधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने इस प्रारुप में अब तक उन्होंने कुल 50 शतक लगाये है वहीं सचिन के नाम 49 शतक हैं। हालांकि, रनों के मामले में फिलहाल वह सचिन से पीछे हैं। सचिन ने 463 मैचम में 18426 रन बनाये हैं । इस प्रकार दोनो के बीच का अंतर चार हजार से भी अधिक है।

सूर्यकुमार बोले मुम्बई इंडियंस में तैयार होते हैं तिलक जैसे खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल फ्रेंचाइजी मुम्बई इंडियंस की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उससे मैच विजेता खिलाड़ी निकलते हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि एशिया कप में शानदार पारी खेलने वाले तिलक वर्मा भी मुम्बई से ही निकले हैं। सूर्या के अनुसार मुम्बई इंडियंस किसी गुरुकुल की तरह है जो बेहतरीन खिलाड़ियों को तैयार करता है।

मुम्बई से खेलने वाले तिलक ने एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 53 गेंदों में 69 रनों की नाबाद पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस मैच में जब तिलक बल्लेबाजी के लिए आये तब भारतीय टीम परेशानी में थी और उसने 20 रनों पर ही तीन विकेट खो दिये थे। इसके बाद तिलक ने जबरदस्त पारी खेली। आईपीएल में मुम्बई की ओर से भी इसी प्रकार तिलक के कई बेहतरीन पारियां खेली हैं और उस अनुभवी का लाभ उन्हें एशिया कप में मिला।

सूर्यकुमार ने तिलक की तारीफ करते हुए उनके शानदार प्रदर्शन का श्रेय मुंबई इंडियंस को दिया है। मुम्बई ने इसका एक वीडियो भी साझा किया है। इस वीडियो में सूर्यकुमार तिलक को लेकर कहते दिखते हैं, जब हम नवंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका में थे तब उसने 2 शतक जड़े तब हमें पता चल गया कि तिलक आ चुका है पर उसने हमें असली तिलक एशिया कप में दिखाया कि वह क्या कर सकता है।

सूर्या ने कहा कि मुम्बई में मिले अनुभवों के कारण ही तिलक आज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में स्थापित हो गये हैं। उन्होंने कहहा, मैंने जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्य ने भारतीय टीम में जगह मिलने से पहले आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था। मुंबई इंडियंस एक गुरुकुल की तरह है। मुंबई इंडियंस वो गुरुकुल है जहां वे खिलाड़ी तैयार करते हैं। हम वहां पर दबाव के हालातों में बल्लेबाजी करते और उसका लाभ भारतीय टीम से खेलने के दौरान होता है। जब हम इंडिया के लिए खेले तब हम पहले ही से तैयार थे। तिलक को पता था कि वह इस तरह के दबाव वाले हालातों में कैसा खेला जाता है। इसलिए उससे निडर होकर खेला ।

रोहित को कप्तानी से हटाया जाना बदलाव की प्रकिया – गांगुली

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाया जाना एक सामान्य प्रकिया है जिससे बेवजह मुद्दा बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ये सभी के साथ होता है पहले मेरे साथ हुआ, फिर द्रविड़ के साथ हुआ और अब रोहित के साथ हुआ है। आगे भी ये होता रहेगा। गांगुली के अनुसार इसे हटाया जाना नहीं माना जाना चाहिये है। उन्होंने कहा कि रोहित एक अच्छे नेतृत्वकर्ता रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। रोहित को कप्तानी न देना प्रदर्शन से जुड़ा नहीं है। ये बढ़ती उम्र का मामला है। अगले विश्वकप 2027 में वह 40 वर्ष के होगों। खेल में ये एक बड़ा नंबर है। अभी नये कप्तान बने शुभमन गिल भी भविष्य में इसी का सामना करेंगे। उन्होंने कहा कि शुभमन को टेस्ट के बाद एकदिवसीय में भी कप्तानी दिये जाने का फैसला सही है। उन्होंने इंग्लैंड में कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया है। इसलिए भविष्य को देखते हुए एक युवा कप्तान को तैयार करना सही रणनीति है। इस दौरान टीम में उन्हें रोहित के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा।

कास्परोव ने आनंद को तीसरी बाजी में हराकर बनाई बढ़त

सैंट लुई, एजेंसी। शतरंज के दो महान खिलाड़ियों के बीच मुकाबले के पहले दिन गैरी कास्परोव ने भारत के विश्वनाथन आनंद को तीसरी बाजी में हराकर क्लच शतरंज मुकाबले में 2.5-1.5 की बढ़त हासिल कर ली। 62 साल की उम्र में कास्परोव ने दिखा दिया कि 21 साल पहले संन्यास लेने के बावजूद उनके पास शतरंज का हुनर अब भी बरकरार है। आनंद को भी मौके मिले, लेकिन वह उनका फायदा नहीं उठा पाए।

मुकाबला शतरंज 960 प्रारूप के तहत खेला जा रहा है, जिसमें रोजाना 2 रैपिड और 2 ब्लिट्ज़ बाजियां होती हैं। दिन की शुरुआती दो बाजियां ड्रॉ रही, लेकिन तीसरी बाजी में कास्परोव ने जीत दर्ज की। आनंद के पास इसे ड्रॉ कराने का मौका था, लेकिन वह चूक गए।

अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को हराया, मेसी बाहर से ही करते रहे टीम की हौंसला अफजाई

मियामी। लियोनेल मेसी की गैरमौजूदगी में अर्जेंटीना ने मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में वेनेजुएला को 1-0 से हराया। इस मुकाबले में गियोवानी लो सेल्सो जीत के हीरो बने। जूलियन अल्वारेज और लौटारो मार्टिनेज के नेतृत्व में अर्जेंटीना का आक्रमण पूरे मैच में आक्रामक रहा, जबकि फुलबैक नाहुएल मोलिना ने दाहिने छोर पर अपने खेल से फैंस को उत्साहित कर दिया। इस मुकाबले में निर्णायक मौका 31वें मिनट में आया। अल्वारेज और मार्टिनेज ने बॉक्स के पास शानदार तालमेल दिखाया, जिसने वेनेजुएला के डिफेंडर्स को बाहर खींच लिया और फिर लो सेल्सो को पास थमा फेंका। मिडफील्डर ने बेहतरीन संयम दिखाते हुए बाएं पैर से फुटबॉल में सटीक शॉट लगाया, जो गोलकीपर जोस कॉन्ट्रेरास को चकमा देते हुए नेट में झूल गई। इसके साथ अर्जेंटीना ने 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। गियोवानी लो सेल्सो ने पहले हाफ में शानदार गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। उनका यह गोल स्टेडियम में मौजूद करीब 15,000 दर्शकों के सामने मौजूदा विश्व चैंपियन को आसान जीत दिलाने के लिए काफी था। बढ़त हासिल करने के बाद टीम ने अपने खास अंदाज में खेल की रफ्तार पर नियंत्रण पा लिया।

तेज ट्रांजिशन और छोटे-छोटे पास से अर्जेंटीना ने दबदबा कायम रखा। वहीं, वेनेजुएला कोई खास मौका नहीं बना सकी जिससे गोलकर बराबरी हासिल की जा सके। दूरी से किए कुछ प्रयास गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज को मुश्किल में डालने में नाकाम रहे। अर्जेंटीना ने दूसरे हाफ में गोल की संख्या में इजाफा नहीं कर सकी, लेकिन टीम किसी भी तरह की परेशानी में नजर नहीं आई। बता दें यह मैत्रीपूर्ण मैच अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर से पहले टीम को परखने के लिए किया गया है। एलेजांद्रो गार्नाचो और एंजो फर्नांडीज जैसे युवा खिलाड़ियों की मौजूदगी ने अंतिम चरणों में और भी जोश भर दिया। लियोनेल मेसी मांसपेशियों में जकड़न के चलते एहतियातन इस मैच में नहीं खेले। हालांकि, इस दौरान उन्होंने स्टैंड से अपने साथियों का उत्साह बढ़ाया।

प्वांइट टेबल में न्यूजीलैंड ने खोला खाता, पाकिस्तान की स्थिति और भी नाजुक

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी वुमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के 11वें मैच में न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को 100 रनों से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने पॉइंट्स टेबल में अपना खाता खोल लिया है। टूर्नामेंट में भाग ले रही आठ टीमों में अब सिर्फ पाकिस्तान ही ऐसी टीम रह गई है जिसके खाते में एक भी अंक नहीं है। वहीं श्रीलंका ने भी अब तक कोई मैच नहीं जीता है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसका मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था, जिससे उसे एक अंक मिल गया। न्यूजीलैंड की टीम अब पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है।

टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीमों में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पहले, इंग्लैंड दूसरे, भारत तीसरे और साउथ अफ्रीका चौथे पायदान पर हैं। वहीं पाकिस्तान की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। पाकिस्तान ने अब तक तीन मैच खेले हैं और तीनों में हार का सामना किया है। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में जहां टीम उलटफेर का शिकार बनी, वहीं भारत और ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें बुरी तरह पराजित किया। लगातार तीन हार के बाद पाकिस्तान के टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा बढ़ गया है और अब आगे के मैच उनके लिए करो या मरो की स्थिति बन चुके हैं।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम ने आखिरकार जीत का स्वाद चखा है। इस टूर्नामेंट में उनके लिए यह तीसरा मैच था। इससे पहले कीवी टीम को ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। बांग्लादेश के खिलाफ इस मुकाबले में न्यूजीलैंड की बल्लेबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया और टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया, जिसके बाद गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुए विरोधी टीम को 100 रनों से पराजित किया। इस जीत से न्यूजीलैंड को टूर्नामेंट में नई ऊर्जा मिली है और टीम अब सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने की उम्मीद के साथ आगे बढ़ेगी।

आईसीसी वुमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 पॉइंट्स टेबल-

क्रं	टीम	मैच	जीत	हार	टाई	नोट रिजल्ट	पॉइंट्स	नेट रन रेट
1	ऑस्ट्रेलिया	3	2	0	0	1	5	+1.960
2	इंग्लैंड	2	2	0	0	0	4	+1.757
3	भारत	3	2	1	0	0	4	+0.953
4	साउथ अफ्रीका	3	2	1	0	0	4	−0.888
5	न्यूजीलैंड	3	1	2	0	0	2	−0.245
6	बांग्लादेश	3	1	2	0	0	2	−0.357
7	श्रीलंका	2	0	1	0	1	1	−1.255
8	पाकिस्तान	3	0	3	0	0	0	−1.887

2026 फुटबॉल विश्वकप के लिए अर्जेंटीना की टीम को तैयार कर रहे कोच स्कालोनी

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा है कि वह 2026 में होने वाले विश्वकप के लिए टीम तैयार कर रहे हैं। इस के देखते हुए वह वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ आगामी मैत्री मुकाबलों में खिलाड़ियों को परखेंगे। स्कालोनी ने कहा कि अभी भी टीम में कुछ अच्छे खिलाड़यियों के लिए जगह है। स्कालोनी ने बताया है कि वह मैत्री मैचों का इस्तेमाल अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले विश्व कप से पहले नए खिलाड़ियों को परखने के लिए करेंगे। जाएगा। स्कालोनी ने कहा, जाहिर है कि हम नए खिलाड़ियों को मौका देने की कोशिश करेंगे, यह देखने के लिए कि क्या वे टीम में शामिल किये जा सकते हैं। इन मुकाबलों में अलग-अलग खिलाड़ियों को आजमाया जाएगा।

स्कालोनी ने स्वीकारा है कि अधिकांश विश्व कप टीम पहले ही तय हो चुकी है, लेकिन उन्होंने बताया कि अंतिम समय में कुछ बदलाव हो सकते हैं।

उन्होंने कहा, आप नहीं कहा सकते कि कब बदलाव हो सकते हैं। भले ही हमारे पास एक मजबूत टीम है पर हमें नहीं पता आगे क्या हो सकता है। पिछले विश्व कप का अनुभव हमारे पास है, जब कुछ खिलाड़ी चोटिल होने के कारण अंतिक समय में बाहर हो गए थे।

रियान, वैभव और जुरेल को आईपीएल ऑक्शन से पहले राजस्थान करेगी रिलीज

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स आईपीएल के आगामी सीजन से पहले अपने कुछ खिलाड़ियों को रिलीज कर सकती है। पिछले सीजन में राजस्थान की टीम नौंवे नंबर पर रही थी। टीम में कार्यवाहक कप्तान रियान पराग, युवा वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल के अच्छे प्रदर्शन के बावजूद राजस्थान रॉयल्स अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। संजू सैमसन का रिलीज़ होना तय है। राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल के 19वें सीजन में नई रणनीति के साथ उतरना होगा। उसे टीम में ऑलराउंडरों और खास बल्लेबाजों के लिए जगह बनाना होगी। यह तभी संभव होगा जब वह कुछ स्टार खिलाड़ियों को टीम से हटाए।

राजस्थान रॉयल्स ने संजू सैमसन को आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले रिलीज करने का मन बना लिया है। टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में उनका प्रदर्शन चोटों के कारण प्रभावित हुआ था, जिसकी वजह से वह 14 में से केवल 9 मैच ही खेल पाए थे। संजू ने 2013 में राजस्थान रॉयल्स के साथ अपना करियर शुरू किया और 2016-17 में कुछ सालों तक दिल्ली कैपिटल्स में रहे। उसके बाद से वे फिर राजस्थान रॉयल्स में लौट आए। संजू विकेटकीपर-बल्लेबाज राजस्थान रॉयल्स के सबसे लगातार और सबसे विश्वसनीय बल्लेबाजों में से एक साबित हुआ है, जिसने अपने आईपीएल करियर में 4704 में से 4027 रन राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए बनाए।

चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से रिलीज किए जाने के बाद श्रीलंकाई स्पिनर महीश तीक्ष्णा को आईपीएल 2025 की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने 4.40 करोड़ में खरीदा था। हालांकि तीक्ष्णा ने राजस्थान रॉयल्स के साथ बिताए एक सीजन में इतने ही मैचों में 11 विकेट लिए थे। 37.27 की औसत और 9.26 की इकोनोमी रेट के साथ वह उस सीजन में राजस्थान रॉयल्स के सबसे खराब गेंदबाजों में से एक थे। राजस्थान रॉयल्स 4.40 करोड़ रुपए बचाकर किसी ऐसे गेंदबाज को चुन सकता था जो टीम में बेहतर फिट हो सके।

वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शिमरोन हेटमेयर आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए एक अच्छे फिनिशर होने की अपनी प्रतिष्ठा पर खरा नहीं उतर पाए। वह 14 मैचों में सिर्फ़ 239 रन ही बना पाए, जिसमें सिर्फ एक अर्धशतक शामिल है। दरअसल, वह सिर्फ एक सीजन आईपीएल 2022 में 314 रन को छोड़कर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर । आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले राजस्थान रॉयल्स ने इस कैरेबियाई स्टार को 11 करोड़ रुपए की भारी-भरकम कीमत पर रिटेन किया था। राजस्थान की टीम हेटमायेर को हटाकर बेहतर फिनिशरों को चुन सकती है।

वैगनर जैसे गेंदबाज हैं सिराज – विलियमसन

मुम्बई, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की जमकर प्रशंसा की है। विलियमसन ने कहा कि जिस प्रतिबद्धता और जुनून से वह खेलते हैं। वह उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। टीम को जब भी उनकी जरुरत हुई उन्होंने उसके अनुरुप काम किया। इसी को देखते हुए विलियमसन ने सिराज की तुलना न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज नील वैगनर से की। वैगनर को टेस्ट में लंबे स्पैल के लिए जाना जाता था। वह अक्सर प्रतिद्वंद्वी टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा लेते थे। विलियमसन ने कहा, "न्यूजीलैंड में हमारे पास नील वैगनर जैसा ही एक खिलाड़ी था, जो हमेशा चुनौती स्वीकार करता था और कभी पीछे नहीं हटता था। सिराज उसी जज्बे को दर्शाते हैं।"

जसप्रीत विलियमसन ने कहा, "मैं उन्हें उनके करियर के शुरुआती दौर से ही जानता हूं। मैंने उन्हें आईपीएल में सनराइजर्स के लिए खेलते हुए देखा था।" उन्होंने कहा, "जो चीज उन्हें सबसे अलग बनाती है, वह है टीम को पहले रखने की उनकी प्रतिबद्धता और वह जज्बा जिससे वह हर बार गेंदबाजी करना चाहते हैं। वह हमेशा लंबे स्पैल डालकर मैच का रुख बदलना चाहते है। उनका यह रवैया टीम में भी असर करता है और यह उनके मजबूत नेतृत्व गुणों को दर्शाता है।"

पीएम ने 35 हजार करोड़ की कृषि योजनाओं की शुरुआत की, मोदी बोले-

हमने बीज से लेकर बाजार तक सुधार किए

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार दोपहर दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में कृषि क्षेत्र के लिए 35 हजार 440 करोड़ की दो बड़ी योजनाएं शुरू कीं। उन्होंने पीएम 11,440 करोड़ की दाल उत्पादन मिशन योजना और 24 हजार करोड़ की पीएम धन धान्य कृषि योजना का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि, कृषि और खेती हमेशा हमारे विकास यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं। समय के साथ यह जरूरी है कि कृषि को सरकार का समर्थन मिलता रहे। दुर्भाग्य से पिछली सरकारों ने कृषि को छोड़ दिया था।

पीएम ने कहा कि 21वीं सदी के भारत को तेजी से विकसित करने के लिए हमारी कृषि प्रणाली में सुधार आवश्यक था। यह काम 2014 में शुरू हुआ। हमने पिछली सरकारों के लापरवाह रवैये को बदला। बीज से लेकर बाजार तक, किसानों के लाभ के लिए अनगिनत सुधार किए।

पिछली सरकारों ने पिछड़े जिलों को भुलाया

पीएम मोदी ने कहा कि पिछली सरकारों ने देश के 100 से अधिक जिलों को पिछड़ा घोषित किया, फिर उन्हें भुला दिया। हमने इन जिलों पर विशेष ध्यान दिया, इन्हें आशास्पद जिले घोषित किया। इन जिलों को सह-संयोजन, सहयोग और प्रतिस्पर्धा के अपने मंत्र से बदला। यहां की 20 प्रतिशत बस्तियों में स्वतंत्रता के बाद भी सडक़ नहीं थी। आज इन बस्तियों का अधिकांश हिस्सा सडक़ों से जुड़ चुका है। पहले यहां के 17 प्रतिशत बच्चों को टीकाकरण का लाभ नहीं मिल रहा था, लेकिन आज मिल रहा है। 15 प्रतिशत से अधिक स्कूलों में बिजली नहीं थी, लेकिन अब योजना के तहत हर स्कूल में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है।

दूध के प्रोडक्शन भारत नंबर 1

पीएम ने कहा कि भारत दुनिया में दूध उत्पादन में नंबर वन हैं। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है। 2014 के मुकाबले शहद का उत्पादन भी दोगुना हुआ है। अंडे का प्रोडक्शन भी पिछले 11 सालों में दोगुना हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों में भारत का कृषि निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। अन्न उत्पादन में लगभग 90 मिलियन मीट्रिक टन की वृद्धि हुई है। फल और सब्जियों का उत्पादन 64 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक बढ़ा है। पिछले 11 सालों में देश में छह बड़े फर्टीलाइजर प्लांट बनाए गए। किसानों को 2.5 करोड़ से अधिक मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड बांटे। माइक्रो-इरीगेशन की सुविधा 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंची। पीएम फसल बीमा योजना से लगभग 2 लाख करोड़ के क्लेम मिले।

10 हजार से ज्यादा किसान उत्पादक संघ का गठन

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 साल में 10 हजार से ज्यादा किसान उत्पादक संघ का गठन किया गया। इन सालों में देश के किसानों ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। आज देश का स्वभाव ऐसा हो गया है कि सिर्फ कुछ उपलब्धियों से संतुष्टि नहीं होती। यदि हम विकसित बनना चाहते हैं, तो हमें हर क्षेत्र में लगातार सुधार करना होगा। पीएम धन-धान्य कृषि योजना इसी सोच का परिणाम है।

संभल में फिर होगी बुलडोजर कार्रवाई, 80 मकानों पर प्रशासन ने लगाए लाल निशान

संभल,एजेंसी। रायसत्ती थाना क्षेत्र के मोहल्ला हातिम सराय में जिन 80 मकानों तालाब की जमीन पर बने होने की बात कहकर अवैध घोषित किया गया है, उसमें प्रशासनिक कार्रवाई में चूक होने का दावा किया गया है। सरायतरीन निवासी पूर्वी वार्ष्णेय ने दावा किया है कि जिस जमीन पर मकान बने हैं वह उनकी आठ बीघा पुश्तैनी जमीन थी। उनकी दादी हातिम सराय निवासी राम सुनीति देवी ने लोगों को बेची थी। आरोप है कि प्रशासन ने तहसील के रिकॉर्ड चेक नहीं किए और कार्रवाई शुरू कर दी। जबकि यह जमीन निजी है इसका भी आदेश राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। हालांकि प्रशासन की लाल निशान वाली कार्रवाई के बाद लोगों में चिंता है।

तहसीलदार धीरेंद्र सिंह ने कहा था कि सरकारी आठ बीघा तालाब को पाटकर अवैध तरीके से 80 मकानों का निर्माण किया गया है। इसके लिए नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने के लिए 15 दिन का समय भी दिया था। इसी क्रम में बुधवार को 40 मकानों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के लिए लाल निशान लगा दिए गए। जिन लोगों के मकानों पर लाल निशान लगाए गए वह चिंतित हैं। इसी कार्रवाई के दौरान पूर्वी वार्ष्णेय का दावा सामने आया है। पूर्वी वार्ष्णेय ने बताया कि उनकी दादी के नाम 12 बीघा जमीन थी। जो 2009 के बाद लोगों को बेची गई थी। वर्षों तक इस जमीन में खेती होती रही और कुछ हिस्से को लोगों ने मिट्टी की खोदाई से तालाबनुमा बना दिया था। जब जमीन बेची गई तो वह तालाब भी पाट दिया गया लेकिन निजी संपत्ति में ही तालाब था। प्रशासन ने जो कार्रवाई की है उसके रिकॉर्ड को चेक नहींकिया गया। तहसील में इस जमीन का पूरा रिकॉर्ड दर्ज है। जिन लोगों के मकान हैं उन्होंने बैनामा कराया है।

अमेरिका की ओर से चीन पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने के फैसले के बाद अमेरिका, चीन के शेयर बाजारों से क्रिप्टोकरेंसी मार्केट तक में भारी तबाही...

झटके में 2 ट्रिलियन फुर्र...

क्रिप्टो मार्केट में एक दिन में 560 अरब डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली,एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में भारी तबाही का मंजर देखने को मिला है। ट्रंप द्वारा चीन पर 100 फीसदी टैरिफ के ऐलान के बाद क्रिप्टो मार्केट बूरी तरह से प्रभावित हुआ है, बिटकॉइन से लेकर एथेरियम और डॉज कॉइन जैसे क्रिप्टो असेट तेजी से ढहे हैं। इसके अलावा, अमेरिकी शेयर बाजार में भी भारी तबाही देखने को मिली। एनविडिया, टेस्ला और अमेजन जैसे शेयरों पर भारी दबाव रहा। शेयर बाजार और क्रिप्टो में गिरावट के कारण निवेशकों को 17,74,38,10,00,00,000,03 रूपए यानी 17 नील, 74 खरब, 38 अरब, 10 करोड़ रूपए की चपत लगी है।

ब्लूमबर्ग के अनुसार, इस फैसले से दुनिया भर में 16 लाख से ज्यादा क्रिप्टो इन्वेस्टर्स पर इसका असर हुआ है और 19 अरब डॉलर से ज्यादा के क्रिप्टो दांव डूब गए। सिर्फ एक घंटे के भीतर, 7 अरब डॉलर से ज्यादा के दांव डूब गए, जो डिजिटल संपत्तियों के इतिहास में सबसे बड़ी सामूहिक बिकवाली थी। वहीं शनिवार क्रिप्टो मार्केट कैप 560 अरब डॉलर या 0.56 ट्रिलियन डॉलर गिरा है। इसी तरह, शेयर बाजार में गिरावट से भी अनुमानित 1.75 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। यानी क्रिप्टो और स्टॉक मार्केट को मिला दिया जाए तो निवेशकों को करीब 2 ट्रिलियन डॉलर या 177.44 लाख करोड़ रुपये का लॉस हुआ है।

क्रिप्टो मार्केट में अबतक की सबसे बड़ी गिरावट

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में, कॉइनग्लास के 24 घंटे के आंकड़ों का हवाला देते हुए, खुलासा किया गया है कि इस घोषणा के कारण क्रिप्टो मार्केट में अब तक का सबसे बड़ा लिक्विडेशन हुआ। 19 अरब डॉलर से ज्यादा के असेट नष्ट हो गए, क्योंकि ट्रेडर्स ने लीवरेज्ड पोजीशन्स को जल्दी-जल्दी खत्म करने की कोशिश की और 16 लाख निवेशकों को मजबूरन लिक्विडेशन का सामना करना पड़। इसमें से सिर्फ 10 अक्टूबर को ट्रेडिंग के पहले घंटे में ही 7 अरब डॉलर से ज्यादा की पोजीशनें स्क्यवायर ऑफ करनी पड़ीं। मल्टीकॉइन कैपिटल के प्रमुख व्यापारी ब्रायन स्ट्रुगेट्स ने अनुमान लगाया कि कुल मार्केट में लॉस 30 बिलियन डॉलर से अधिक हो सकता है, क्योंकि एक्सचेंजों और डीएफआई प्लेटफार्मों के माध्यम से भारी डर फैलने का खतरा है।

क्रिप्टो मार्केट में तबाही!

टैरिफ के झटके के बाद, 11 अक्टूबर को दोपहर 12ः42 बजे तक बिटकॉइन 8 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर .1,11,542.91 पर आ गया, और इसका मार्केट कैपिटलाइजेशन घटकर 2.22 ट्रिलियन रह गया। हालांकि ट्रेडर्स द्वारा लीवरेज्ड पोजीशन से बाहर निकलने की होड़ के कारण ट्रेडिंग वॉल्यूम 145 प्रतिशत बढक़र .183.88 बिलियन हो गया। दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टो, एथेरियम 12.7 फीसदी गिरकर 3,778.31 पर आ गई, जिसका मार्केट कैपिटलाइजेशन 456.05 अरब डॉलर रहा। ट्रेडिंग वॉल्यूम 148 फीसदी बढक़र 112.75 अरब डॉलर हो गया, जो भारी बिकवाली दबाव का संकेत है। कॉइनमार्केटकैप के अनुसार, कुल क्रिप्टो मार्केट कैपिटलाइजेशन एक दिन पहले के 4.30 ट्रिलियन डॉलर से गिरकर 3.74 ट्रिलियन डॉलर रह गया, जिससे 24 घंटों के भीतर लगभग 560 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। इस गिरावट के दौरान कुल ट्रेडिंग वॉल्यूम 490.23 बिलियन डॉलर को पार कर गया।

मेडिकल छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह से सवालों के घेरे में है। अभी कुछ दिन पहले ही भाजपा महिला सांसद पर अज्ञात लोगों ने हमला करते हुए घायल कर दिया था। वहीं अब एक बार फिर बंगाल से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दुर्गापुर में एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया है। इस घटना ने एक बार फिर बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार पश्चिम बर्धमान जिले में ओडिशा की रहने वाली एक मेडिकल कॉलेज छात्रा के साथ अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। वारदात शुक्रवार रात दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज परिसर के पास हुई। बताया जा रहा है कि द्वितीय वर्ष की छात्रा अपनी एक सहेली के साथ रात के खाने के लिए बाहर गई थी।

बॉयफ्रेंड की हत्या कराने वाली महामंडलेश्वर गिरफ्तार

-अलीगढ़ पुलिस ने पूजा शकुन को राजस्थान से दबोचा, शूटर्स को दी थी सुपारी

अलीगढ़,एजेंसी। बॉयफ्रेंड की हत्या के 14 दिन बाद आरोपी महामंडलेश्वर डॉ. अन्नपूर्णा भारती उर्फ पूजा शकुन पांडेय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसे शुक्रवार रात राजस्थान के भरतपुर जिले में जयपुर हाईवे से पकड़ा गया। पूजा बस में सवार होकर जा रही थी। गिरफ्तारी के बाद उसे अलीगढ़ कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

दरअसल, अलीगढ़ में 26 सितंबर को टीवीएस बाइक शोरूम मालिक अभिषेक गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तब से पूजा फरार थी। वह भेष बदल-बदल कर छिपती फिर रही थी। पुलिस ने उस पर 50 हजार का इनाम रखा था। एनबीडब्ल्यू वारंट भी जारी किया था। खुद को महामंडलेश्वर बताने वाली पूजा निरंजनी अखाड़े से निष्कासित की जा चुकी है। प्रयागराज के श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी ने अन्नपूर्णा भारती को 4 अक्टूबर को निष्कासित कर दिया था। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी ने कहा था- महिला साध्वी का कृत्य सनातन परंपरा के खिलाफ है।

बिजली की आंख मिचौली से आम जनता परेशान

पद्मेश न्यूज। लामता। त्यौहार का सीजन हो या कोई भी त्यौहार हो,बिना बिजली कटौती के अधूरा सा है,एक तरफ त्योहारों से पहले बिजली मेंटनेंस के नाम से दिन भर बिजली कटौती की जाती हैं,फिर जैसे ही कोई त्यौहार हो या बाजार का दिन हो बिजली विभाग वाले बिना बिजली कटौती के रह ही नहीं सकते, जब भी बिजली विभाग के कर्मचारियों से बात करो तो उनका एक ही जवाब होता है कि लालबर्रा से बंद है,मेंटनेंस हो रहा है,तो कभी लाइन फाल्ट है बस यही जवाब है,लामता में प्रतिदिन अघोषित बिजली कटौती की जाती है ,प्रत्येक दिन शाम को 5 बजे से 6 बजे के बीच बिजली गुल किया जाता है, और दिन भर में बार बार बिजली गुल किया जाता है।अभी तो त्यौहार का समय होने के बावजूद भी आज शनिवार के दिन भी बिजली कटौती किया जा रहा है ,ऐसे में दीपावली का सीजन,रंग पेंट बनाने वाले दुकानदार परेशान ,पिसाई वाले परेशान ,पानी वाले परेशान ओर हर कोई बिजली कटौती से परेशान हो गया है, अगर बिजली विभाग वालो को बिजली कटौती करना है तो वह सप्ताह का एक दिन निश्चित कर के दिनभर बिजली कटौती कर ले ,पर बार बार बिजली कटौती करना बंद करे, अन्यथा आम जनता को बिजली विभाग के खिलाफ सड़क पर उतर कर आंदोलन करना पड़ेगा। लामता निवासी व्यवसायियों ने बताये है कि आजकल तो बिजली गुल होना आम बात हो गया है, कभी भी, लामता एवं आसपास के क्षेत्रों में किसी भी समय बिजली गुल हो जाता है, जिससे ऑनलाइन सेंटर के कामकाज पूरी तरह चौपट हो रहा है वर्तमान समय में किसानो के खेत का पंजीयन कार्य चालू है, बिजली गुल होने से किसानो के पंजीयन कार्य में सबसे ज्यादा परेशानी आ रही है बिजली गुल होने से ग्रामीण जनो के ऑनलाइन कार्य बाधित हो रहे है। ग्रामीणों ने बताया कि जब से लामता में गुप्ता पदस्थ किया गया है तब से ही बार बार बिजली गुल किया जा रहा है एवं उपभोक्ताओं को पहले के अपेक्षा वर्तमान समय में बिजली बिल का चौगुना बिल आ रहा है, एवं बिजली उपभोक्ताओं को जबरन परेशान किया जा रहा है , इसी प्रकार गत दिनों पहले टाकाबर्रा निवासी हँसुलाल के घर पहुंचकर चोरी का लाइट जलाया जा रहा है कहकर 36000 हजार रूपये का जुर्माना कर लोक अदालत में वसूली कर लाइट काटा जा रहा था, जबकि उपभोक्ता हंसुलाल के घर में रीडिंग लिया जाता रहा है और उपभोक्ता द्वारा बिल भी पटाया जाता था इसके बावजूद उपभोक्ताओं को परेशान किया जा रहा है, एवं उपभोक्ता जे ई से दूरभाष में बात करने फोन किया जाता है तो फोन ही रिसीव नही किया जाता है।

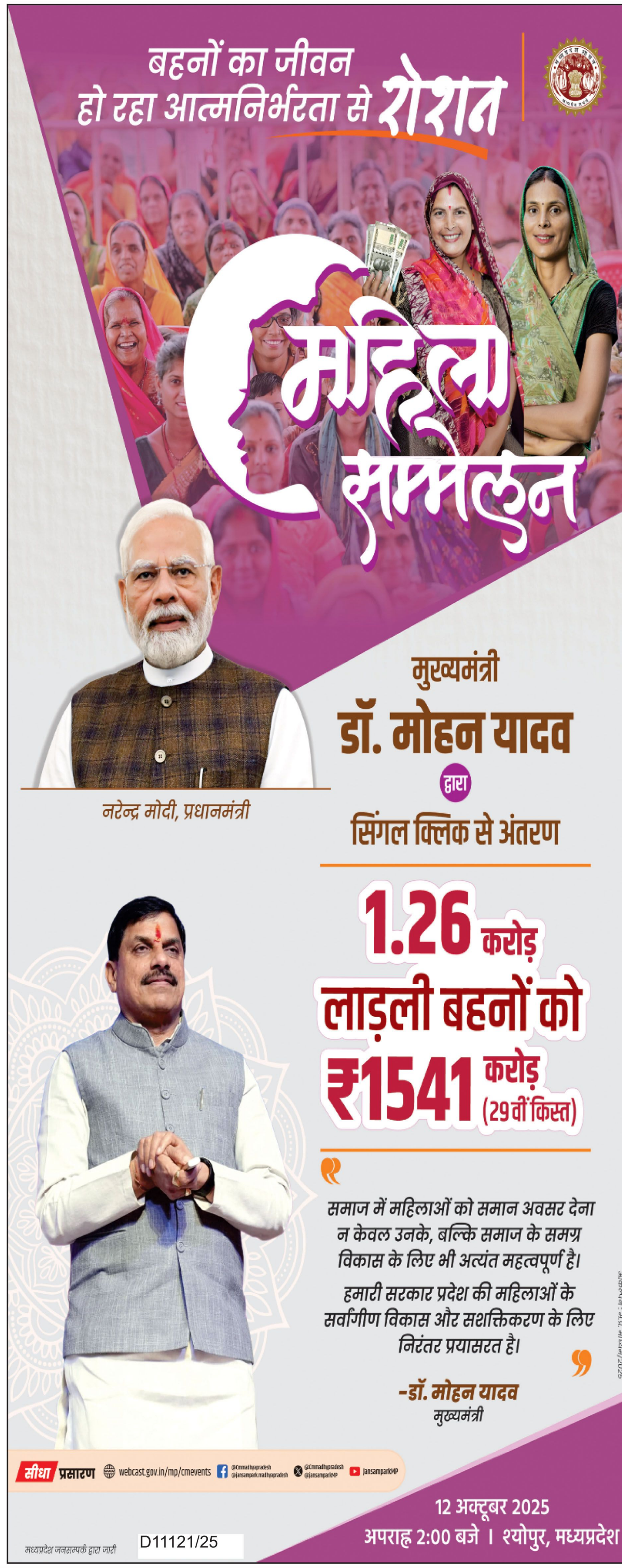

दीवान बहादूर एमएम मुलना की स्मृतिस्थल मुलना उद्यान बदहाल

फुटकर विक्रेताओं ने गार्डन की भूमि पर किया अवैध कब्जा, महज रस्मअदायगी का केन्द्र बन कर रह गया है उद्यान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

झएक ओर नगर पालिका नगर का सौंदर्यीकरण करने और उजड़ चुके गार्डन को पुनः सवार कर नगर की सुंदरता में चार चांद लगाने का दावा कर रही है तो वहीं दूसरी ओर नगरपालिका का नगर के सौंदर्यीकरण पर कोई ध्यान नहीं है। जहां नपा की उदासीनता के चलते महान दानवीर दीवान बहादुर मानेक जी मेहरवान जी मुलना की स्मृति में बनाया गया मुलना गार्डन अपनी बदहाली पर आंसू बहाता नज़र आ रहा है। जहां वर्षों से उजड़े इस गार्डन पर ध्यान न देने के चलते अब इस गार्डन की भूमि को लोग व्यवसायिक गतिविधि के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।जहां फल ,चाय, पान ठेला व्यवसायियों ने अब इस गार्डन पर धीरे-धीरे अपना कब्जा जमाना शुरू कर दिया है।तो वहीं कुछ चाय नाश्ता की दुकान वालों ने बकायदा गार्डन के भीतर बांस बल्ली गाड़कर अस्थाई काम चलाऊ दुकान बना ली है।जहां वे दुकान में आने वाले ग्राहकों को बैठा कर चाय नाश्ता परोस रहे हैं। इसके अलावा नगरपालिका की बेरुखी के चलते फल ,पान ठेला ,चाय दुकान व अन्य फुटकर व्यापारी बस स्टैंड स्थित मुलना गार्डन को वाहन पार्किंग के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।जिस पर नगर पालिका का कोई ध्यान नहीं है।

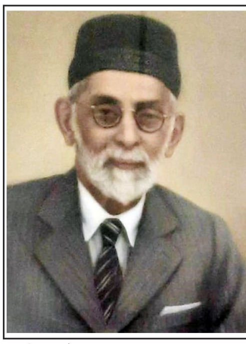

गार्डन सवारना तो दूर की बात, अतिक्रमण तक नही हटा रही नपा

इस गार्डन को सवारने या उसका सुंदरीकरण करना तो दूर की बात नपा अब तक गार्डन की जगह पर किए गए अवैध निर्माण और जगह-जगह किए गए अतिक्रमण को तक नहीं हटा पाई है। वही इस गार्डन का जहां-तहां पड़ी गंदगी से बुरा हाल है जिसपर नाराजगी जताते हुए स्थानीय लोगों ने गार्डन का पुनः निर्माण किए जाने की मांग की है।मुलना गार्डन की इस बदहाल सूरत को देख सवाल उठता है कि जो नगरपालिका महान दानवीर मुलना जी के नाम से बनाए गए गार्डन का संरक्षण नहीं कर पा रही है या उस गार्डन को सवार नहीं पा रही है तो फिर विकास कार्यों का दावा करने वाली नगरपलिका आखिरकार नगर का सौंदर्यीकरण कैसे करेगी। यही सवाल नगरपालिका की कार्यप्रणाली और उनके गैर जिम्मेदाराना रवैया पर प्रश्न चिन्ह लगाता है।

बालाघाट नगर मुलना जी की धरोहर है

गौरतलब है कि 25 अक्टूबर 1868 को जन्में मुलना जी एक उच्च शिक्षित खनिज व्यापारी थे।जिनकी जयंती आगामी समय मे 14 दिन बाद मनाई जाएगी। बहुमुखी प्रतिभा के चलते वे प्रसिद्ध वकील, सीपी लेजिस्लेटिव कॉसिंल के सदस्य, जिला पंचायत बालाघाट अध्यक्ष, नपा परिषद बालाघाट में 1914 से 1919 तक अध्यक्ष जैसे कई महत्वूपर्ण पदों पर रहे। नगर वास्तव में दीवान बहादुर मुलना की धरोहर है।उन्होंने न केवल नगर की सबसे बड़ी पेयजल सेवा नगरपालिका के माध्यम से नगरवासियो को सौंपी, बल्कि नगर का फिल्टर प्लांट, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, मुलना स्टेडियम सहित कई भवन व भूमि आज मुलना जी की ही देन हैं। उनके सार्वजनिक सेवाओं एवं निष्ठा के चलते उन्हें खान बहादुर का सम्मान प्राप्त हुआ, जो बाद में परिवर्तित होकर दीवान बहादुर हो गया। यही नहीं उन्होंने अपनी समस्त सम्पत्ति शेयर सर्टिफिकेट ट्रस्ट के रूप में बालाघाट नगर के जलप्रदाय, स्वास्थ्य, शिक्षा, एवं खेल आदि के विकास के लिए सौंपे है।ऐसे महादानी की जयंती पर उन्हें 25 अक्टूबर को प्रतिवर्ष याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। ऐसे महान दानदाता की याद में बनाया गया मुलना गार्डन पिछले कई वर्षों से उजड़ा पड़ा है जहां महान दान दाता मुलना जी की स्मृति को सजोना तो दूर की बात नगर पालिका इस गार्डन का अस्तित्व ही खत्म करने में तुली हुई है।

गंदगी के कारण बैठना पसंद नहीं करते लोग

आपको बताएं कि बस स्टैंड में गार्डन वाली जगह दानवीर मुलना जी की संपत्ति है। जहा सामने ही मुलना जी की प्रतिमा लगी है जिसके कारण इस स्थान को मुलना गार्डन के नाम से जाना जाता है। पहले गार्डन के चारों ओर बाउंड्रीवाल हुआ करते थी, नगर पालिका द्वारा यहा साफ सफाई की जाती है।वही गार्डन के भीतर तरह तरह के पेड़ पौधे व फूल लगे रहते है। यहां जगह जगह लोगो के बैठने के लिए कुर्सियां भी लगाई गई थी वहीं पानी का फव्वारा भी सुशोभित होता था जिसके चलते इस स्थान पर कई लोग काफी समय रुका करते थे।वहीं कई बार कई संगठनों को बैठक आदि करते हुए भी देखा गया था, लेकिन अब लोग इस स्थान पर गंदगी के कारण बैठना भी पसंद नहीं कर रहे हैं। वही गार्डन भूमि पर जगह जगह शराब की बोतलें, पानी पाउच,व खादय सामग्रियों के पैकेट बिखरे नजर आ रहे है। इसके अलावा जगह-जगह गंदगी बिखरी पड़ी है जो पिछले कई दिनों से साफ नहीं हो पाई है इसपर नपा का कोई ध्यान नही है।

स्टीमेट बना लिया गया है, जल्द टेंडर जारी किए जाएंगे - रहांगडाले

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान सहायक उघान अधीक्षक प्रभात रहांगडाले ने बताया कि जल्द से जल्द गार्डन की भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया जाएगा। गार्डन को पुनः सवारने की कार्य योजना तैयार कर ली गई है। इसके पुनः निर्माण के लिए एस्टीमेट बनाकर तैयार कर लिया गया है। जल्द ही इसके टेंडर जारी कर दिए जाएंगे। गार्डन का पुनः निर्माण कर उसका सौन्दर्यकरण किया जाएगा।

दो मोटरसाइकिलें आपस में टकराई एक गंभीर दूसरे युवक की मौत

वारासिवनी रोड गर्रा में हुई सड़क दुर्घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कोतवाली क्षेत्र में आने वाले वारासिवनी रोड स्थित ग्राम गर्रा शराब दुकान के आगे चौक में दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से दोनों मोटरसाइकिल में सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायल युवक विशाल पिता अशोक गेडाम ग्राम गर्रा बालाघाट और राहुल पिता विजय ठवकर 22 वर्ष ग्राम भोरगढ़ थाना खैरलांजी निवासी है। जिन्हें जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया था जिनमें गंभीर रूप से घायल राहुल ठवकर की रास्ते मे मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने इस युवक की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल ठवकर गुजरात में किसी कंपनी में काम करता है। जो नवरात्र पर्व पर अपने घर ग्राम भोरगढ़ आया था। 11 अक्टूबर को 11:45 बजे करीब राहुल ठवकर अपने साथी लक्की लिल्हारे के साथ मोटरसाइकिल में बालाघाट कॉलेज मार्कशीट लेने के लिए आ रहे थे। तभी बालाघाट वारासिवनी रोड पर स्थित शराब दुकान गर्रा के आगे चौक में जब विशाल गेडाम मोटरसाइकिल में एक एकोड़ी रोड से चौक तरफ आ रहा था। जिसकी मोटरसाइकिल राहुल ठवकर की मोटरसाइकिल के टकरा गई। इस जबरदस्त सड़क दुर्घटना में दोनों मोटरसाइकिल में सवार विशाल गेडामऔर राहुल ठवकर गंभीर रूप से घायल हो गए वहीं लक्की लिल्हारे को मामूली चोंटे आई। सूचना मिलते ही डायल 112 और 108 एम्बुलेंस घटनास्थल ग्राम गर्रा पहुंची और दोनों घायल को जिला अस्पताल लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायल को हायर सेंटर रेफर किया गया था जिनमें गंभीर रूप से घायल राहुल ठवकर की जिला अस्पताल बालाघाट से गोंदिया ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। जिसकी लाश जिला अस्पताल लाई गई ।जिला अस्पताल पुलिस ने इस युवक की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

पुराना ट्रेक्टर बाजार

(8/10/2025 से 20/10/2025) तक

Eoro504x4	2023	Eoro504x4	2024	Mdm Yoyo275	2017
PT435 plus	2019	PTU45	2013	Swaraj735xM	2012
Eoro41+	2017	New Hollond	2017	439 Pox	2022
Eoro60	2019	Ace 50HP	2019	Massy 7250	2016
Eoro50	2020	Ace 35 HP	2019	PT 434	2012
Eoro45	2016	435 Plus	2019	सभी मॉडल उपलब्ध है	

स्थान - नर्मदा नगर बालाघाट, सांई ट्रेक्टर के बाजु में

संपर्क सूत्र- 8959493056, 8770334649

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, प्रधान संपादक - उमेश बागरेचा, मो.नं. - 9425138710, स्थानीय संपादक - विपिन बिहारी शांडिल्य, रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट